website: www.royalpatrika.com
G-mail: royalpatrika@gmail.com
Yahoo: royal_patrika@yahoo.com

R.N.I. No. RAJHIN/2012/48736

दैनिक रॉयल पत्रिका

वर्ष : 13 | अंक : 311 | पेज: 8 | जयपुर, शनिवार 18 अक्टूबर 2025 | मूल्य: 1.50 रुपये

श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या ने पीएम मोदी से की मुलाकात

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या ने पीएम मोदी से मुलाकात की। पीएम मोदी ने उनका गर्मजोशी से स्वागत करते हुए कहा कि उनकी यात्रा से भारत-श्रीलंका के ऐतिहासिक और बहुआयामी संबंधों को नई गति मिलेगी। पीएम मोदी ने इस वर्ष अप्रैल में श्रीलंका की अपनी राजकीय यात्रा को याद किया, जिसके दौरान उन्होंने श्रीलंका के राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायका के साथ सहयोग के सभी क्षेत्रों पर उपयोगी चर्चा की थी। दोनों नेताओं ने शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार विकास सहयोग और दोनों देशों के मछुआरों के कल्याण सहित अनेक क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। भारत और श्रीलंका के बीच विशेष संबंधों पर प्रकाश डालते हुए पीएम मोदी ने दोनों देशों की साझा विकास यात्रा में एक साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।उन्होंने राष्ट्रपति दिसानायका को अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं और कहा कि वे उनके साथ निरंतर संपर्क बनाए रखने के लिए उत्सुक हैं। श्रीलंका की प्रधानमंत्री की यह यात्रा दोनों देशों के बीच गहन सहयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच गहन सहयोग को बढ़ावा देने और इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, पर्यटन, स्किल डेवलपमेंट और एआई के क्षेत्रों में भारत की परिवर्तनकारी पहलों पर अंतर्दृष्टि साझा करने पर केंद्रित थी।इस यात्रा ने भारत और श्रीलंका के रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने, सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय चुनौतियों व अवसरों का समाधान करने के लिए इनोवेशन और स्किल का लाभ उठाने के साझा दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

ग्लोबल साउथ के विकास के लिए भारत-मिस्र की साझा प्रतिबद्धता- डॉ. एस. जयशंकर

नई दिल्ली (एजेंसी)। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने गुरुवार को बताया कि भारत और मिस्र ग्लोबल साउथ की प्रगति के लिए प्रतिबद्धता साझा करते हैं। विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने प्रथम भारत-मिस्र रणनीतिक वार्ता में अपने उद्घाटन भाषण में कहा, "भारत और मिस्र ग्लोबल साउथ की प्रगति और विश्व मामलों में राष्ट्रों की स्वतंत्रता एवं चयन की स्वतंत्रता को मजबूत करने के लिए प्रतिबद्ध हैं। यह एकजुटता निश्चित रूप से आज हमारी चर्चाओं का मार्गदर्शन करेगी।"

मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती का दो दिवसीय भारत दौरे पर स्वागत किया गया

उन्होंने मिस्र के विदेश मंत्री बद्र अब्देलती का दो दिवसीय भारत दौरे पर स्वागत किया गया। विदेश मंत्री के रूप में अब्देलती की यह पहली भारत यात्रा है। जयशंकर ने बताया कि पहली भारत-मिस्र रणनीतिक वार्ता द्विपक्षीय संबंधों में एक मील का पत्थर है, जिसमें 2023 में रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक संबंधों के बेहतर होने के बाद से विभिन्न क्षेत्रों में गहन सहयोग देखा गया है।

हमारे राजनीतिक संपर्क और समन्वय बहुपक्षीय संबंधों सहित मजबूत और निरंतर रहे हैं

विदेश मंत्री ने अपने संबोधन में कहा, "हमारे राजनीतिक संपर्क और समन्वय बहुपक्षीय संबंधों सहित मजबूत और निरंतर रहे हैं। हमारे रक्षा और सुरक्षा आदान-प्रदान बढ़े हैं। व्यापार और निवेश आशाजनक बने हुए हैं और हम इस पर चर्चा करेंगे कि इन्हें कैसे आगे बढ़ाया जाए। हम डिजिटल सार्वजनिक अवसंरचना, फिनटेक, फार्मा, अंतरिक्ष, स्टार्टअप और हरित प्रौद्योगिकियों में संभावनाओं का पता लगा सकते हैं। दो प्राचीन सभ्यताओं के अनुरूप, संस्कृति और लोगों के बीच आदान-प्रदान भी हमारे संबंधों में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं।"

विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जोर देकर कहा कि यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अंतर्राष्ट्रीय स्थिति 'जटिल और अस्थिर' है

उन्होंने कहा कि दोनों देशों के बीच लंबे समय की मित्रता को ध्यान में रखते हुए, यह स्वाभाविक ही था कि मिस्र जून 2025 में इस क्षेत्र से भारतीय नागरिकों को निकालने में भारत की सहायता करे। उन्होंने कहा, "पहलगाम आतंकवादी हमले के बाद आपकी सरकार और आपने व्यक्तिगत रूप से जो एकजुटता दिखाई, उसके लिए मैं आपकी गहरी सराहना व्यक्त करना चाहता हूं। उस समय प्रधानमंत्री मोदी और राष्ट्रपति सिसी ने एक-दूसरे से बात की थी। हमने उस गर्मजोशी भरे स्वागत को भी देखा जो आपने उसके बाद मिस्र का दौरा करने वाले बहुदलीय संसदीय प्रतिनिधिमंडल का किया था।" विदेश मंत्री डॉ. एस. जयशंकर ने जोर देकर कहा कि यह बैठक ऐसे समय में हो रही है जब अंतर्राष्ट्रीय स्थिति 'जटिल और अस्थिर' है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ग्रामीण बैंकों से कृषि ऋण वितरण बढ़ाने का आग्रह किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने ग्रामीण बैंकों को कृषि और उससे जुड़े क्षेत्र में बढ़ती क्रेडिट की मांग को पूरे करने के लिए अधिक लोन देने को कहा है। गुरुवार को बेल्लारी में कर्नाटक ग्रामीण बैंक (केजीबी) के व्यावसायिक प्रदर्शन की समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए वित्त मंत्री ने लोन वृद्धि, एनपीए, वित्तीय समावेशन के तहत प्रदर्शन और सरकार प्रायोजित योजनाओं के कार्यान्वयन सहित प्रमुख संकेतकों का मूल्यांकन किया।

वित्त मंत्री सीतारमण ने सभी पक्षकारों को क्षेत्र में कृषि गतिविधियों की क्षमता का दोहन करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया-

वित्त मंत्री सीतारमण ने सभी पक्षकारों को क्षेत्र में कृषि गतिविधियों की क्षमता का दोहन करने के लिए आवश्यक कदम उठाने का भी निर्देश दिया। केएजीबी और केनरा बैंक को विशेष रूप से एमएसएमई और उससे जुड़े क्षेत्रों को लोन वितरण बढ़ाने के लिए राज्य सरकार के विभागों के साथ मिलकर काम करने का निर्देश दिया गया।

वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी दरों को कम करने से खपत में वृद्धि के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में नए अवसर खुले हैं-

वित्त मंत्री ने कहा कि जीएसटी दरों को कम करने से खपत में वृद्धि के कारण ग्रामीण क्षेत्रों में नए अवसर खुले हैं। उन्होंने ग्रामीण बैंकों से आग्रह किया कि वे अर्ध-शहरी और ग्रामीण क्षेत्रों में लोन की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाएं। केंद्रीय मंत्री ने केएजीबी और प्रायोजक बैंक को पंचायत स्तर पर संबंधित समितियों के साथ मिलकर पीएम-विश्वकर्मा और पीएमएफएमई जैसी सरकारी प्रायोजित योजनाओं के तहत प्राप्त आवेदनों की जांच प्रक्रिया में सुधार करने की सलाह दी।

केजीबी को परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार, नई तकनीक अपनाने और ग्राहक सेवा वितरण को मजबूत करके परिचालन दक्षता बढ़ाने की भी सलाह दी गई-

केंद्रीय वित्त मंत्री ने केएजीबी से आग्रह किया कि वह कल्याण कर्नाटक क्षेत्र में अपनी उपस्थिति बढ़ाए और जहां भी बैंकिंग आउटलेट्स की उपलब्धता अपर्याप्त है, वहां नई शाखाएं खोलकर अपनी उपस्थिति को बढ़ाए। केएजीबी को परिसंपत्ति गुणवत्ता में सुधार, नई तकनीक अपनाने और ग्राहक सेवा वितरण को मजबूत करके परिचालन दक्षता बढ़ाने की भी सलाह दी गई।

वित्त मंत्रालय के सचिव, एम. नागराजू ने कहा कि विलय के बाद प्रणालियों और प्रक्रियाओं का एकीकरण पूरा हो गया है-

वित्त मंत्रालय के सचिव, एम. नागराजू ने कहा कि विलय के बाद प्रणालियों और प्रक्रियाओं का एकीकरण पूरा हो गया है और ग्रामीण बैंक की दीर्घकालिक स्थिरता और व्यवहार्यता के लिए केएजीबी की मध्यम अवधि की व्यावसायिक योजना और प्रायोजक बैंक द्वारा उसकी समीक्षा पर जोर दिया।नागराजू ने क्षेत्र में खाद्य प्रसंस्करण और एमएसएमई की संभावनाओं का जिक्र किया और केएजीबी से कृषि और संबद्ध क्षेत्रों में किसानों द्वारा मूल्य सृजन के लिए नाबार्ड के साथ साझेदारी करने का आग्रह किया।

डाक विभाग जनवरी से 24 घंटे और 48 घंटे में 'डिलीवरी' की गारंटी के साथ शुरू करेगा नई सेवाएं

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि भारतीय डाक 24 घंटे और 48 घंटे की डिलीवरी समय सीमा के साथ मेल और पार्सल की गारंटी आधारित सेवाएं अगले साल जनवरी में शुरू की जाएंगी। हम डाक और पार्सल की डिलीवरी की गारंटी के साथ नए उत्पाद लॉन्च करने जा रहे हैं।

गारंटी आधारित डिलीवरी समय सीमा के साथ मेल, पार्सल सेवाएं भी की जाएंगी शुरू-

केंद्रीय संचार मंत्री ने यहां प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित करते हुए कहा कि जनवरी से 24 घंटे और 48 घंटे डाक वितरण और अगले दिन पार्सल वितरण शुरू हो जाएगा। उन्होंने कहा कि पार्सल की अगले दिन डिलीवरी के लिए भी ऐसी ही सेवाएं होंगी, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि पार्सल की डिलीवरी अगले दिन हो, जबकि अभी इसमें 3-5 दिन लगते हैं।

सरकार का लक्ष्य 2029 तक भारतीय डाक को 'लागत केंद्र' से 'लाभ केंद्र' में बदलना-

मंत्री ने कहा कि सरकार का लक्ष्य 2029 तक भारतीय डाक को 'लागत केंद्र' से 'लाभ केंद्र' में बदलना है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि यह नई सेवा जनवरी में शुरू की जाएगी। इस कदम का उद्देश्य भारतीय डाक के संचालन को आधुनिक बनाना, ग्राहकों का विश्वास बढ़ाना और निजी कूरियर सेवाओं के साथ अधिक प्रभावी ढंग से प्रतिस्पर्धा करना है, जिससे देश भर में तेज और अधिक विश्वसनीय वितरण सुनिश्चित हो सके।

हमारे ग्रामीण डाक सेवक भारत की पूंजी-

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने मीडिया को संबोधित करते हुए इंडिया पोस्ट ऑफिस की एक वर्ष की परिवर्तनकारी प्रगति पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि हमारे ग्रामीण डाक सेवक भारत की पूंजी हैं। गांव-गांव में जाकर विश्वास और प्रेम का संबंध स्थापित करते हैं। उनके सशक्तिकरण के आधार पर, उनकी वोकेशनल ट्रेनिंग के आधार पर उनके लिए नए लाइन ऑफ बिजनेस उनके लिए शुरू करके प्रगति और विकास भी सुनिश्चित करें।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री हरिनी अमरसूर्या ने नीति आयोग का किया दौरा

- भारत की प्रगतिशील पहलों से प्रभावित

नई दिल्ली (एजेंसी)। श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी नीरेका अमरसूर्या ने शुक्रवार को नई दिल्ली में नीति आयोग का दौरा किया, जहां उन्होंने भारत की प्रगतिशील पहलों को जानने और दोनों देशों के बीच सहयोग को गहरा करने पर ध्यान केंद्रित किया। नीति आयोग ने इस अवसर पर जानकारी दी कि अमरसूर्या ने नीति आयोग की पॉलिसी थिंक टैंक और कॉर्डिनेशन प्लेटफॉर्म के रूप में भूमिका की सराहना की, विशेष रूप से इसके लॉन्ग-टर्म पॉलिसी डिजाइन को जमीनी स्तर पर लागू करने की क्षमता को रेखांकित किया।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री की यह यात्रा दोनों देशों के बीच गहन सहयोग को बढ़ावा देने पर केंद्रित

आधिकारिक जानकारी के अनुसार, नीति आयोग ने हाल ही में नई दिल्ली में श्रीलंका की पीएम डॉ. हरिनी नीरेका अमरसूर्या की मेजबानी की। उनकी यह यात्रा दोनों देशों के बीच गहन सहयोग को बढ़ावा देने और इंफ्रास्ट्रक्चर, शिक्षा, पर्यटन, स्किल डेवलपमेंट और एआई के क्षेत्रों में भारत की परिवर्तनकारी पहलों पर अंतर्दृष्टि साझा करने पर केंद्रित थी।इस यात्रा ने भारत और श्रीलंका के रणनीतिक साझेदारी को गहरा करने, सस्टेनेबल डेवलपमेंट को बढ़ावा देने और क्षेत्रीय चुनौतियों व अवसरों का समाधान करने के लिए इनोवेशन और स्किल का लाभ उठाने के साझा दृष्टिकोण को रेखांकित किया।

दोनों पक्षों ने साझेदारी को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की

दोनों पक्षों ने नेबरहुड फर्स्ट और महासागर फ्रेमवर्क के अंतर्गत नॉलेज-बेस्ड, टेक्नोलॉजी ड्रिवन और पीपल-सेंट्रिक साझेदारी को आगे बढ़ाने की अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।अमरसूर्या ने नीति आयोग के केंद्रीय मंत्रालयों और राज्यों के साथ मिलकर काम करने के तरीके को समझने में अपनी रुचि व्यक्त की, जिसमें विश्लेषण, साक्ष्य-आधारित नीति-निर्माण और नागरिकों से प्राप्त फीडबैक को प्रभावी शासन से जोड़ना शामिल था।

श्रीलंका की सुधार यात्रा और ऐसे संस्थानों की आवश्यकता पर भी डाला प्रकाश

उन्होंने श्रीलंका की सुधार यात्रा और ऐसे संस्थानों की आवश्यकता पर भी प्रकाश डाला जो नीतिगत सुसंगतता, साक्ष्य-आधारित निर्णयों और राजनीतिक चक्रों से परे निरंतरता को बढ़ावा दें। नीति आयोग के अनुसार, उपाध्यक्ष सुमन के. बेरी द्वारा संचालित चर्चाओं में भारत की वर्तमान पहलों जैसे मल्टीमॉडल इंफ्रास्ट्रक्चर प्लानिंग के लिए पीएम गति शक्ति, समग्र और समावेशी शिक्षा के लिए नेशनल एजुकेशन पॉलिसी 2020, पर्यटन और सांस्कृतिक आदान-प्रदान में सहयोगात्मक अवसर और एआई, डिजिटल शासन सहित अग्रणी टेक्नोलॉजी के बारे में जानकारी दी गई।

दलहन आत्मनिर्भरता मिशन और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का क्रियान्वयन जल्द शुरू होने से किसानों को होगा फायदा- शिवराज सिंह चौहान

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण एवं ग्रामीण विकास मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने आज शुक्रवार को कहा कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन और प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना का जमीनी स्तर पर क्रियान्वयन जल्द शुरू होने से किसानों को फायदा होगा। उन्होंने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' और 'प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना' से जुड़ी एक उच्चस्तरीय बैठक की। केंद्रीय मंत्री चौहान ने बैठक में इन योजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए निर्देश जारी किए।

दलहन आत्मनिर्भरता मिशन पर जिलेवार क्लस्टर बनाकर काम किया जाएगा-

कृषि एवं किसान कल्याण मंत्रालय के अनुसार, बैठक में बताया गया कि दलहन आत्मनिर्भरता मिशन पर जिलेवार क्लस्टर बनाकर काम किया जाएगा, जिसे लेकर राज्यों से क्लस्टर निर्माण के लिए सहयोग लिया जा रहा है। केंद्रीय मंत्री चौहान ने 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' के समयबद्ध क्रियान्वयन के लिए इस मिशन से जुड़े राज्यों से जुड़े नोडल अधिकारियों के साथ भी एक बैठक आयोजित करने का अधिकारियों को निर्देश दिया, जिससे कि मिशन को सफलतापूर्वक लागू किया जा सके।

प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ-

ज्ञात हो, बीते 11 अक्टूबर को दिल्ली में आयोजित एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी ने प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना और दलहन आत्मनिर्भरता मिशन का शुभारंभ किया था। प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को देश के 100 आकांक्षी जिलों में कृषि उत्थान के लिए 11 मंत्रालयों की 36 उप-योजनाओं को कॉर्डिनेट करते लॉन्च किया गया है। इससे पहले 16 जुलाई 2025 को केंद्रीय मंत्रिमंडल ने प्रधानमंत्री धन-धान्य कृषि योजना को मंजूरी दी थी। वित्त वर्ष 2025-26 से ये योजनाएं छह वर्ष की अवधि के लिए चलाई जाएंगी। इसका वार्षिक परिव्यय 24,000 करोड़ रुपए है। वहीं, 'दलहन आत्मनिर्भरता मिशन' छह वर्षों की अवधि में 11,440 करोड़ रुपए के वित्तीय परिव्यय के साथ क्रियान्वित किया जाएगा। इस मिशन से 2030-31 तक दलहन क्षेत्रफल को 275 लाख हेक्टेयर से बढ़ाकर 310 लाख हेक्टेयर तक विस्तृत करने, उत्पादन को 242 लाख टन से बढ़ाकर 350 लाख टन तक बढ़ाने और उत्पादकता को 1130 किलोग्राम/हेक्टेयर तक बढ़ाने की उम्मीद है। उत्पादकता में वृद्धि के साथ-साथ यह मिशन बड़ी संख्या में रोजगार सृजन भी करेगा।

सोने की कीमत 2026 तक 1.5 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंच सकती है: रिपोर्ट

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले धनतेरस के बाद से सोने ने रुपए के संदर्भ में लगभग 63 प्रतिशत और डॉलर के संदर्भ में 53 प्रतिशत का रिटर्न दिया है। शुक्रवार को आई एक रिपोर्ट के अनुसार, 2026 तक पीली धातु के 1.5 लाख रुपए प्रति 10 ग्राम तक पहुंचने की संभावना है।

मार्च 2025 से सोने की कीमतें आसमान छू रही हैं, जो 3,000 डॉलर प्रति औंस से बढ़कर लगभग 4,254 डॉलर हो गई हैं

वेंचुरा सिक्योरिटीज की रिपोर्ट में कहा गया है कि अमेरिकी फेडरल रिजर्व, ईटीएफ प्रवाह और केंद्रीय बैंक की खरीदारी से मिले नरम रुख वाले संकेतों के कारण सोने में तेजी आई है। मार्च 2025 से सोने की कीमतें आसमान छू रही हैं, जो 3,000 डॉलर प्रति औंस से बढ़कर लगभग 4,254 डॉलर हो गई हैं।

भारत में धनतेरस 2024 को सोने की कीमतें 78,840 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर वर्तमान में 128,200 रुपए हो गई हैं

भारत में धनतेरस 2024 को सोने की कीमतें 78,840 रुपए प्रति 10 ग्राम से बढ़कर वर्तमान में 128,200 रुपए हो गई हैं। रिपोर्ट में कहा गया है, "धनतेरस 2025 से अगली तेजी की शुरुआत करते हुए, 5000 डॉलर प्रति औंस या 1,50,000 रुपए प्रति दस ग्राम के अनछुए स्तर 2026 में पहुंच सकता है।"

वेंचुरा के एनएस रामास्वामी ने कहा कि अमेरिकी श्रम बाजार में बढ़ते जोखिमों के कारण दरों में कटौती जरूरी है

वेंचुरा के कमोडिटीज एवं सीआरएम प्रमुख एनएस. रामास्वामी ने अमेरिकी श्रम बाजार में बढ़ते नकारात्मक जोखिमों पर प्रकाश डाला, जिसके कारण दरों में कटौती जरूरी हो गई है। रामास्वामी ने कहा, "आर्थिक आंकड़ों (रोजगार और मुद्रास्फीति) में देरी के कारण ध्यान फेड अध्यक्ष पॉवेल पर है, जिन्होंने संकेत दिया था कि बढ़ते श्रम बाजार जोखिम एक और दर कटौती को उचित ठहराते हैं।"

चीन ने रेयर अर्थ मेटल और मैग्नेट पर निर्यात प्रतिबंध लगाए, जिससे अमेरिका के साथ व्यापार तनाव बढ़ गया

उन्होंने आगे कहा कि अमेरिका को अपने ऋण भुगतान की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है और उसका राष्ट्रीय ऋण बढ़कर 37 ट्रिलियन डॉलर हो गया है। चीन और अमेरिका के बीच व्यापार तनाव बढ़ गया है क्योंकि चीन ने रेयर अर्थ मेटल और मैग्नेट पर कड़े निर्यात प्रतिबंधों की घोषणा की है, जो इन महत्वपूर्ण संसाधनों के दुनिया के सबसे बड़े सप्लायर हैं।

अमेरिका ने चीनी आयात पर 100% अतिरिक्त टैरिफ की घोषणा की, जिससे सोने की मांग बढ़ी

इस बीच, संयुक्त राज्य अमेरिका ने चीनी आयात पर मौजूदा 30 प्रतिशत के अतिरिक्त 100 प्रतिशत टैरिफ लगाने की घोषणा की है, जिससे सोने की मांग में तेजी आई है।रिपोर्ट में कहा गया है कि इन अनुकूल परिस्थितियों के चलते सोने में लगातार आठ साप्ताहिक बढ़त दर्ज की गई है। सोने की कीमतों में बढ़ोतरी निवेशकों के विश्वास और एफओएमओ की प्रबल भावना को बढ़ावा दे रही है, क्योंकि हर गिरावट का सामना आक्रामक खरीदारी से हो रहा है।

चुनाव आयोग की महत्वपूर्ण बैठक, बिहार चुनाव की तैयारियों पर जोर

बिहार (एजेंसी)। भारत चुनाव आयोग (ECI) आज शुक्रवार को एनफोर्समेंट एजेंसियों/फोर्स के हेड्स के साथ मीटिंग कर रहा है। इस दौरान बिहार विधानसभा चुनावों के लिए निष्पक्ष और पारदर्शी मतदान सुनिश्चित करने की रणनीति पर चर्चा होगी। साथ ही चुनाव के दौरान कैश, शराब, ड्रग्स और दूसरे लालच के मूवमेंट से निपटने के लिए भी रणनीति पर चर्चा होगी। इस बैठक में बिहार के मुख्य सचिव, डीजीपी और मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) वर्चुअली शामिल हुए हैं।

बैठक का मुख्य उद्देश्य

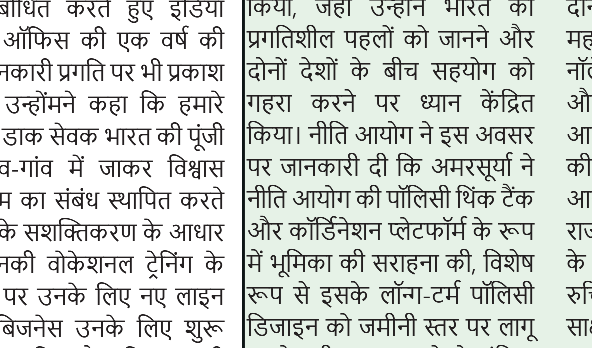

बैठक का मुख्य उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि बिहार में होने वाले विधानसभा चुनावों के दौरान किसी भी अप्रिय स्थिति से बचा जा सके। इसके लिए एक व्यापक रूपरेखा तैयार की जाएगी। इस समिति में 17 विभाग शामिल हैं, जिनमें केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), केंद्रीय अप्रत्यक्ष कर और सीमा शुल्क बोर्ड (सीबीआईसी), प्रवर्तन निदेशालय (ईडी), राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई), केंद्रीय आर्थिक खुफिया ब्यूरो (सीईआईबी), वित्तीय खुफिया इकाई (एफआईयू-आईएनडी), भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई), भारतीय बैंक संघ (आईबीए), नारकोटिक्स कंट्रोल ब्यूरो (एनसीबी), रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), केंद्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल (सीआईएसएफ), सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ), सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी), ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन सिक्योरिटी (बीसीएएस), भारतीय हवाई अड्डा प्राधिकरण (एएआई) और डाक विभाग शामिल हैं। बैठक में उम्मीदवारों और राजनीतिक दलों द्वारा चुनाव के दौरान अवैध खर्च पर रोक लगाने के लिए ठोस कदम उठाने पर जोर होगा। सभी कानून प्रवर्तन एजेंसियों से सक्रिय और निवारक कार्रवाई करने को कहा गया है। इसके साथ ही, आर्थिक अपराधों से जुड़ी खुफिया जानकारी के आदान-प्रदान और एजेंसियों के बीच बेहतर तालमेल पर भी चर्चा होनी है।

चुनाव आयोग का लक्ष्य बिहार में स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना

अंतर्राज्यीय और अंतरराष्ट्रीय सीमाओं के जरिए नकली मुद्रा, ड्रग्स, शराब और नकदी की तस्करी रोकने के उपायों पर भी विचार-विमर्श होगा। चुनाव आयोग का लक्ष्य बिहार में स्वच्छ और निष्पक्ष चुनाव सुनिश्चित करना है, जिसमें किसी भी तरह की गड़बड़ी को रोका जा सके। बैठक के बाद सभी एजेंसियों को स्पष्ट दिशा-निर्देश जारी किए जाएंगे ताकि चुनाव प्रक्रिया सुचारू और पारदर्शी रहे। चुनाव आयोग के इस कदम से यह संकेत मिलता है कि बिहार चुनावों के लिए व्यापक तैयारियां की जा रही हैं और किसी भी तरह के अनियमितता पर सख्त नजर रखी जाएगी।

रॉयल पत्रिका

संपादकीय....

जीएम खाद्य पर रोक: राजस्थान हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

राजस्थान हाईकोर्ट ने हाल ही में एक अहम फैसला सुनाते हुए जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) खाद्य पदार्थों के निर्माण, बिक्री और आयात पर रोक लगा दी है। यह निर्णय जनस्वास्थ्य और खाद्य सुरक्षा के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है। अदालत ने साफ कहा है कि जब तक इन खाद्य पदार्थों से जुड़ी ठोस नीतियां, नियामक ढांचे और सुरक्षा मानक तय नहीं किए जाते, तब तक इनके उत्पादन या विपणन की अनुमति नहीं दी जा सकती। यह फैसला एक जनहित याचिका पर आया, जिसमें दावा किया गया था कि भारतीय बाजार में पहले से ही कई ऐसे खाद्य उत्पाद उपलब्ध हैं जिनमें जेनेटिकली मॉडिफाइड तत्व मौजूद हैं, जबकि सरकार की ओर से इस दिशा में कोई स्पष्ट अनुमति या नियमन जारी नहीं हुआ है। दरअसल, जीएम फूड यानी ऐसे कृषि उत्पाद या खाद्य पदार्थ जिनके जीन प्रयोगशाला में कृत्रिम रूप से बदले जाते हैं, ताकि उनमें कुछ नई विशेषताएं विकसित की जा सकें—जैसे अधिक पैदावार, कीटों से सुरक्षा या मौसम के प्रति सहनशीलता। वैज्ञानिक दृष्टि से यह तकनीक खेती के क्षेत्र में एक बड़ा नवाचार मानी जाती है, लेकिन इसके स्वास्थ्य और पर्यावरण पर दीर्घकालिक प्रभावों को लेकर गहरी आशंकाएं बनी हुई हैं। कई अध्ययनों में यह बात सामने आई है कि जीएम फसलों या उनसे बने उत्पादों का लगातार सेवन मानव शरीर के हार्मोनल संतुलन, प्रतिरोधक क्षमता और यहां तक कि जीन संरचना पर भी असर डाल सकता है। यही कारण है कि विश्व के कई देशों, विशेषकर यूरोपियन यूनियन के सदस्य देशों ने जीएम खाद्य पदार्थों पर या तो पूर्ण प्रतिबंध लगाया है या अत्यंत सख्त नियामक व्यवस्था लागू की है। याचिका में यह दावा किया गया था कि भारत के बाजार में पहले से ही कई उत्पाद जैसे जीएम आधारित कैनोला ऑयल, ओलिव ऑयल और मक्का से तैयार तेलों का इस्तेमाल कर बनाए गए चिप्स, स्नैक्स और अन्य पैक्ड फूड्स खुलेआम बेचे जा रहे हैं। यदि यह सच है, तो यह स्थिति वाकई चिंताजनक है, क्योंकि भारत में फिलहाल ऐसे खाद्य पदार्थों की अनुमति या परीक्षण के लिए कोई सुव्यवस्थित नीति या नियामक प्रक्रिया लागू नहीं है। ऐसे में आम जनता अनजाने में ही ऐसे उत्पादों का सेवन कर रही है जिनके दीर्घकालिक दुष्प्रभावों के बारे में अभी तक कोई पुख्ता जानकारी नहीं है। राजस्थान हाईकोर्ट का यह निर्देश इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि यह न केवल उपभोक्ता सुरक्षा बल्कि देश की खाद्य संप्रभुता से भी जुड़ा मामला है। भारत जैसे कृषि प्रधान देश में जहां करोड़ों लोग खेती पर निर्भर हैं, वहां यदि जीएम बीजों या उत्पादों को बिना जांच-परख के बढ़ावा दिया गया तो यह पारंपरिक फसलों की विविधता, स्थानीय किसानों की आजीविका और जैविक संतुलन पर गंभीर असर डाल सकता है।

जैसलमेर बस अग्निकांड: सिर्फ हादसा नहीं, नीतिगत विफलताओं की जलती तस्वीर

-निजी बस संचालकों की लापरवाही और भ्रष्ट RTO सिस्टम बने मौत के ज़िम्मेदार

राजस्थान के जैसलमेर ज़िले में 14 अक्टूबर 2025 को हुआ भयानक बस अग्निकांड सिर्फ एक सड़क दुर्घटना नहीं थी, बल्कि यह हमारे देश की सड़क सुरक्षा प्रणाली, वाहन मॉडिफिकेशन नीति और प्रशासनिक जवाबदेही की गहरी विफलता का प्रतीक बनकर सामने आया है। इस हादसे में 21 निर्दोष लोगों ने अपनी जान गंवाई और दर्जनों लोग हमेशा के लिए झुलस गए। पर असली सवाल यही है — क्या यह हादसा टाला नहीं जा सकता था? जवाब है — बिल्कुल हां। अगर सुरक्षा को प्राथमिकता दी जाती, अगर निगरानी व्यवस्था मजबूत होती, और अगर "मुआवज़े की राजनीति" के बजाय "जवाबदेही की नीति" पर अमल होता, तो शायद ये जानें बच सकती थीं।

पहला अध्याय: हादसे की भयावह तस्वीर

घटना की भयावहता ऐसी थी कि कुछ ही मिनटों में स्लीपर बस धधकती आग का गोला बन गई। यात्रियों ने खिड़कियां तोड़ने की कोशिश की, लेकिन न तो आपातकालीन निकास (emergency exit) था और न ही काँच तोड़ने के लिए सुरक्षा हथौड़े। मुख्य दरवाजा जाम हो गया और एसी यूनिट के पास बैठा ड्राइवर खुद बाहर निकलने से पहले बेहोश हो गया। स्थानीय लोग मौके पर दौड़े, पर तब तक बस के भीतर लोगों की चीखें सन्नाटे में बदल चुकी थीं। बस के अवशेष देखकर साफ हुआ कि यह एक गैर-एसी स्लीपर कोच थी जिसे हाल ही में एसी बस में मॉडिफाई किया गया था। अंदर के हिस्से में ज्वलनशील फाइबर और सिंथेटिक इंटीरियर का इस्तेमाल किया गया था, जो आग पकड़ने में बेहद संवेदनशील होते हैं। प्रारंभिक रिपोर्ट में एसी कम्प्रेसर ब्लास्ट और शॉर्ट सर्किट को कारण बताया गया।

दूसरा अध्याय: आंकड़े जो चेतावनी देते हैं

सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्रालय की 2023 की रिपोर्ट के मुताबिक, पूरे देश में 12,502 बस दुर्घटनाएं दर्ज हुईं, जिनमें करीब 4,000 लोगों की मौत हुई और 21,000 से अधिक लोग घायल हुए। इनमें बड़ी संख्या उन बसों की थी जो या तो अवैध रूप से मॉडिफाई की गई थीं या पुराने मॉडल होने के बावजूद चल रही थीं। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, तमिलनाडु और महाराष्ट्र जैसे राज्यों में तो निजी बस ऑपरेटरों द्वारा सुरक्षा मानकों की अनदेखी आम बात है। ऐसे में जैसलमेर हादसा सिर्फ एक राज्य या जिले की लापरवाही नहीं, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर नीतिगत ढिलाई का सबूत है।

तीसरा अध्याय: बस मॉडिफिकेशन – मौत की फैक्ट्री बनती एक लापरवाही

भारत में हजारों निजी बसें बिना किसी स्वीकृत तकनीकी ऑडिट के मॉडिफाई की जाती हैं। गैर-एसी बस को एसी में बदलने के लिए कंप्रेसर, गैस पाइपिंग, अतिरिक्त वायरिंग और जनरेटर यूनिट लगाई जाती है। अक्सर ये काम छोटे गैरेजों में बिना प्रशिक्षित तकनीशियनों के कराए जाते हैं। इनमें न कोई थर्मल इंसुलेशन की जांच होती है, न ही फायर रेसिस्टेंट मटेरियल का प्रयोग। परिणाम — जैसे ही सर्किट में गड़बड़ी होती है, बस आग का गोला बन जाती है। थर्ड पार्टी सेफ्टी ऑडिट अनिवार्य होना चाहिए, ताकि कोई भी मॉडिफाइड वाहन बिना सुरक्षा जांच के सड़क पर न उतर सके। जैसे हवाई जहाज़ या मेट्रो ट्रेन के रखरखाव में इंडिपेंडेंट टेक्निकल ऑडिट होता है, वैसे ही बसों के लिए भी स्वतंत्र एजेंसी द्वारा वार्षिक जांच जरूरी हो।

चौथा अध्याय: प्रशासनिक सुस्ती और 'पोस्ट-इवेंट रेस्पॉन्स' की संस्कृति

भारत में किसी भी हादसे के बाद सरकारें तुरंत सक्रिय होती हैं — घोषणाएँ होती हैं, मुआवज़े तय होते हैं, और कुछ अधिकारियों को सस्पेंड कर दिया जाता है। लेकिन कुछ ही हफ्तों में सब भुला दिया जाता है। सड़क सुरक्षा को लेकर बनी राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा परिषद, राज्य परिवहन आयुक्तालय और RTO की भूमिकाएँ अक्सर सिर्फ कागज़ों में सिमटकर रह जाती हैं। जैसलमेर बस हादसे में भी यही पैटर्न देखने को मिला। सरकार ने मुआवज़े की घोषणा की — जिन परिवारों में तीन या अधिक लोगों की मौत हुई, उन्हें ₹25 लाख, बाकी मृतकों के परिजनों को ₹10 लाख, और घायलों को ₹2 लाख। मुआवज़ा ज़रूरी है, लेकिन क्या यह जवाबदेही का विकल्प है? क्या इन रुपयों से नीतिगत खामियाँ भर जाएंगी? क्या अगली बस में बैठने वाला यात्री सुरक्षित होगा?

पाँचवां अध्याय: कानून हैं, पर अमल नहीं

भारत में मोटर व्हीकल एक्ट, 2019 के तहत वाहन निर्माण और फिटनेस के लिए सख्त प्रावधान हैं। हर बस के पास फिटनेस सर्टिफिकेट होना अनिवार्य है। मॉडिफिकेशन या किसी भी स्ट्रक्चरल बदलाव से पहले आरटीओ की अनुमति जरूरी है। फायर सेफ्टी उपकरणों की मौजूदगी भी रजिस्ट्रेशन के लिए आवश्यक है। लेकिन ज़मीनी हकीकत यह है कि अक्सर फिटनेस सर्टिफिकेट बिना भौतिक निरीक्षण के "कागज़ पर" जारी हो जाता है। कई राज्यों में RTO के भ्रष्टाचार की जड़ें इतनी गहरी हैं कि बिना रिश्वत दिए कुछ भी नहीं चलता। इसलिए जो बसें तकनीकी रूप से कबाड़ हो चुकी हैं, वही यात्रियों की जान ढो रही हैं।

छठा अध्याय: बस संचालक और मालिक – लाभ की लालसा में सुरक्षा की अनदेखी

निजी बस मालिकों के लिए सुरक्षा का मतलब खर्च है। वे जानते हैं कि फायर-प्रूफ इंटीरियर, एसी वायरिंग, स्मोक अलार्म, या ड्यूल एग्जिट लगाने से लागत बढ़ेगी। इसलिए ज़्यादातर मालिक इन सबको "विकल्प" मानकर नज़रअंदाज़ करते हैं। सस्ते में मॉडिफिकेशन करवाना, ज़्यादा यात्रियों की सीटें जोड़ना, और रखरखाव में कटौती करना

उनकी आम रणनीति बन चुकी है। जिन यात्रियों को सफर के दौरान "आराम" चाहिए, उन्हें दिखावे के एसी और फैंसी इंटीरियर से लुभा लिया जाता है — पर कोई नहीं जानता कि वही सुंदर डिज़ाइन मौत का जाल भी हो सकता है।

सातवां अध्याय: फायर सेफ्टी प्रोटोकॉल का अभाव

देश के अधिकतर बस स्टेशनों, खासकर निजी बस टर्मिनलों पर फायर सेफ्टी के मानकों की धज्जियाँ उड़ती हैं। बसों में न तो फायर एक्सटिंग्विशर, न इमरजेंसी विंडो, न फायर अलार्म, और न ही स्टाफ को किसी तरह की इमरजेंसी ट्रेनिंग दी जाती है। जैसलमेर की बस में अगर सिर्फ 30 सेकंड पहले धुआँ पहचान लिया जाता, अगर ड्राइवर या कंडक्टर को आग बुझाने की किट चलाना आता, तो शायद कुछ ज़िंदगियाँ बच सकती थीं।

फायर सेफ्टी प्रोटोकॉल को ISO-मानक की तरह अनिवार्य बनाया जाना चाहिए — ताकि हर बस, चाहे निजी हो या सरकारी, फिटनेस सर्टिफिकेट से पहले अग्नि सुरक्षा का प्रमाण पत्र भी दिखाना पड़े।

आठवां अध्याय: यात्रियों की अनदेखी और सामाजिक बेफिक्री

हमारे समाज में सुरक्षा को लेकर जागरूकता बहुत कम है। यात्री खुद भी सस्ती टिकट और जल्दी यात्रा के लालच में किसी भी बस में चढ़ जाते हैं। वे यह नहीं पूछते कि बस के पास फिटनेस सर्टिफिकेट है या नहीं, न ही ध्यान देते हैं कि एग्जिट कहां है या सुरक्षा उपकरण हैं या नहीं। इस सामाजिक बेफिक्री ने भी हादसों को आम बना दिया है।

जागरूक नागरिक समाज और मीडिया को अब यह भूमिका निभानी होगी कि जनता को सुरक्षा अधिकारों के प्रति सजग करें। बस ऑपरेटरों पर सोशल मीडिया या लोकल स्तर पर दबाव बनाया जा सकता है कि वे बिना ऑडिट के वाहन न चलाएँ।

नवां अध्याय: जिम्मेदारी तय करने की संस्कृति

हर हादसे के बाद एक आम बात सुनने को मिलती है — "जांच के आदेश दे दिए गए हैं।" पर उन जांचों के परिणाम शायद ही कभी सार्वजनिक होते हैं। न तो दोषी अधिकारियों पर कार्रवाई होती है, न बस मालिकों को सजा मिलती है। इसलिए यह आवश्यक है कि सड़क दुर्घटनाओं में 'कॉर्पोरेट जवाबदेही' का ढांचा तैयार किया जाए।

खुशियों के पर्व पर उजाले के साथ सावधानी भी ज़रूरी

-दीपावली पर सुरक्षा को लेकर सतर्कता और जिम्मेदारी की जरूरत

दीपावली, यानी रोशनी का पर्व, खुशियों, उत्साह और उमंग से भरा त्योहार है। घर-आंगन दीपों से जगमगा उठते हैं, लोग एक-दूसरे को मिठाइयाँ बाँटते हैं, नए कपड़े पहनते हैं, और हर कोने से उत्सव की गूंज सुनाई देती है। लेकिन इस चमक-दमक और रोशनी के बीच एक सच्चाई यह भी है कि ज़रा सी लापरवाही एक सुखद त्योहार को त्रासदी में बदल सकती है। दीपावली के दिनों में देशभर में आग लगने की घटनाएँ, शॉर्ट सर्किट, पटाखों से झुलसने के केस और बाजारों में हादसे अक्सर सामने आते हैं।

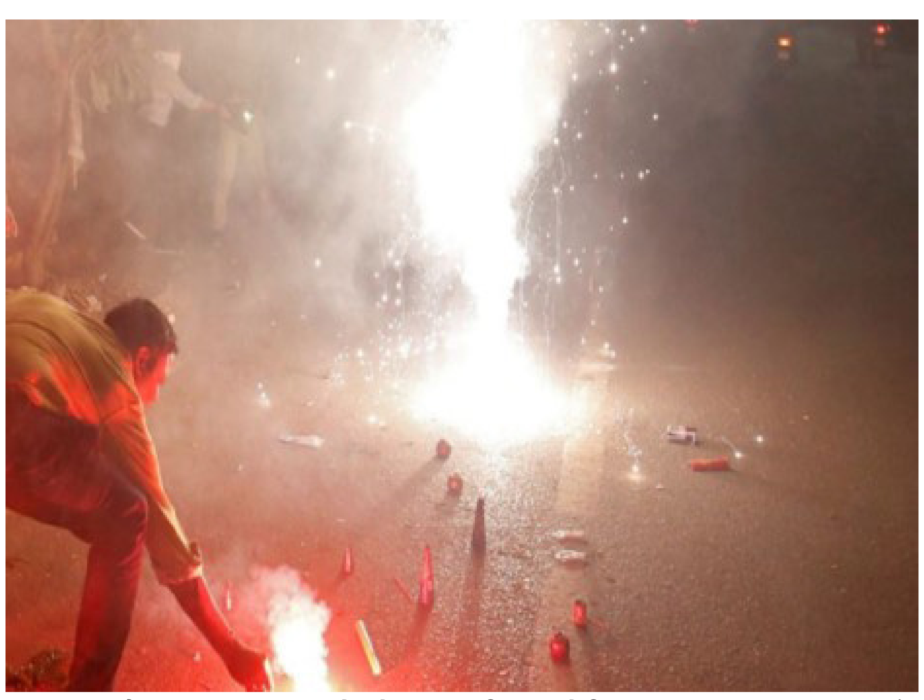

आग के हादसे सिर्फ लापरवाही नहीं, चेतावनी भी हैं

पिछले कुछ महीनों में राजस्थान सहित देश के कई हिस्सों में हुए अग्निकांडों ने दिखाया है कि हमारी सुरक्षा व्यवस्था और सतर्कता में अब भी बड़ी कमियाँ हैं। हाल ही में जैसलमेर, जयपुर और कोटा जैसे शहरों में लगी आग ने न सिर्फ संपत्ति का नुकसान किया, बल्कि कई लोगों की जानें भी चली गईं। ये घटनाएँ महज़ हादसे नहीं थीं, बल्कि हमारी तैयारियों की कमी की जलती हुई तस्वीर थीं। आग की लपटें कुछ ही सेकंड में बेकाबू हो जाती हैं। खासकर उन जगहों पर जहाँ इलेक्ट्रॉनिक डेकोरेशन, तारों का जाल और आतिशबाज़ी का सामान रखा होता है, वहां खतरा कई गुना बढ़ जाता है। दीपावली के दिनों में अस्थायी पटाखा स्टॉल, बिजली की झालरें और भीड़भाड़ वाले बाजार ऐसे स्थान हैं जहाँ ज़रा सी चिंगारी बड़े हादसे का रूप ले सकती है।

त्योहार की खुशियाँ – सुरक्षा के साथ ही मायने रखती हैं

दीपावली का मतलब सिर्फ रोशनी नहीं, बल्कि "सद्भाव और सकारात्मकता" की ज्योति जलाना भी है। लेकिन अगर एक छोटी सी गलती किसी परिवार के घर का उजाला छीन ले, तो वह त्योहार का उल्लंघन बन जाता है। इसलिए इस पर्व पर खुशी जितनी ज़रूरी है, उतनी ही ज़रूरी सावधानी भी है।

बाजारों और स्टॉलों की फायर सेफ्टी – लापरवाही की गुंजाइश नहीं

दीपावली से पहले हर साल बाजारों में सजावट और पटाखों के स्टॉल सजने लगते हैं। दुकानदारों के चेहरे पर मुस्कान होती है, लेकिन क्या उन बाजारों **में फायर सेफ्टी जांच भी उतनी ही गंभीरता से होती है?**

यह सवाल अहम है। राजस्थान के बड़े शहरों – जयपुर, उदयपुर, जोधपुर, अजमेर, कोटा, बीकानेर – में अस्थायी पटाखा स्टॉल हर गली-मोहल्ले में खुल जाते हैं। कई जगह बिना पर्याप्त दूरी के, भीड़भाड़ के बीच, बिजली के खुले तारों के पास ये दुकानें लगा दी जाती हैं। यही कारण है कि हर साल दीपावली के आसपास किसी न किसी शहर से पटाखा बाजार में आग लगने की खबरें आती हैं।

आग लगने के कुछ प्रमुख कारण इस प्रकार हैं:

अवैध या असुरक्षित स्थान पर पटाखा गोदामों का संचालन। शॉर्ट सर्किट या ओवरलोडेड वायरिंग। असावधानी से पटाखे जलाना या जली हुई आग के पास रख देना। फायर एक्सटिंग्विशर (अग्निशामक) की अनुपलब्धता। बाजारों में एग्जिट रूट्स (निकास मार्ग) का बंद होना। प्रशासन की जिम्मेदारी है कि ऐसे स्टॉल और दुकानों की पहले से फायर सेफ्टी ऑडिट करवाई जाए। कोई भी पटाखा विक्रेता बिना लाइसेंस या सुरक्षा मंजूरी के स्टॉल न लगाए। अस्थायी बाजारों में फायर टेंडर और प्राथमिक अग्निशमन सामग्री हमेशा मौजूद रहनी चाहिए।

घरों में सावधानी – छोटी लापरवाही, बड़ा खतरा

दीपावली की सजावट में लोग अपने घरों को आकर्षक बनाने के लिए बिजली की झालरों से सजाते हैं। लेकिन बहुत से लोग इस दौरान ओवरलोडिंग की गलती कर बैठते हैं। एक ही सॉकेट में कई तार जोड़ देना, सस्ती और बिना प्रमाणित लाइटें लगाना या पुराने तारों का इस्तेमाल करना – ये सब आग की संभावनाओं को बढ़ा देते हैं।

कुछ बुनियादी सावधानियाँ जो हर परिवार को रखनी चाहिए:

घर की वायरिंग की पहले से जांच करवा लें। सभी लाइटें सर्टिफाइड ब्रांड की हों। बिजली की सजावट के दौरान वाट क्षमता का ध्यान रखें। मोमबत्तियों और दीयों को पर्दों, लकड़ी, या कागज़ से दूर रखें। बच्चों को अकेले पटाखे जलाने न दें। पटाखे खुली जगह पर जलाएं, बंद कमरे या बालकनी में नहीं। पानी या रेत की बाल्टी पास में रखें। किसी के कपड़ों में आग लग जाए तो तुरंत "स्टॉप, ड्रॉप एंड रोल" तकनीक अपनाएं।

पटाखों की खरीद-बिक्री में सुरक्षा सबसे पहले

दीपावली पर आतिशबाज़ी का अपना आनंद है, लेकिन इसके पीछे का खतरा भी उतना ही बड़ा है। हर साल अस्पतालों में "बर्न केस" बढ़ जाते हैं। अकेले जयपुर में पिछले साल दीपावली की रात 60 से ज़्यादा लोग झुलसने के मामलों के साथ अस्पताल पहुँचे थे। इनमें से कई बच्चे थे।

पटाखे खरीदते समय यह ध्यान रखें कि – पैकिंग पर ISO या BIS मार्क हो। बच्चों को बिना देखरेख पटाखे न दिए जाएँ। भीड़ वाले स्थानों या बहुमंजिला इमारतों के आसपास आतिशबाजी न करें। शराब पीकर या मस्ती में पटाखे जलाना आत्मघाती हो सकता है। उपयोग किए गए पटाखों के कचरे को तुरंत साफ करें। सरकार और प्रशासन को भी इस दिशा में सख्ती से काम करना चाहिए। पटाखों के गोदामों की जांच, लाइसेंसिंग की पारदर्शिता, और सेफ्टी ऑडिट को प्राथमिकता दी जाए। कई बार खबरें आती हैं कि आतिशबाजी का माल घनी आबादी वाले इलाकों में रखा गया है — यह किसी विस्फोट से कम खतरा नहीं।

प्रशासनिक जवाबदेही – "पहले से तैयारी" ही सुरक्षा है

आग लगने के बाद मुआवज़ा देना या जांच के आदेश जारी करना आम बात हो गई है। लेकिन असली जिम्मेदारी यह सुनिश्चित करने की है कि हादसे हों ही नहीं। इसके लिए प्रशासन को चाहिए कि: सभी पटाखा बाजारों, गोदामों और इलेक्ट्रॉनिक दुकानों का फायर सेफ्टी निरीक्षण करवाया जाए। स्थानीय निकाय और पुलिस मिलकर भीड़ नियंत्रण और ट्रैफिक प्रबंधन करें। फायर ब्रिगेड की टीमों को चौकन्ना रखा जाए।

नोबेल अर्थशास्त्र पुरस्कार 2025: मोक्यर, एघियोन और हाउइट के सिद्धांतों ने बदली समृद्धि की परिभाषा

- 'आविष्कार-प्रेरित आर्थिक वृद्धि' बनी आधुनिक प्रगति की आधारशिला

वर्ष 2025 का स्वीडिश रिक्सबैंक प्राइज इन इकोनॉमिक साइंसेज इन मेमोरी ऑफ अल्फ्रेड नोबेल तीन महान अर्थशास्त्रियों—जोएल मोक्यर, फिलिप एघियोन और पीटर हाउइट—को संयुक्त रूप से प्रदान किया गया है। इन विद्वानों ने अपने अनोखे अनुसंधानों से यह सिद्ध किया है कि आधुनिक विश्व की समृद्धि और आर्थिक विकास का मूल स्रोत "आविष्कार-प्रेरित वृद्धि" (Innovation-Driven Growth) है। उनके शोध ने यह स्पष्ट किया कि किसी भी देश या समाज की तरक्की केवल पूंजी, श्रम या संसाधनों पर निर्भर नहीं करती, बल्कि नवाचार यानी नए विचारों और खोजों की निरंतर प्रक्रिया पर आधारित होती है।

सभ्यताओं का उत्थान: विचारों की शक्ति

इतिहास गवाह है कि किसी भी सभ्यता का उत्कर्ष केवल भौतिक साधनों से नहीं हुआ, बल्कि विचारों की गति, ज्ञान की ललक और नवाचार की चेतना ने उसे ऊँचाई दी। यही दृष्टिकोण जोएल मोक्यर के अनुसंधान का केंद्र रहा है। नीदरलैंड में जन्मे और वर्तमान में नॉर्थवेस्टर्न यूनिवर्सिटी (अमेरिका) में कार्यरत मोक्यर ने अपने ऐतिहासिक विश्लेषणों से यह दिखाया कि यूरोप की औद्योगिक क्रांति (Industrial Revolution) का असली बीज किसी मशीन या फैक्ट्री में नहीं, बल्कि "ज्ञान-संस्कृति" (Culture of Knowledge) में छिपा था। मोक्यर के अनुसार, 17वीं और 18वीं सदी के यूरोप में जब समाजों ने ज्ञान का संचय, प्रयोग और सत्यापन को प्राथमिकता दी, तभी मानवता ने निरंतर प्रगति की दिशा में कदम बढ़ाए। उन्होंने कहा कि यूरोप की प्रगति केवल तकनीकी या पूंजीगत कारणों से नहीं हुई, बल्कि एक खुले बौद्धिक माहौल और वैज्ञानिक जिज्ञासा की भावना से संभव हुई।

एघियोन और हाउइट का योगदान: विकास का नया समीकरण

दूसरी ओर, फ्रांसीसी अर्थशास्त्री फिलिप एघियोन और उनके कनाडाई सहकर्मी पीटर हाउइट ने अपने एंडोजिनस ग्रोथ मॉडल (Endogenous Growth Model) के ज़रिए आर्थिक सिद्धांतों में नई क्रांति की। उन्होंने 1992 में

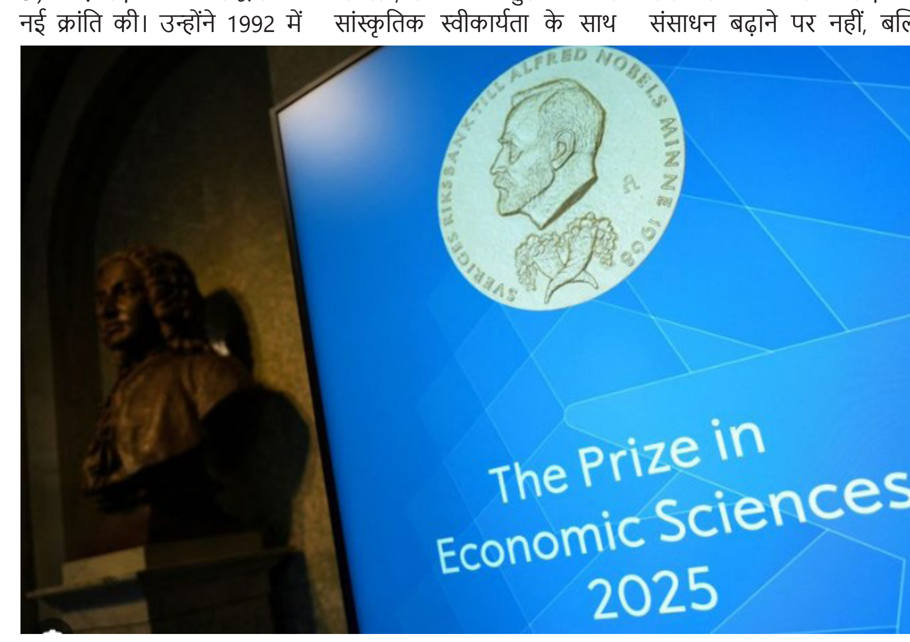

प्रकाशित अपने प्रसिद्ध पेपर "A Model of Growth Through Creative Destruction" में यह बताया कि नवाचार केवल एक तकनीकी प्रक्रिया नहीं, बल्कि एक सतत प्रतिस्पर्धात्मक गतिशीलता है। इस सिद्धांत के अनुसार, हर नया आविष्कार पुरानी तकनीक को अप्रासंगिक बना देता है—इसे ही उन्होंने Creative Destruction कहा। इस प्रक्रिया से नई कंपनियाँ, नए उद्योग और नए रोजगार पैदा होते हैं, जबकि पुरानी व्यवस्थाएँ धीरे-धीरे खत्म होती जाती हैं। एघियोन और हाउइट के अनुसार, आर्थिक वृद्धि की असली आत्मा नवाचार की निरंतरता में है, न कि केवल पूंजी निवेश या उत्पादन में वृद्धि में। उनके सिद्धांत ने यह दिखाया कि यदि किसी राष्ट्र में शोध, शिक्षा, उद्यमिता और स्वतंत्र प्रतिस्पर्धा को प्रोत्साहन मिले, तो वह लंबे समय तक आत्मनिर्भर और प्रगतिशील रह सकता है।

"आविष्कार-प्रेरित वृद्धि" की अवधारणा

तीनों विद्वानों के विचार मिलकर "Innovation-Driven Growth" का वह व्यापक दर्शन प्रस्तुत करते हैं जिसने आर्थिक सोच की दिशा ही बदल दी। उनका कहना है कि आधुनिक अर्थव्यवस्था में नवाचार केवल उद्योग जगत की जरूरत नहीं, बल्कि राजनीतिक स्थिरता, सामाजिक खुलापन और सांस्कृतिक स्वीकार्यता के साथ गहराई से जुड़ा हुआ है।

इस अवधारणा के अनुसार: आविष्कार (Invention) नई संभावनाओं का जन्म देता है। नवाचार (Innovation) उन्हें समाज और बाज़ार में उपयोगी बनाता है। विकास (Growth) इस नवाचार की निरंतरता से होता है। इस प्रकार, एक स्वस्थ अर्थव्यवस्था वह है जो नए विचारों को जन्म देने, उन्हें स्वीकारने और प्रसारित करने की क्षमता रखती है।

मोक्यर का "ज्ञान का इतिहास" दृष्टिकोण

मोक्यर ने अपने ग्रंथों—"The Gifts of Athena" और "A Culture of Growth"—में यह सिद्ध किया कि ज्ञान केवल विश्वविद्यालयों या प्रयोगशालाओं में नहीं बनता, बल्कि वह पूरे समाज की मानसिकता में रचा-बसा होता है।

उन्होंने दिखाया कि जब यूरोप ने वैज्ञानिक खोजों, प्रकाशन और बहस को सामाजिक प्रतिष्ठा दी, तभी औद्योगिक क्रांति संभव हुई। उनका यह विचार आज भी विकासशील देशों के लिए एक मार्गदर्शक है कि ज्ञान-संस्कृति का विकास किए बिना सतत आर्थिक प्रगति असंभव है।

एघियोन-हाउइट मॉडल की प्रासंगिकता

एघियोन और हाउइट का सिद्धांत यह बताता है कि आधुनिक युग में सरकारों को विकास के लिए केवल संसाधन बढ़ाने पर नहीं, बल्कि नवाचार प्रोत्साहन नीतियों पर ध्यान देना चाहिए। उनके मॉडल के तीन मुख्य स्तंभ हैं— शोध एवं विकास (R&D) में निवेश, मानव पूंजी (Human Capital) का विस्तार, और बाज़ार में प्रतिस्पर्धा और उद्यमिता की स्वतंत्रता। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि यदि नीतियाँ नवाचार को रोकती हैं या प्रतिस्पर्धा को सीमित करती हैं, तो अर्थव्यवस्था धीरे-धीरे ठहराव की स्थिति में पहुँच जाती है। इसके उलट, यदि सरकारें आविष्कारक और उद्यमी को जोखिम उठाने की स्वतंत्रता देती हैं, तो नई तकनीकें, नए उद्योग और नए अवसर पैदा होते हैं।

नीति निर्माण पर प्रभाव

इन तीनों अर्थशास्त्रियों के शोध ने नीति-निर्माण की सोच को गहराई से प्रभावित किया है। आज विश्व बैंक, IMF और OECD जैसी संस्थाएँ यह मानती हैं कि आर्थिक नीतियों का मूल उद्देश्य केवल GDP बढ़ाना नहीं, बल्कि नवाचार को सक्षम बनाना होना चाहिए। कई देशों—जैसे दक्षिण कोरिया, इज़राइल और स्वीडन—ने इसी सोच पर आधारित नीति ढाँचे बनाकर खुद को नवाचार-केंद्रित अर्थव्यवस्था में बदला है। भारत जैसे देशों के लिए भी यह सिद्धांत अत्यंत प्रासंगिक है।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने एसीएस कुंजी लाल मीणा को 'धरती आबा अभियान' में राजस्थान की ऐतिहासिक उपलब्धि पर किया सम्मानित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। जनजाति बहुल क्षेत्रों में विकास कार्य व सरकारी सेवाओं की समय पर डिलीवरी सुनिश्चित करने, शिकायत निवारण प्रणाली को पूर्ण प्रभावी बनाने और जनजाति वर्ग के अधिकारों की अक्षरशः पालना, उनके कल्याण और उत्थान के मामले में राजस्थान देश में नम्बर 1 पर है। राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु ने शुक्रवार को नई दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित 'आदि कर्मयोगी अभियान' के नेशनल कॉन्क्लेव में राज्य के जनजाति विकास विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव कुंजीलाल मीणा को धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान (डीएजेजीयूए) में राजस्थान के देशभर में प्रथम रहने पर पुरूस्कार प्रदान किया। इस अवसर पर केन्द्रीय जनजाति विकास मंत्री जुएल ओराम और राजस्थान के जनजाति विकास मंत्री बाबूलाल खराड़ी भी उपस्थित थे। धरती आभा अभियान का मकसद अपने अधिकारों और सरकारी योजनाओं के प्रति जनजातीय समुदायों तक जागरूकता और पहुंच बढ़ाकर उनका सशक्तीकरण सुनिश्चत करना है। धरती आबा और पीएम-जनमन केन्द्र सरकार की बेहद उच्च प्राथमिकता वाले अभियान/योजनाओं में शामिल हैं, जिनकी प्रगति की मॉनिटरिंग करने तथा आवश्यकता वाले क्षेत्र में नवाचार के लिए बहुत उच्च स्तरीय सिस्टम कार्यरत है। कार्यक्रम के बाद एसीएस कुंजीलाल मीणा ने बताया कि इस अभियान में देश के 549 जिलों के 63,000 से अधिक जनजातीय बहुल गांव कवर किए गए हैं। राष्ट्रव्यापी जागरूकता और लाभ संतृप्ति अभियान के रूप में संचालित इस अभियान में 207 जिलों की 29,000 से अधिक विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह (पीवीटीजी) बस्तियां शामिल हैं। मिशन के उद्देश्यों में व्यक्तिगत अधिकारों, हकों और प्रमुख सरकारी कल्याणकारी योजनाओं के बारे में जागरूकता बढ़ाना, दस्तावेजों और लाभों की घर-घर डिलीवरी सुनिश्चित करना, सामुदायिक लामबंदी के माध्यम से सहभागी शासन को बढ़ावा देना शामिल है। इसके साथ ही जनजातीय युवाओं को डिजिटल योद्धा और जमीनी स्तर पर परिवर्तन लाने वाले के रूप में सशक्त बनाना, गांव और बस्ती स्तर पर एससीडी स्क्रीनिंग, जागरूकता और परामर्श भी मिशन की प्रमुख गतिविधियों में शामिल रहा।

"ऑपरेशन भू-देव" विरूद्ध रामअवतार मीणा की लॉकर तलाशी में मिला 72 लाख का सोना

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। ए.सी.बी. मुख्यालय के निर्देश पर ए.सी.बी. जयपुर नगर-प्रथम, जयपुर ईकाई द्वारा आज आय से अधिक सम्पत्ति में दर्ज प्रकरण संख्या 270/2025 विरूद्ध रामअवतार मीणा एसोसिएट प्रोफेसर, इन्दिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान, जयपुर एवं अन्य में लॉकर तलाशी में 560 ग्राम सोना मिला जो करीब 72 लाख का होना पाया गया। भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो की अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस श्रीमती स्मिता श्रीवास्तव ने बताया कि आय से अधिक सम्पत्ति में दर्ज प्रकरण संख्या 270/2025 विरुद्ध रामअवतार मीणा एसोसिएट प्रोफेसर, इन्दिरा गांधी पंचायती राज एवं ग्रामीण विकास संस्थान, जयपुर एवं अन्य में रामअवतार मीणा के विभिन्न ठिकानों पर सर्च की गई। जिसमें सर्च के दौरान लॉकर की चाबी मिली जिस पर 17 अक्टूबर, 2025 को ए.सी.बी. जयपुर नगर प्रथम, जयपुर ईकाई द्वारा भारतीय स्टेट बैंक ऑफ इण्डिया (SBI) शाखा इन्दिरा गांधी नगर, जयपुर में लॉकर की तलाशी ली गई जिसमें 560 ग्राम सोना मिला जिसकी वैल्यूवेशन कराने पर वैल्यूवर ने 72 लाख रूपये किमत बताई। रामअवतार मीणा के अन्य निर्माणधीन मकान की वैल्यूवेशन करवाई जा रही है जिसमें और अधिक सम्पत्ति के सामने आने की सम्भावना है। कार्यवाही जारी है।

दीप पर्व के शुभारंभ पर राज्यपाल ने दी बधाई और शुभकामनाएं

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राज्यपाल हरिभाऊ बागडे ने शुक्रवार को राजभवन में अनौपचारिक कार्यक्रम में अधिकारियों एवं कर्मचारियों को दीपावली के पावन पर्व के शुभारंभ की बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने राजभवन के अधिकारियों और कर्मचारियों को दीप पर्व की मिठाई भी वितरित की। इस दौरान उन्होंने कहा कि दीपावली अंधकार से प्रकाश की ओर ले जाने वाला पावन पर्व है। उन्होंने दीपावली पर सभी के लिए सुख-समृद्धि और खुशहाली की कामना की। इस मौके पर राज्यपाल के सचिव डॉ. पृथ्वी एवं प्रमुख विशेषाधिकारी राजकुमार सागर सहित राजभवन के अधिकारीगण और कर्मचारीगण मौजूद रहे।

खाद्य सुरक्षा दल की चौमूं के चीथवाड़ी में बड़ी कार्रवाई

-15 मावा निर्माण इकाइयों का निरीक्षण कर मावा एवं दूध के 20 नमूने लिए

-500 किलोग्राम मिलावटी दूध एवं मावे को मौके पर नष्ट करवाया

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। मुख्यमंत्री भजन लाल शर्मा की पहल एवं चिकित्सा मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में आमजन को शुद्ध खाद्य सामग्री उपलब्ध करवाने के लिए शुद्ध आहार, मिलावट पर वार अभियान चलाया जा रहा है। त्योहारी सीजन के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा आयुक्तालय द्वारा विशेष अभियान चलते हुए शुक्रवार को चौमूं के पास चीथवाडी में विभिन्न मावा निर्माण इकाइयों का आकस्मिक निरीक्षण कर कार्रवाई की गई। आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि नियंत्रण राजस्थान डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि क्षेत्र में लगातार चल रही संदिग्ध मिलावटी मावे की शिकायतों के मद्देनजर पुलिस विभाग एवं आयुक्तालय खाद्य सुरक्षा की अलग-अलग टीमों का संयुक्त जांच दल का गठित किया गया। उन्होंने बताया कि सूचना के आधार पर अतिरिक्त आयुक्त भगवत सिंह, संयुक्त आयुक्त डॉ. विजय शर्मा एवं मुख्य चिकित्सा स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम डॉ. रवि शेखावत के निर्देशन एवं पुलिस प्रशासन के सहयोग से चीथवाडी गांव में मध्यरात्रि लगभग 2 बजे पहुंचकर 15 मावा निर्माण ईकाइयों का औचक निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान 20 मावा एवं दूध के नमूने लिये गये। 2 निर्माण ईकाइयों पर मावा में मिलावट करने वाली स्कीम मिल्क पाउडर, वनस्पति एवं इनसे बने लगभग 500 किलोग्राम मिलावटी दूध एवं मावे को मौके पर नष्ट करवाया गया। खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने बताया कि फर्म मावा निर्माता मदनलाल शर्मा द्वारा स्किम्ड मिल्क पाउडर, रिफाइंड सोयाबीन तेल, दूध आदि से मिलावटी मावा तैयार होना पाया जाने पर लगभग 50 किलो मावा 90 लीटर क्रीम निकला हुआ/कम फेट का दूध, 35 किलोग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर को मौके पर नष्ट कराया गया। इसी तरह फर्म फर्म लाला हरि एल.एच. मावा पनीर, द्वारा स्किम्ड मिल्क पाउडर, वनस्पति, दूध आदि से मिलावटी मावा तैयार होना पाया जाने पर लगभग 100 किलो मावा 125 लीटर घोल (क्रीम निकला हुआ/कम फेट का दूध व मिल्क पाउडर) 75 किलोग्राम स्किम्ड मिल्क पाउडर व 2 किलो वनस्पति को मौके पर नष्ट कराया गया।

डॉ. टी. शुभमंगला ने बताया कि फर्म कमल सेठू, फर्म मुकेश मावा पनीर भण्डार, फर्म बाबुलाल मावा पनीर उद्योग, फर्म आर.एल. मिल्क प्रॉडक्ट के निरीक्षण में साफ-सफाई व अन्य कई कमियां पाई गई, जिसके आधार पर उक्त फर्मों को सुधार हेतु खाद्य सुरक्षा अधिनियम की धारा 32 के तहत नोटिस जारी किये गए। फर्म मुकेश मावा पनीर भण्डार एवं मदनलाल शर्मा मावा निर्माता के पास खाद्य अनुज्ञा पत्र नहीं होने पर धारा 63 के तहत प्रकरण माननीय न्यायालय में परिवाद दर्ज कराया जायेगा। उक्त कार्यवाही देर रात से अल सुबह तक जारी रही। खाद्य सुरक्षा आयुक्त ने बताया गया कि निरीक्षण के दौरान 20 मावा एवं दूध के नमूने लिये गये। 2 निर्माण ईकाइयों पर मिलावटी मावा निर्माण में काम आने वाले दूध, स्कीम्ड मिल्क पाउडर, वनस्पति एवं इनसे बने लगभग 500 किलोग्राम मिलावटी दूध एवं मावे को मौके पर नष्ट करवाया गया। उन्होंने बताया कि आगामी दिनों में भी मिलावटी सामान की रोकथाम हेतु कार्यवाही जारी रहेगी। उक्त लिये गये नमूनों को जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला जयपुर भेजे गये है एवं प्राप्त जांच रिपोर्ट के आधार पर संबंधित न्यायालयों में प्रकरण दर्ज करवाये जाएंगे। जिन फर्मों के पूर्व में भी नमूने जांच में फेल पाये गये है एवं न्यायालय द्वारा दंडित किया गया है, पर खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम 2006 की धारा 64 के अन्तर्गत भी कार्यवाही सुनिश्चित की जायेगी। कार्रवाई में गोविंदगढ़ वृताधिकारी राजेश जांगिड़, संयुक्त जांच दल में खाद्य सुरक्षा अधिकारी अमित शर्मा, लोकेश शर्मा, देवेन्द्र सिंह राणावत एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी जयपुर प्रथम के खाद्य सुरक्षा अधिकारी विनोद शर्मा, नरेश कुमार चेजारा, वीरेन्द्र सिंह, विशाल मित्तल, नरेन्द्र शर्मा, पवन कुमार गुप्ता भी शामिल थे।

नवीन आपराधिक कानूनों की प्रदर्शनी के बीच तकनीकी सत्रों का दौर जारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजधानी मुख्यालय स्थित जेईसीसी में नवीन आपराधिक कानून के संबंध में चल रही प्रदर्शनी के तहत तकनीकी सत्रों का आयोजन लगातार जारी है। नवीन आपराधिक कानूनों के प्रभावी क्रियान्वयन और विभिन्न हितधारकों की भूमिका को समझने के लिए शुक्रवार, 17 अक्टूबर को एक महत्वपूर्ण पैनल डिस्कशन आयोजित किया गया। इस सत्र में जोधपुर कमिश्नरेट के पुलिस अधिकारियों और विभिन्न गैर-सरकारी संगठनों (एनजीओ) के सदस्यों ने भाग लिया।

नागरिक-केंद्रित प्रावधानों पर फोकस-

सत्र में महानिरीक्षक पुलिस (सतर्कता) राजस्थान प्रफुल्ल कुमार ने प्रतिभागियों के साथ नवीन कानूनों के प्रमुख विधिक प्रावधानों पर चर्चा की। इस चर्चा का मुख्य केंद्र बिंदु नागरिक-केंद्रित, पीड़ित-केंद्रित प्रावधान और पुलिस प्रक्रिया से जुड़े महत्वपूर्ण बदलाव रहे। आईजी कुमार ने प्रतिभागियों के प्रश्नों का उत्तर देते हुए उनके साथ गहन संवाद किया, जिससे पुलिस और एनजीओ सदस्यों के बीच कानूनी प्रावधानों की समझ और सहयोग को बढ़ावा मिला। इस महत्वपूर्ण सत्र में कांस्टेबल से लेकर अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक स्तर तक के पुलिस अधिकारियों और एनजीओ के सदस्यों सहित कुल 80 प्रतिभागियों ने भाग लिया। यह कार्यक्रम पुलिस को नए कानूनी ढांचे के अनुसार अपनी कार्यप्रणाली को ढालने और पीड़ित पक्ष को न्याय दिलाने में एनजीओ जैसे हितधारकों के साथ बेहतर तालमेल बिठाने में सहायक होगा।

राजस्थान में नगरीय निकायों में पहली ई-लाईब्रेरी

-वार्ड 150 में स्वामी विवेकानंद ई-लाइब्रेरी के रूप में युवाओं को मिली नई सौगात

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर द्वारा जयपुर शहर में नवाचार के रूप में दीपावली से पहले युवाओं के लिए स्वामी विवेकानंद ई-लाईब्रेरी के रूप में नई सौगात दी गई है। शुक्रवार को मालवीय नगर जोन के वार्ड 150 में राजस्थान विश्वविद्यालय के सामने इस ई-लाइब्रेरी का लोकार्पण जयपुर (शहर) सांसद मंजू शर्मा, विधायक कालीचरण सर्राफ, नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर द्वारा किया गया। इस अवसर पर स्थानीय पार्षद और चेयरमैन जितेन्द्र श्रीमाली सहित अन्य जनप्रतिनिधि बड़ी संख्या में युवा मौजूद रहे।

जयपुर (शहर) सांसद श्रीमती मंजू शर्मा ने कहा कि आर्थिक रूप से कमजोर छात्रों के लिए यह उपयोगी सिद्ध होगी।यह पहल जयपुर को स्मार्ट सिटी बनाने की दिशा में एक बड़ा कदम है।

विधायक कालीचरण सर्राफ ने कहा कि ई-लाइब्रेरी के माध्यम से युवा अपने सपनों को पूरा कर सकते हैं। ई-बुक के माध्यम से वे यहाँ आकर अध्ययन कर सकते हैं। महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने इस अवसर पर बताया कि यह ई-लाइब्रेरी राजस्थान में नगरीय निकायों में पहली ई-लाईब्रेरी है। जो कि निःशुल्क है और जहाँ युवा आकर ई-बुक के माध्यम से अध्ययन कर सकते हैं।

ई-लाईब्रेरी की विशेषताएँ :-

1. यह निःशुल्क है और इसका समय प्रातः 10 बजे से सायं 5 बजे तक रहेगा।
2. 4 घंटे का स्लॉट हर विद्यार्थी या आगंतुक को दिया जायेगा। जिनकी यूनिक आईडी बनाई जायेगी तथा इससे लॉगइन किया जायेगा।
3. इसके साथ ही एजग्रुप के अनुसार ई-बुक उपलब्ध हैं। लैंग्वेज एवं सब्जेक्ट कैटेगरी का चयन भी कर सकते हैं।
4. यह पूरी तरह से वातानुकूलित है।

"शहरी सेवा शिविर 2025" के तहत वार्डवार कैम्प से आमजन को मिल रही राहत

-सांसद (जयपुर शहर) श्रीमती मंजू शर्मा एवं महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने शिविर का किया निरीक्षण

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर द्वारा राज्य सरकार के निर्देशानुसार 17 सितम्बर 2025 से 17 अक्टूबर 2025 तक "शहरी सेवा शिविर 2025" (मुख्य शिविर) का आयोजन किया जा रहा है। शुक्रवार को संपूर्ण मालवीय नगर जोन क्षेत्र का फोलोअप शिविर मालवीय नगर जोन कार्यालय में आयोजित किया गया। वार्डवार शिविर में आमजन की समस्याओं का त्वरित समाधान किया जा रहा है। शिविर में जयपुर शहर सांसद श्रीमती मंजू शर्मा एवं नगर निगम ग्रेटर महापौर डॉ. सौम्या गुर्जर ने निरीक्षण किया तथा अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी ने बताया कि "शहरी सेवा शिविर-2025" (मुख्य शिविर) के तहत आमजन से प्राप्त विभिन्न समस्याओं का एक ही स्थान पर समाधान किया जायेगा। समस्याओं को चिह्नित करने एवं प्राप्त आवेदनों का निस्तारण करने के लिए वार्डवार प्रातः 09:30 बजे से 06:00 बजे तक शिविरों का आयोजन किया जा रहा है।

शिविरों में मिल रही आमजन को तत्काल राहतः-

बरकत नगर निवासी राजमोहन गुप्ता ने अपने मकान के 'लीज़ होल्ड से फ्री होल्ड पट्टे' के लिए आवेदन किया था। वरिष्ठ नागरिक होने के कारण वे जोन कार्यालय नहीं आ सके, इस पर नगर निगम टीम ने उनके घर जाकर उन्हें फ्री होल्ड पट्टा प्रदान किया। इस सेवा से प्रसन्न होकर गुप्ता ने कहा कि सरकार द्वारा चलाए जा रहे ऐसे शिविर आमजन के लिए अत्यंत उपयोगी हैं और उन्होंने मुख्यमंत्री महोदय का आभार व्यक्त किया।

इसी प्रकार, बजाज नगर निवासी संजय कुमार ने अपने मकान के 'नाम स्थानांतरण' के लिए आवेदन किया था। आवश्यक दस्तावेज़ जमा करने के पश्चात शीघ्र ही उनका नाम हस्तांतरण पत्र तैयार कर उन्हें प्रदान किया गया। उन्होंने कहा कि शहरी सेवा शिविरों के माध्यम से कार्यों में गति आई है और आमजन की समस्याओं का समय पर समाधान हो रहा है।

वहीं, मालवीय नगर निवासी पीयूष सोनी ने अपने 'विवाह प्रमाण पत्र' के लिए आवेदन किया था। आवेदन के कुछ ही समय बाद उनका प्रमाण पत्र तैयार कर उन्हें सौंपा गया। उन्होंने सरकार के इस प्रयास की सराहना करते हुए मुख्यमंत्री महोदय का धन्यवाद किया।

मालवीय नगर जोन के शिविर में जन्म-मृत्यु व विवाह पंजीयन के 66 आवेदनों के प्रमाण पत्र तत्काल जारी किए गए। जनआधार के 10 प्रकरणों का निस्तारण हुआ। नगरीय विकास कर के 3 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। नाम हस्तांतरण के 14 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। घर-घर कचरा संग्रहण के 20 प्रकरणों का निस्तारण किया गया। सफाई के 23 प्रकरणों का निस्तारण किया गया।

राष्ट्रीय मानवाधिकार पर्यावरण सुरक्षा एवं भ्रष्टाचार संगठन के बढ़ते कदम

सादिक हिन्दस्तानी

सांगानेर (रॉयल पत्रिका) । सांगानेर विधानसभा में मानवाधिकारों को बचाने के लिए पर्यावरण को बढ़ावा देने के लिए और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के लिए राष्ट्रीय मानवाधिकार, पर्यावरण, सुरक्षा एवं भ्रष्टाचार निवारण सांगानेर के संगठन ने अपना परिवार (संगठन) बढ़ाने एवं सांगानेर में हिंदू-मुस्लिम भाईचारे को बढ़ाने के लिए, गंगा-जमुनी तहजीब को कायम रखने के लिए अपने संगठन का विस्तार किया है। सांगानेर के होटल एयरपोर्ट व्यू कार्यालय में नियुक्ति पत्र कार्यक्रम रखा गया था। इस कार्यक्रम में सांगानेर विधानसभा अध्यक्ष दिनेश शर्मा एवं उपाध्यक्ष राजा भाई के द्वारा प्रताप नगर संभाग की कार्यकारिणी का गठन कर नियुक्ति पत्र वितरित किए गए। कार्यक्रम का ऑर्गेनाइजेशन प्रताप नगर संभाग अध्यक्ष राकेश कुमार जैन के द्वारा किया गया। प्रताप नगर संभाग की

कार्यकारिणी द्वारा सांगानेर विधानसभा अध्यक्ष दिनेश शर्मा एवं उपाध्यक्ष राजा भाई का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया।

सचिवालय परिसर में धन्वंतरि आरोग्य सप्ताह एवं धन्वंतरि जयंती का हुआ आयोजन

- निरोगी जीवन एवं स्वस्थ आहार विहार पर की गई चर्चा

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। सचिवालय परिसर स्थित राजकीय आयुर्वेद औषधालय में शुक्रवार को प्रतिवर्ष की भाँति धन्वंतरि आरोग्य सप्ताह एवं भगवान धन्वंतरि जयंती का आयोजन श्रद्धा एवं उत्साहपूर्वक किया गया। कार्यक्रम के दौरान वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारी प्रभारी वैद्य राजेश शर्मा ने कहा कि आयुर्वेद मानव जीवन को संतुलित एवं स्वस्थ बनाए रखने की प्राचीनतम चिकित्सा पद्धति है। उन्होंने बताया कि स्वस्थ व्यक्ति को निरोग बनाए रखने तथा रोगी को गंभीर बीमारियों से बचाने के लिए संतुलित आहार, नियमित दिनचर्या और सकारात्मक जीवनशैली अपनाना अत्यंत आवश्यक है। इस अवसर पर चिकित्सक डॉ. गिरधर गोपाल शर्मा ने आयुर्वेदिक जीवनशैली में आवश्यक सुधार, आहार-विहार एवं ऋतुचर्या के पालन के महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में प्रशासनिक सुधार विभाग के उप शासन सचिव मेघराज पवार उपस्थित रहे। उन्होंने भगवान धन्वंतरि के चित्र पर माल्यार्पण कर पूजा-अर्चना की तथा सभी को आयुर्वेदिक सिद्धांतों को जीवन में अपनाने का संदेश दिया। होम्योपैथिक निदेशक डॉ. मनीषा सक्सेना की गरिमामयी उपस्थिति में सम्पन्न इस समारोह में आयुर्वेद, होम्योपैथी एवं यूनानी चिकित्सा सेवाओं से जुड़े अधिकारी, चिकित्सक, कंपाउंडर, नर्सिंगकर्मी एवं सचिवालय के अधिकारी-कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। कार्यक्रम के अंतर्गत धन्वंतरि आरती का आयोजन किया गया, जिसके पश्चात प्रसाद वितरण किया गया। इस अवसर पर मौसमी बीमारियों से बचाव एवं उपचार संबंधी परामर्श पत्र तथा शरद एवं वर्षा ऋतु में सावधानी हेतु जानकारी-पत्र भी वितरित किए गए। इस अवसर पर सचिवालय चिकित्सा अधिकारी डॉ. रविन्द्र कुमार शर्मा (आयुर्वेद), डॉ. विष्णु शर्मा (होम्योपैथी), तथा डॉ. सविता जायसवाल (यूनानी) ने भी भगवान धन्वंतरि की पूजा-अर्चना की।

नगर निगम ग्रेटर द्वारा 21 स्थानों पर कराई गई मॉक ड्रिल

-आपातकालीन नंबर भी किए जारी

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। नगर निगम ग्रेटर आयुक्त डॉ. गौरव सैनी के निर्देशानुसार दीपावली पर्व के मद्देनज़र शुक्रवार को अतिरिक्त आयुक्त, सीएफओ समेत अग्निशमन अधिकारियों ने नगर निगम के अग्निशमन केंद्रों का निरीक्षण किया तथा दीपावली

नगर निगम ग्रेटर की अग्निशमन शाखा द्वारा 21 स्थानों पर मॉक ड्रिल करवाई गई। जिसमें विद्याधर नगर, जगतपुरा, मालवीय नगर, प्रताप नगर के विभिन्न संस्थानों, होटल, हॉस्पिटल्स जैसे सेवन एप्पल होटल, प्रताप नगर, इटरनल हॉस्पिटल, साँगानेर, ऋषभ हॉस्पिटल, जगतपुरा, सृष्टि हॉस्पिटल, जगतपुराः हारबिंगर हाइट रेज़िडेंशियल सोसायटी, मानसरोवरः ओके प्लस टॉवर, मानसरोवरः जेके लोन हॉस्पिटल, डीओआइटी सेंटर, जयपुरिया हॉस्पिटल आदि में यह मॉक ड्रिल करवाई गई।

इस मॉक ड्रिल के माध्यम से आपात स्थिति में बचाव के तरीके बताए गए। इसके साथ ही शुक्रवार को आयुक्त डॉ° गौरव सैनी सहित पर्व की आवश्यक व्यवस्थाओं, संसाधनों के संबंध में उचित दिशा-निर्देश दिए। साथ ही नगर निगम ग्रेटर द्वारा अग्नि सुरक्षा के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश भी जारी किए गए हैं। साथ ही आपातकालीन नंबर भी जारी किए गए हैं।

आपातकालीन स्थिति में इस नंबर पर करें फोनः-

शांत रहें/शीघ्रता करें। "देर ना करें - सभी को बाहर निकाल दें" बाहर निकलें/बाहर रहें। बाहर निकलते ही आपातकालीन सेवा के लिए नजदीक के फायर बिग्रेड को बुलायें।

आपातकालीन फोन नम्बर वी.के. आई० फायर कन्ट्रोल रूम नम्बरः- 0141-2332573

राजस्थान विधानसभा में 21 व 24 अक्टूबर का अवकाश घोषित

जयपुर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने पांच दिवसीय दीपावली के त्योहार पर विधानसभा कर्मियों की सुविधा के मद्देनजर राजस्थान विधानसभा सचिवालय में 21 व 24 अक्टूबर का अवकाश घोषित किया है। इस आशय से आदेश विधानसभा के प्रमुख सचिव भारत भूषण शर्मा ने शुक्रवार को जारी किए। इस आदेश के बाद विधानसभा कर्मियों में खुशी की लहर है। विधानसभा कर्मियों व उनके परिजनों ने इसके लिए विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी का आभार जताया है। दीपावली के त्योहार पर जयपुर से बाहर जाने वाले कर्मियों ने बताया कि अब वे दीपावली के त्यौहार को दोगुने उत्साह के साथ मना सकेंगे साथ ही इस दौरान आने वाले सभी अवकाशों का उपभोग अपने परिजनों के साथ अपने गांव में कर सकेंगे। उल्लेखनीय है कि राजस्थोन विधान सभा सचिवालय में गत 21 मार्च और 31 अगस्तस को अवकाश के दौरान कार्य दिवस रहा था।

आवश्यक नम्बर

रॉयल पत्रिका

बिजली फॉल्ट के लिए

टोल फ्री नंबर	18001806507
वॉट्सएप नंबर	9414037085
कस्टमर केयर	2203000
आईवीआरएस	1912

कचरा गाड़ी के लिए

ग्रेटर	2747400
सीवरेज लीकेज	2607500
हेरिटेज	2607500
टोल फ्री नंबर	14420

पुलिस की मदद के लिए

साइबर क्राइम	1930/2360094
कंट्रोल रूम	2388435/36/37/38
ट्रैफिक कंट्रोल रूम	2565630
चाइल्ड हेल्पलाइन	1098
महिला हेल्पलाइन	1090
मुख्यमंत्री पोर्टल	181

पानी के लिए

जलदाय कार्यालय	2706624
फायर ब्रिगेड	2747400

मेडिकल इमरजेंसी के लिए

एंबुलेंस	102/108
एसएमएस इमरजेंसी	2518333
महिला चिकित्सालय	22610616
जनाना हॉस्पिटल	22378721
SDMH	22574189
SMS ब्लड बैंक	22518222
कल्याण ब्लड बैंक	22721771

घायल पशुओं के लिए

नगर निगम	2747400
बर्ड बाइक	9887345580
हेल्प इन सफरिंग	8107299711
जनमंच ट्रस्ट	7230055800
पशु चिकित्सालय	2747400

इनरव्हील क्लब बारां द्वारा जरूरतमंद बच्चों को मोबाइल भेंट

-दीपावली पर जगाई उम्मीद की किरण

बारां (रॉयल पत्रिका)। इनरव्हील क्लब बारां द्वारा दीपावली के पावन अवसर पर पाँच जरूरतमंद बच्चों को मोबाइल फोन भेंट किया गया। संस्था की अध्यक्षा नीतु गुप्ता ने बताया कि यह पहल उन बच्चों की शिक्षा में सहयोग और उसके उज्ज्वल भविष्य की दिशा में एक छोटा सा प्रयास है। नीतु गुप्ता ने कहा कि "दीपावली केवल घरों को रोशनी से सजाने का पर्व नहीं है, बल्कि किसी के जीवन में उम्मीद की एक नई ज्योति जलाने का अवसर है। यदि हमारी छोटी-सी मदद से किसी का भविष्य संवर सकता है, तो यही सच्ची दीपावली है।" इस अवसर पर बच्चों को मिठाइयाँ फ़टाके व कपड़े उपहार भेंट किए गए तथा सभी सदस्याओं ने उसके साथ दीप जलाकर खुशियाँ साझा कीं। क्लब सदस्य सुशीला बंसल ने कहा कि इनरव्हील क्लब की यह सराहनीय पहल संवेदना और सेवा की मिसाल बनकर समाज को प्रेरित करती है।

"नोवस नेक्सस 2025" – गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी का आयोजन किया

उदयपुर (रॉयल पत्रिका) । उदयपुर में फ्रेशर्स फिएस्टा गीतांजलि इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी, गीतांजलि विश्वविद्यालय, उदयपुर द्वारा गीतांजलि ऑडिटोरियम अपनी भव्य फ्रेशर्स पार्टी "नोवस नेक्सस 2025" का आयोजन किया। इस कार्यक्रम का आयोजन फार्मा.डी., बी.फार्मा. और डी.फार्मा. (बैच 2024) के वरिष्ठ बैचों द्वारा अपने कनिष्ठ विद्यार्थियों का गीतांजलि परिवार में गर्मजोशी से स्वागत करने के लिए किया। इस समारोह में प्राचार्य डॉ. महेंद्र सिंह राठौर, अतिरिक्त प्राचार्य डॉ. उदिची कटारिया और सभी सम्मानित संकाय सदस्यों ने भाग लिया। छात्रों ने नृत्य, गायन, स्टैंड-अप, शायरी, स्किट और रैंप वॉक के माध्यम से अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। निर्णायक घनश्याम सेवक, भव्या दशोरा और डॉ. मोनिका माहेश्वरी ने प्रदर्शनों का मूल्यांकन किया और उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए हितांशु और कनिष्का (बी.फार्मा), रजत और अमिश्री (फार्मा.डी.), और ऋषित और कोमल (डी.फार्मा) को मिस्टर और मिस फ्रेशर के खिताब प्रदान किए गए। इस कार्यक्रम का संचालन गौरव, मृदुल, इंसिया, निशांत, गोविंद, हेमेंद्र, विपुल, नीलेश, कुलदीप, भूपेंद्र, अनिरुद्ध और आशिमा जैसे छात्रों ने भव्या दशोरा, सुश्री चांदनी यादव और ऋषिका रावल के मार्गदर्शन में किया। वरिष्ठ छात्रों ने कहा, "हम अपने कनिष्ठों का केवल स्वागत ही नहीं करते; हम उनका एक परिवार में स्वागत करते हैं," और उन्होंने नोवस नेक्सस 2025 की भावना को खूबसूरती से व्यक्त किया।

मजदूर हमारे देश की शान, सब मतदान कर बढ़ाए लोकतंत्र का मान

शब्बीर हुसैन

बारां (रॉयल पत्रिका)। जिला निर्वाचन अधिकारी (कलक्टर) रोहिताश्व सिंह तोमर एवं सीइओ व नोडल अधिकारी स्वीप राजवीर सिंह चौधरी के निर्देशन में अंता विधानसभा उपचुनाव में शत प्रतिशत मतदान के उद्देश्य से अंता स्थित एनटीपीसी में मतदाता जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। विकास अधिकारी राधेश्याम भील ने उपस्थित जन को मतदान का संकल्प कराकर सभी से मतदान दिवस 11 नवंबर को मतदान करने की अपील की। अपर महाप्रबंधक विपिन कुमार देशमुख ने लोकतंत्र के सशक्तिकरण में मतदान के महत्व पर प्रकाश डालते हुए सभी से मतदान करने एवं लोगों को प्रेरित करने की बात कही। वहीं सह प्रभारी स्वीप अमित भार्गव ने सी विजिल एप की जानकारी देते हुए एप्लीकेशन के माध्यम से आदर्श आधार संहिता की उल्लंघन की शिकायत करने पर 100 मिनट में समाधान प्राप्त करने एवं केवाईसी ऐप द्वारा अपने क्षेत्र से चुनाव उम्मीदवारों की जानकारी प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई तथा संकल्प पत्र भरवा कर मानव श्रृंखला द्वारा 11 नवंबर नोट करें निर्भय होकर वोट करें के उद्घोष के साथ मतदाताओं को मतदान के प्रति जागरूक किया, इस दौरान स्वीप सदस्य राजेश गौतम द्वारा मतदाता जागरूकता गीत की प्रस्तुति की गई। वहीं विकास अधिकारी राधेश्याम भील द्वारा सिलाई प्रशिक्षण केंद्र एवं सीआईडी तिराहे पर मजदूर वर्ग को मतदान का संकल्प कराया गया। इस अवसर पर अपर महाप्रबंधक (एच आर) डीएस कुहाड़, वरिष्ठ प्रबंधक मंजूषा माधवन, उप महा प्रबंधक विजेश सांमरिया, अरविंद भाटिया, सुरक्षा अधिकारी पूर्णिमा विश्वकर्मा, एचआर अधिकारी एएस पठान, बृजेश सिंह, सुशील सोमवंशी, उप प्रबंधक निशांत कुमार, वरिष्ठ सहायक अभियंता एनके राठौर, स्वीप सदस्य रामचरण मीणा, राजेंद्र मीणा, ओम मेरोठा, विकास मालव सहित अधिकारी कर्मचारी एवं श्रमिक वर्ग मौजूद रहे।

अष्टम राष्ट्रीय पोषण माह 2025 का समापन, आयोजित हुआ कार्यक्रम

पाली (रॉयल पत्रिका) । राष्ट्रीय पोषण माह का जिला स्तरीय समापन समारोह कार्यक्रम पंचायत समिति सभागार पाली में समारोह पूर्वक आयोजित किया गया। कार्यक्रम में गर्भवती महिलाओं की गोद भराई की रस्म भी अदा की गई। समग्र बाल विकास सेवा विभाग के तहत आयोजित राष्ट्रीय पोषण माह समारोह में बताया कि मोटापा कम करें, कम तेल कम चीनी के सेवन व प्रारंभिक बाल्यावस्था में देखभाल शिक्षा एवं पोषण भी, पढ़ाई भी, शिशु एवं बाल आहार संबंधित प्रथाएं पुरुषों की भागीदारी व वोकल फॉर लोकल के आधार पर आयोजन किया गया। इस अवसर पर जिला शिक्षा अधिकारी राहुल राजपुरोहित ने बच्चों की शिक्षा एवं अधिकार पर बताते हुए आज के समय में शिक्षा की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा कि जैसे घर में चीजों का ध्यान रखते हैं वैसे ही बच्चों का ध्यान रखना वह फास्ट फूड से दूरी रखने व फास्ट फूड से होने वाले दुष्प्रभाव के बारे में जानकारी प्रदान की साथी जिला नर्सिंग एसोसिएशन अध्यक्ष के. सी .सोनी ने पोषण एवं संतुलित आहार पर जोर देते हुए तंबाकू के दुष्प्रभाव को बताते हुए दूरी रखने व गर्भवती महिलाओं को तंबाकू से दूर रखने की नसीहत देते हुए प्रत्येक आंगनबाड़ी कार्यकर्ता को तंबाकू सेवन न करने की अपील करते हुए कहा कि आंगनबाड़ी केद्रो पर तंबाकू से दूरी रखने व दुष्प्रभाव के बोर्ड लगाने के लिये कहा। साथ ही बाल विकास अधिकारी ज्योति प्रकाश अरोड़ा ने बताया कि आंगनबाड़ी कार्यकर्ता सरकार एवं समाज की कड़ी है जिसकी पकड़ परिवार के अंदर तक होती है जिससे समाज कल्याणकारी योजनाओं व अन्य सरकारी योजनाओं को समझाने व प्रसारित करने और महिलाओं को आर्थिक सहयोग व योजनाओं का फायदा भी आमजन तक पहुंचने में मददगार होती है उन्होंने कहा कि महिला कार्यकर्ता स्वास्थ्य एवं पोषण सलाहकार व सहयोगी होती हैं जिससे वह सरकार एवं समाज की मध्य अहम भूमिका होती हैं। कार्यक्रम में दो महिलाओं की गोद भराई कार्यक्रम का आयोजन किया गया जिसमें सीडीपीओ सुरभि चौहान ने चुनरी उड़कर स्वागत किया व उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास विभाग राजेश कुमार ने गोद भराई की रस्म अदा की जिसमें आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं द्वारा मंगल गीत गाये। कार्यक्रम में उपनिदेशक महिला एवं बाल विकास राजेश कुमार, बाल विकास अधिकारी ज्योति प्रकाश अरोड़ा, जिला शिक्षा अधिकारी राहुल राजपुरोहित समाज कल्याण अधिकारी चंद्रशेखर, प्रशासनिक अधिकारी महिला बाल विकास हंसराज पवार नर्सिंग एसोसिएशन अध्यक्ष के सोनी व सीडीपीओ सुरभि चौहान, प्रकाश चंद, आलोक शर्मा सहित आंगनवाड़ी कार्यकर्ता मौजूद रहे।

अखिल भारतीय अग्रवाल महिला जिला संगठन इकाई बारां द्वारा विशेष बच्चों संग मनाई दीपावली

बारां (रॉयल पत्रिका)। अखिल भारतीय अग्रवाल महिला जिला संगठन इकाई बारां द्वारा विमंदित और मानसिक रूप से विशेष बच्चों के साथ दीपावली का पर्व हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर संस्था की अध्यक्षा नीतु गुप्ता ने बताया कि इस कार्यक्रम का उद्देश्य इन मासूम बच्चों के चेहरों पर मुस्कान लाना और उन्हें समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। नीतु गुप्ता ने भावुक होकर कहा "ये बच्चे इस दुनिया में कोरे कागज़ की तरह आते हैं, जिन पर जीवन के रंग हम सबको भरने हैं। वे न किसी से शिकायत करते हैं, न किसी से अपेक्षा बस अपनी निर्मल मुस्कान से सबका दिल जीत लेते हैं।" कार्यक्रम की संयोजिका मन्जु गोयल, कोषाध्यक्ष बबली अग्रवाल और हेमलता गर्ग ने बताया कि बच्चों को टी-शर्ट, मिठाइयाँ और फटाके वितरित किए गए, ताकि वे भी दीपावली के इस पावन पर्व को पूरे उत्साह के साथ मना सकें। इस दौरान बच्चों द्वारा सुंदर रंगोलियाँ बनाई गईं, दीप जलाए गए, और संस्था की सदस्याओं ने बच्चों के साथ मिलकर फटाके फोड़े तथा मिठाइयाँ बाँटीं। अंत में नीतू गुप्ता ने अपने भाषण में कहा की ईश्वर से हमारी प्रार्थना हे इन बच्चों को जल्दी स्वस्थ करे और ओ जल्दी ही समाज का हिस्सा बने। इस अवसर पर आशा गोयल, सुशीला बंसल, आरती जिंदल सभी का सहयोग रहा।

भाजपा प्रत्याशी की घोषणा पर कार्यकर्ताओं में उल्लास, आतिशबाजी कर व्यक्त की खुशी

बारां (रॉयल पत्रिका)। भाजपा संसदीय बोर्ड द्वारा अन्ता विधानसभा उपचुनाव में भारतीय जनता पार्टी के प्रत्याशी के रूप में मोरपाल सुमन की घोषणा होने पर क्षेत्र एवं जिलेभर के भाजपा कार्यकर्ताओं में जबरदस्त उत्साह है। स्थानीय उम्मीदवार मोरपाल सुमन के नाम की घोषणा होते ही अंता नगर व देहात मांगरोल नगर व देहात सीसवाली कोयला एवं बारां में कार्यकर्ताओं ने जमकर आतिशबाजी की। इस दौरान कार्यकर्त्ताओं ने राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा, पूर्व मुख्यमंत्री व राष्ट्रीय उपाध्यक्ष वसुंधरा राजे सिंधिया, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष मदन राठौड़, सांसद दुष्यंत सिंह सहित शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया है। भाजपा प्रत्याशी मोरपाल सुमन ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के शीर्ष नेतृत्व तथा प्रदेश नेतृत्व का हृदय से आभार व्यक्त करता हूँ जिन्होंने मुझ पर विश्वास जताया है। उन्होंने कहा कि इस विश्वास पर खरा उतरने का पूरा प्रयास करूंगा। जनता की सेवा ही मेरा संकल्प है। भाजपा जिला प्रवक्ता सचिन सनाढय एवं सहप्रवक्ता योगेश राजौरा ने बताया कि पार्टी नेतृत्व का यह निर्णय स्वागत योग्य है।उन्होंने कहा कि भाजपा की नीतियों और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश निरंतर प्रगति कर रहा है, जिसका लाभ जनता तक पहुँच रहा है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष नरेश सिकरवार सहित बड़ी संख्या में उपस्थित कार्यकर्त्ताओं ने एक स्वर में कहा कि आने वाला उपचुनाव भाजपा की ऐतिहासिक जीत के रूप में दर्ज होगा। भाजपा प्रत्याशी घोषित होने पर शहर मंडल के कार्यकर्त्ताओं ने शहर अध्यक्ष ओपी पारेता की अगुवाई मे प्रताप चौक पर आतिशबाजी की। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता प्रेमनारायण सोनी, यशभानु जैन, संघठन बारां प्रभारी पारस जैन, नागरिक बैंक के चेयरमेन हरगोविंद जैन, भाजपा नेता राकेश जैन, अशोक बत्रा मुकेश केरवालिया, योगेश बाटा, रोहित नागर, सुरेंद्र नागर, पुनीत माहेश्वरी सहित जिले व शहर के कार्यकर्ता व पदाधिकारी मौजूद रहे।

मंत्री झाबरसिंह खर्रा का चूरू सर्किट हाउस में विधायक एवं जिला अध्यक्ष व भाजपा पदाधिकारीयों ने किया अभिनंदन

मोहम्मद अली पठान

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय पर राजस्थान सरकार के शहरी विकास एवं स्वायत शासन विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) झाबरसिंह खर्रा के चूरू प्रवास के दौरान भाजपा कार्यकर्ताओ ने सक्रिट हाउस में विधायक हरलाल सहारण एवम् जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा के नेतृत्व में अभिन्नदन किया। इस अवसर पर मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने कहा कि भाजपा के कार्यकर्ता राष्ट्र निर्माण के कार्य में लगे हुऐ है। डबल इंजन की सरकार के विकास की नितियां को आमजनता तक पहुचाने में कार्यकर्ताओ की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होने कहा कि वर्तमान में सेवा पखवाड़े के तहत राज्य सरकार के द्वारा शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रो में शिविर लगाये गये है इनसे आमजनता को काफी राहत मिली है। आमजनता के समस्याओं को समाधान हुआ हैं। उन्होने कहा कि आने वाले समय में भी इस प्रकार के लोकहित के कार्य जारी रहेगे। उन्होने सभी कार्यकर्ताओ का आभार जताया इस अवसर पर विधायक हरलाल सहारण ने कहा कि मंत्री झाबरसिंह खर्रा एक किसान के पुत्र है वे जमीनी हकिकत को पहचानते है और जब से उन्होने मंत्री के रूप में दायित्व संभाला है तब से आमजन के हितो के अनुरूप योजनाऐं बनाकर आमजन को लाभ पहुचा रहे है। एक मंत्री के नाते उन्होने प्रदेश में कार्य कुशलता की छाप छोड़ी है। जिसका परिणाम है कि आमजनता इन शिविरों का लाभ उठा रही है। उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के सपनो को साकार कर लोकहित की योजनाओं को धरातल पर उतारा जा रहा है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष बसंत शर्मा ने मंत्री खर्रा को एक कुशल प्रशासक एवम् जनहितेषी नेता बताते हुऐ कहा कि उनका सरल और सौम्य स्वभाव हर कार्यकर्ता को आकर्षित करता है। आमजन से सहजता से एवम् शिष्टता से जिस प्रकार आप जुड़ते है। उससे आमजन में शासन के प्रति विश्वास बढ़ता है। आपके चूरू आगमन से चूरू को उम्मीद जगी है। इस अवसर पर विघायक हरलाल सहारण ने मंत्री झाबर सिंह खर्रा को चूरू की अनेक समस्याओं की जानकारी दी एवं पूर्व में समस्याओं के निस्तारण करने पर उनका आभार जताया। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता फतेहचन्द सोती, राष्ट्रिय परिषद् सदस्य ओम सारस्वत, जिला प्रमुख वन्दना आर्य, उपजिला प्रमुख महेन्द्र न्यौल, प्रधान दीपचन्द राहड़, जिला महामंत्री अभिषेक चोटिया, जिला उपाध्यक्ष भास्कर शर्मा, नरेन्द्र काछवाल, नेताप्रतिपक्ष विमला गढ़वाल, वरिष्ठ नेता डॉ. महेश शर्मा, जिला मंत्री प्रभा धंधावत, मण्डल अध्यक्ष सुरेश सारस्वत, धर्मेन्द्र राकसिया, महेश मिश्रा, सुरेश मिश्रा, श्रीराम पीपलवा, मोहनलाल गढ़वाल, ओमसिंह शेखावत, राजीव शर्मा, नीरज जांगिड़, रजत शर्मा, जयपालसिंह टकणेत, रवि आर्य, सम्पत सिंह राठौड़, नारायण बेनीवाल, राकेश औझा, सोहन सहारण, आकाश सैनी, सुनील ढाका, मनोज गढ़वाल, अजय तंवर सहित अनेक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जिला एवं सेशन न्यायाधीश, कलेक्टर और एसपी ने किया जिला कारागृह का निरीक्षण

हनुमानगढ़ (रॉयल पत्रिका)। माननीय उच्चतम न्यायालय की रिट याचिका सुकन्या शांता बनाम भारत संघ में पारित निर्णय की पालना में गुरुवार को जिला कारागृह हनुमानगढ़ का निरीक्षण किया गया। यह निरीक्षण राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जयपुर के निर्देशों के तहत किया गया। निरीक्षण दल में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (जिला एवं सेशन न्यायाधीश) अध्यक्ष तनवीर चौधरी, जिला कलक्टर डॉ. खुशाल यादव, जिला पुलिस अधीक्षक हरी शंकर, तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सचिव गजेन्द्र सिंह तेनगुरिया शामिल रहे। इस दौरान जिला स्तर पर गठित बोर्ड के सदस्य एवं प्रशासनिक अधिकारी भी उपस्थित थे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने बंदियों से कारागृह में उपलब्ध सुविधाओं, सुरक्षा व्यवस्था तथा उनके प्रति किसी भी प्रकार के जाति, धर्म या सामाजिक भेदभाव के संबंध में जानकारी ली। बंदियों ने बताया कि कारागृह में सभी के लिए समान सुविधाएँ उपलब्ध हैं और किसी प्रकार की शिकायत नहीं है। अधिकारियों ने कारागृह की बैरकों, स्वच्छता, भोजन, चिकित्सा एवं सुरक्षा व्यवस्था का भी गहन निरीक्षण किया। इस दौरान अध्यक्ष तनवीर चौधरी ने जिला कारागृह अधीक्षक को बैरकों की नियमित साफ-सफाई बनाए रखने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त, तनवीर चौधरी (अध्यक्ष) एवं गजेन्द्र सिंह तेनगुरिया (सचिव) जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बुधवार को उपकारागृह नोहर एवं उपकारागृह भादरा का भी निरीक्षण किया, जहाँ बंदियों को उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं का जायजा लिया गया। इस अवसर पर बोर्ड के सदस्य मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. नवनीत शर्मा तथा सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता विभाग उपनिदेशक विक्रम सिंह भी उपस्थित रहे।

ग्राम पंचायत लागड़ीवास में पट्टों का वितरण

लागड़ीवास/जमवारामगढ़ (रॉयल पत्रिका)। ग्राम पंचायत लागड़ीवास में शुक्रवार 17 अक्टूबर को शहरी सेवा शिविर सरपंच विमला देवी एवं एसटी मोर्चा महामंत्री पूरण मीणा क्यार की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ । एसटी मोर्चा महामंत्री पूरण मीणा क्यार ने बताया कि आबादी के आठ पट्टे बांटे गए । शिविर में मौके पर नायब तहसीलदार जमवा रामगढ़, सुश्री मनीषा मीणा, वीडियो ग्राम पंचायत लागड़ीवास, राजस्व विभाग अनिल शर्मा, पशु चिकित्सा अधिकारी उदय सिंह, कृषि विभाग से रोहित जी, और सभी विभागों के कर्मचारी एवं मुकेश वार्डपंच, रामकरण, दीपक राजोरा, बीरबल, कृष्ण प्रजापत, लाला राम, रामजी, कृष्ण शर्मा आदि भाजपा कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 के अंतर्गत जन जागरूकता रैली का आयोजन

-सघन जन जागरण अभियान के साथ स्कूलों और ग्राम पंचायतों को करेंगे तंबाकू मुक्त

-कोटपा एक्ट 2003 की शत-प्रतिशत पालना करेंगे सुनिश्चित

सवाई माधोपुर (रॉयल पत्रिका)। संपूर्ण प्रदेश सहित सवाई माधोपुर में भी टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 चलाया जाएगा। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अनिल कुमार जैमिनी ने गुरुवार को जन जागरूकता रैली को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। रैली ने मुख्य बाज़ारों मे जागरूकता संदेश दिया। सीएमएचओ ने जानकारी दी कि अभियान के अंतर्गत 9 अक्टूबर से 12 दिसंबर 2025 तक दो माह में सघन जन जागरण गतिविधियों के साथ जिले के समस्त विद्यालयों तथा ग्राम पंचायतों को तंबाकू मुक्त घोषित करवाया जाएगा। इसके लिए चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी विभागों के साथ समन्वय स्थापित कर कोटपा एक्ट 2003 की समस्त धाराओं व तंबाकू फ्री गाइडलाइंस की शत-प्रतिशत पालना सुनिश्चित करवाई जाएगी। स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय भारत सरकार तथा राज्य सरकार द्वारा चलाए जा रहे टोबैको फ्री यूथ कैंपेन 3.0 का मुख्य उद्देश्य युवाओं तथा बच्चों को तंबाकू जैसे जहर से दूर रखना है इसके लिए विभिन्न विभागों, स्वयंसेवी संस्थाओं, स्काउट एंड गाइड के सहयोग से वाद विवाद प्रतियोगिता, निबंध प्रतियोगिता, रैली, नुक्कड़ नाटक व अन्य जन जागरूकता गतिविधियां आयोजित की जा रही है। 12 दिसंबर तक यह अभियान सभी जिलों में संचालित करवाया जाएगा। यह सभी कार्यक्रम एक निश्चित टाइमलाइन अनुसार संपादित किए जाएंगे।

सभी स्टेकहोल्डर का लेंगे सहयोग-

अभियान के अंतर्गत समस्त स्टेकहोल्डर्स जिनमें विधायक, प्रधान, सरपंच सहित विभिन्न जनप्रतिनिधि, तंबाकू विक्रेता, खाद्य सुरक्षा प्रकोष्ठ, तंबाकू उपयोगकर्ता, विभिन्न विभागों के प्रतिनिधि तथा स्वयंसेवी संस्थाओं के प्रतिनिधियों के साथ कार्यालयशालाएं आयोजित होंगी। ग्राम स्तर पर गठित वीएचएसएनसी समिति तथा शहरी क्षेत्र में गठित मास समितियां द्वारा जन-जन तक तंबाकू के दुष्प्रभाव को लेकर जागरूकता लाई जाएगी। तंबाकू छोड़ने के लिए आमजन को प्रेरित कर उन्हें तंबाकू से सेशेषन कार्यक्रम से जोड़ा जाएगा।

झारिया गोगामेडी मैदान पर राज्यस्तरीय रात्रि कालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का मुस्ताक खान ने फीता काटकर किया शुभारंभ

चूरू (रॉयल पत्रिका)। जिला मुख्यालय के निकटवर्ती ग्राम झारिया गोगामेडी मैदान पर राज्यस्तरीय रात्रिकालीन क्रिकेट प्रतियोगिता का शुभारंभ हुआ। प्रतियोगिता के मुख्य अतिथि राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश सचिव मुस्ताक खान व कार्यक्रम के अध्यक्ष अब्दुल लतीफ कारी, विशिष्ट अतिथि यूथ कांग्रेस प्रदेश सचिव महेश ढूकिया, सरपंच प्रतिनिधि निसार खान, बीडीसी मेंबर सुनील मेघवाल, भंवर सिंह, लोहिया कॉलेज पूर्व महासचिव पुलकित चौधरी, छात्र नेता फरमान खान, युवा नेता गुलजार खान ने फीता काटकर शुभारंभ किया। मुस्ताक खान ने कहा इस तरह के भव्य खेलों के आयोजन से ग्रामीण अंचल से खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन होता है और उन्हें आगे बढ़ने के अवसर मिलते हैं ग्रामीणजनों में आपसी सौहार्द भी कायम होता है। मुस्ताक खान ने भव्य आयोजन और स्वागत सत्कार के लिए सभी ग्रामवासियों व आयोजन कर्ताओं को धन्यवाद दिया। इस अवसर पर इंतजार खान, मुबारिक खान, सुफियान तंवर, खुशी खान, फारुक खान, आदिल शेरा, आसिफ खान, आसिफ तंवर, वाहिद तंवर, मुदस्सर खान, राहुल डीगला, जुबैर तंवर, बिलाल खान, दिलशाद खान, शाहरुख खान आसिफ खान फरदीन तंवर, इमरान तंवर, समीर तंवर, कैफ तंवर, असद तंवर, हर्ष डीग्ला द्वारा सभी अतिथियों का साफा व माला पहनाकर स्वागत किया गया उद्घाटन मैच सरदारशहर व भालेरी के बीच खेला गया जिसमें सरदारशहर विजेता रहा।

आपकी पूंजी, आपका अधिकार अभियान से जनता को मिलेगा अपनी पूँजी पर अधिकार-भागीरथ चौधरी

-डॉ. भीमराव अंबेडकर ऑडिटोरियम में आयोजित वित्तीय सेवाएं विभाग के "आपकी पूँजी, आपका अधिकार" अभियान

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण राज्य मंत्री तथा स्थानीय सांसद भागीरथ चौधरी ने गुरुवार को डॉ. भीमराव अंबेडकर ऑडिटोरियम, जेएलएन कॉलेज, अजमेर में आयोजित वित्तीय सेवाएं विभाग, वित्त मंत्रालय, भारत सरकार के विशेष शिविर में सहभागिता की। यह शिविर "आपकी पूँजी, आपका अधिकार" अभियान के अंतर्गत आयोजित किया गया, जिसका उद्देश्य देशभर में बैंकों, बीमा कंपनियों, पेंशन खातों और निवेश योजनाओं में पड़ी अनक्लेम्ड वित्तीय पूँजी के त्वरित निपटान और वापसी को सुनिश्चित करना है। केंद्रीय मंत्री भागीरथ चौधरी ने अपने संबोधन में कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार पारदर्शिता, जवाबदेही और जनहित के मूल्यों पर आधारित नीतियों के माध्यम से आर्थिक सशक्तिकरण की दिशा में ठोस कदम उठा रही है। उन्होंने कहा कि "आपकी पूँजी, आपका अधिकार" अभियान से

नागरिकों को अपनी मेहनत की कमाई तक आसानी से पहुँच सुनिश्चित होगी, जिससे आमजन का विश्वास और मजबूत होगा। डिजिटल युग में सरकार ने तैयार किए तकनीकी प्लेटफॉर्म -केंद्रीय कृषि राज्य मंत्री भागीरथ चौधरी ने कहा कि डिजिटल भारत के इस युग में सरकार ने ऐसे तकनीकी प्लेटफॉर्म तैयार किए हैं, जिनकी मदद से नागरिक अपने पुराने बैंक खातों, बीमा पॉलिसियों, या निवेश राशियों की जानकारी कुछ ही क्लिक में प्राप्त कर सकते हैं। यह अभियान वित्तीय समावेशन को नई गति देगा और जनता को अपनी ही पूँजी के प्रति जागरूक बनाएगा। भागीरथ चौधरी ने शिविर में उपस्थित नागरिकों से इस पहल का लाभ उठाने का आह्वान करते हुए कहा कि केंद्र सरकार जनता की हर पूँजी की सुरक्षा और उस तक उसकी आसान पहुँच सुनिश्चित करने के लिए प्रतिबद्ध है। कार्यक्रम में अजमेर दक्षिण विधायक अनिता भदेल, अजमेर शहर जिलाध्यक्ष रमेश सोनी, निगम उपमहापौर नीरज जैन, बैंक ऑफ बड़ौदा सहित विभिन्न बैंकों के वरिष्ठ अधिकारी एवं बड़ी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले मंत्री ने ली विभागीय समीक्षा बैठक

"Give Up अभियान से वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचेगा खाद्य सुरक्षा का लाभ"

भीलवाड़ा (रॉयल पत्रिका)। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता मामले विभाग के मंत्री सुमित गोदारा ने बुधवार को भीलवाड़ा जिला कलेक्ट्रेट सभागार में विभागीय समीक्षा बैठक ली। बैठक में मंत्री ने विभागीय योजनाओं, सार्वजनिक वितरण प्रणाली और "Give Up अभियान" की प्रगति की विस्तार से समीक्षा की। मंत्री गोदारा ने कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है कि प्रत्येक पात्र लाभार्थी को गुणवत्तापूर्ण खाद्यान्न समय पर एवं पारदर्शी रूप से उपलब्ध कराया जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि राशन वितरण में किसी भी प्रकार की अनियमितता या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने "Give Up अभियान" के प्रभावी क्रियान्वयन पर विशेष बल देते हुए कहा कि यह अभियान राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम (NFSA) से जुड़ा है। इसके तहत आर्थिक

रूप से सक्षम उपभोक्ताओं से अपील की जा रही है कि वे स्वेच्छा से एनएफएसए का लाभ त्यागे।(-Give Up करें), ताकि वास्तविक जरूरतमंद परिवारों तक खाद्य सुरक्षा का लाभ और अधिक प्रभावी ढंग से पहुंच सके। मंत्री गोदारा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि Give Up अभियान के संबंध में जन जागरण गतिविधियों को तेज किया जाए, पात्रता सूची का अद्यतन समयबद्ध रूप से किया जाए तथा किसी भी अपात्र व्यक्ति को NFSA लाभ से वंचित या अनुचित रूप से लाभान्वित नहीं होने दिया जाए। उन्होंने आमजन से अपील की कि वे समय पर ई-केवाईसी अवश्य करवाएं ताकि उन्हें आगामी राशन लाभ में कोई बाधा न आए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि आवंटन सलाहकार समिति की नियमित बैठकें आयोजित की जाएं और राशन डीलरों के भुगतान की स्थिति की निरंतर समीक्षा की जाए।

प्रधानमत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों ने गृह प्रवेश कर जताया सरकार का आभार

श्रीगंगानगर (रॉयल पत्रिका)। माननीय मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के निर्देशानुसार जिले में आयोजित हो रहे शहरी सेवा शिविरों में आमजन की समस्याओं का समाधान हो रहा है। साथ ही उन्हें केन्द्र व राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं का मौके पर ही लाभ मिल रहा है। राहत मिलने पर लाभार्थियों द्वारा माननीय मुख्यमंत्री और राजस्थान सरकार का आभार जताया जा रहा है। नगरपालिका पदमपुर की ओर से गत दिवस खन्ना नगर में आयोजित शहरी सेवा शिविर में प्रधानमत्री आवास योजना (शहरी) के स्वीकृत आवासों में 20 लाभार्थियों को गृह प्रवेश करवाया गया। प्रधानमत्री आवास योजना (शहरी) के लाभार्थियों बफती खान, चिडियाराम, फूलाराम, गोरासिंह, जरनेल कौर, कंचन, किशनावती, प्रहलाद, संतरो देवी, विक्रम फण्डा, हरदीप कौर, जन्नत बानो, नत्थूराम, पूनम, बालकिशन, बलवीर सिंह, भागूराम, बूलाराम, गोमा देवी, गुलाबो देवी द्वारा बताया गया कि वे पहले झुग्गी झोपड़ी में निवास करते थे। परिवार का खर्चा एवं बच्चों की पढ़ाई ही मुश्किल से होती। आय का अन्य स्रोत भी नहीं है। टीनशेड युक्त कच्चे घर में निवास करते थे। नगरपालिका प्रशासन से प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के बारे में पता चलने पर आवेदन किया। नाम चयनित कर आवेदकों को किश्त के रूप में 1.50 लाख रूपये अनुदान राशि प्राप्त हुई, जिससे घर का सपना पूरा करने की हिम्मत मिली। लाभार्थियों ने बताया कि उन्होंने अपना स्वयं का पक्का मकान बना लिया है। सरकार की बदौलत उनके पक्के मकान का सपना पूरा हुआ। इसके लिए लाभार्थियों ने माननीय प्रधानमंत्री एवं माननीय मुख्यमंत्री और योजना से जुड़े अधिकारियों को आभार जताया।

देवनानी ने कुशल चौधरी को दी शुभकामनायें देवनानी ने अपने आवास पर आमंत्रित कर सम्मानित किया

-कुशल को कुशल की सफलता परिश्रम और अनुशासन की सच्ची कुंजी-देवनानी

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने राजस्थान प्रशासनिक सेवा परीक्षा-2023 में प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले अजमेर जिले के ग्राम पंचायत कड़ैल निवासी कुशल चौधरी को गुरुवार को राजकीय आवास पर आमंत्रित कर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। देवनानी ने कुशल चौधरी को पुष्प गुच्छ भेंट कर, शाल ओढ़ाकर, साफा पहनाकर और मिठाई खिलाकर सम्मानित किया। देवनानी ने कुशल को उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। देवनानी ने कहा कि कुशल जैसे युवाओं की नई पीढ़ी प्रशासनिक सेवा में नई ऊर्जा. पारदर्शिता और जनसेवा की भावना लेकर प्रदेश के विकास में अहम भूमिका निभाएगी। देवनानी ने कहा कि कुशल चौधरी ने अपने कठिन परिश्रम, दृढ़ निश्चय और आत्मविश्वास से अपने परिवार

व गांव के नाम को रोशन करने के साथ ही सम्पूर्ण अजमेर जिले और प्रदेश को भी गौरवान्वित किया है। उन्होंने कहा कि कुशल चौधरी के उत्कृष्ट प्रदर्शन से स्पष्ट है कि यदि लक्ष्य तय हो और उसके प्रति समर्पण अटूट हो तो ग्रामीण पृष्ठभूमि के युवा भी सफलता की ऊँचाइयों को छू सकते हैं। देवनानी ने कहा कि कुशल चौधरी की यह उपलब्धि प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणादायक है, विशेष रूप से उन विद्यार्थियों के लिए जो सीमित संसाधनों के बावजूद बड़े सपने देखने का साहस रखते हैं। देवनानी ने कहा कि कुशल चौधरी जैसे युवा राजस्थान के उज्ज्वल भविष्य के प्रतीक हैं। उनकी सफलता परिश्रम और अनुशासन की सच्ची कुंजी है।

पुष्कर मेला- 2025 संभागीय आयुक्त ने तैयारियों को लेकर ली समीक्षा बैठक

-सफल आयोजन के लिए अधिकारियों को दिए निर्देश

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। पुष्कर मेला-2025 की तैयारियों को लेकर संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में गुरुवार को जिला स्तरीय अधिकारियों के साथ कलेक्ट्रेट सभागार में समीक्षा बैठक आयोजित हुई। बैठक में मेला आयोजन से जुड़ी विभिन्न व्यवस्थाओं सुरक्षा, स्वच्छता, यातायात, पशु मेला प्रबंधन, सांस्कृतिक कार्यक्रम, पेयजल, प्रकाश व्यवस्था और विकास प्रदर्शनी आदि पर विस्तृत चर्चा की गई। संभागीय आयुक्त ने विभागवार तैयारियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को समयबद्ध और समन्वित रूप से सभी कार्य पूर्ण करने के निर्देश दिए। संभागीय आयुक्त शक्ति सिंह राठौड़ ने कहा कि पुष्कर मेला एक विश्वस्तरीय आयोजन है। मेले में आने वाले देश-विदेश के तीर्थ यात्रियों एवं पर्यटकों को स्वच्छता और सुव्यवस्था का सर्वोत्तम अनुभव मिलना चाहिए। इसके लिए नगर परिषद और सार्वजनिक निर्माण विभाग को सड़क किनारे झाड़ियों, मलबे सहित समग्र क्षेत्र

की नियमित सफाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। विद्युत विभाग के अधिकारियों को ढीले एवं झूलते तारों की पहचान कर तुरंत दुरुस्ती करने और अस्थाई कनेक्शनों की सुरक्षा समीक्षा करने के लिए कहा। रसद विभाग को अवैध गैस सिलेंडरों की जांच और जब्ती की कार्यवाही करने के निर्देश दिए। उन्होंने गृह विभाग के अधिकारियों को मेले के दौरान भीड़ नियंत्रण, असामाजिक तत्वों पर निगरानी, अस्थायी थानों और चौकियों की स्थापना और महिला सुरक्षा के लिए सिविल ड्रेस में महिला पुलिसकर्मियों की नियुक्ति के निर्देश दिए। घाटों पर पुलिस बल की तैनाती, मुख्य मंदिर के आसपास क्राउड मैनेजमेंट के विशेष इंतजाम और प्रवेश-निकास मार्गों पर पूर्वाभ्यास करने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी प्रवेश द्वारों पर आगंतुकों के साथ सभ्य व्यवहार और सहयोगपूर्ण आचरण बनाए रखने को निर्देशित किया। पर्यटन विभाग को प्रत्येक दिवस अलग थीम पर सांस्कृतिक कार्यक्रम आयोजित कर राज्य की लोकसंस्कृति को प्रदर्शित करने के निर्देश दिए। साथ ही जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी, सार्वजनिक निर्माण, विद्युत, चिकित्सा और पशुपालन विभागों को अपने-अपने कार्यक्षेत्रों में समन्वय बनाकर कार्य करने को कहा।

राष्ट्रीय पोषण अभियान के अंतर्गत जिला स्तरीय पोषण माह समापन

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। महिला एवं बाल विकास विभाग डूंगरपुर में उपनिदेशक महोदय पंकज द्विवेदी के तत्वाधान में जिला स्तरीय राष्ट्रीय पोषण माह का समापन भगत सिंह सामुदायिक भवन डूंगरपुर में किया गया। उपनिदेशक महोदय पंकज द्विवेदी द्वारा निदेशालय से प्राप्त गतिविधियों के कैलेंडर आधारित थीम मोटापा कम करे तैल, चीनी का कम सेवन करे, पोषण भी पढ़ाई भी, शिशु एवं बाल आहार संभंधित प्रथाएं,पुरषों की भागीदारी इत्यादि को आंगनवाड़ी कार्यकर्ता द्वारा अपने केन्द्रों पर जन आंदोलन के माध्यम से व्यापक स्तर पर पोषण से जागरूकता बढ़ाने के प्रयास के बारे में बताया गया। साथ ही पौष्टिक आहार,घर पर बने व्यजंन और हरी पत्तेदार सब्जियों के महत्व के बारे में बताया गया। सांस्कृतिकी संस्था से मुकेश शर्मा द्वारा कुपोषित बच्चो को चिंहित करके समुदाय स्तर पर प्रबन्धन करना, जटिलता पर कुपोषण उपचार केंद्र भेजना विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई। अजीम प्रेमजी फाउंडेशन से जीवन जी द्वारा पोषण भी पढ़ाई भी एवं आंगनवाड़ी पर बच्चों के शिक्षा स्तर पर चर्चा की गई। राष्ट्रीय पोषण अभियान के जिला समन्वयक प्रशांत शर्मा द्वारा पोषण माह को जनांदोलन के रूप में लेते हुवे डेशबोर्ड पर ऑनलाइन एंट्रीज के बारे में बताया गया। कार्यक्रम में सीडीपीओ ललिता कटारा, चिराग गोड, जोगेन्द्र सिंह झाला, जिला परियोजना सहायक कौशल कुमार कलाल,प्रधानमंत्री मातृत्व योजना से विरल जैन, भरत परमार और जिले से उपस्थित महिला पर्यवेक्षक एवं कार्यकर्ताओं द्वारा पौष्टिक आहार व हरी पत्तेदार सब्जियों एवं रंगोली की प्रदर्शनी लगाकर पोषण माह समापन का उत्साह पूर्वक आयोजन किया गया तथा उपस्थित सभी संभागियों द्वारा पोषण शपथ ली गयी।

पूर्व सांसद कनकमल कटारा ने दस लाख की लागत से बने शौचालय का किया उद्घाटन

डूंगरपुर (रॉयल पत्रिका)। पूर्व सांसद कनकमल कटारा ने उनके सांसद कार्यकाल के दौरान स्वीकृत किए गए 10 लाख राशि की लागत से बने सुविधाघर (शौचालय) का उद्घाटन किया। गुरुवार को जिला कलेक्ट्रेट परिसर में बने इस सुविधाघर(शौचालय) के समारोह पूर्वक उद्घाटन के अवसर पर समाजसेवी अशोक पटेल रणोली, नगर परिषद सभापति अमृतलाल कलासुआ, उपसभापति सुदर्शन जैन, समाजसेवी गजेंद्र सिंह, पंकज जैन, अनुराग कटारा, ऋषि दवे आदि गणमान्य जनप्रतिनिधि भी मौजूद रहें। इस अवसर पर अतिथियों का स्वागत करते हुए अतिरिक्त जिला कलेक्टर दिनेश चंद्र धाकड़ ने कहा कि कलेक्ट्रेट परिसर में जिला परिषद का ही एकमात्र सुविधाघर(शौचालय) था, जिसके कारण अनेक दिक्कतें आती थी। ऐसे में तत्कालीन सांसद कनकमल कटारा को अवगत करवाया गया, जिस पर उन्होंने तत्काल सांसद मद से 10 लाख राशि की स्वीकृति प्रदान की और

कार्यकारी एजेंसी नगर परिषद के द्वारा प्रभावी मॉनिटरिंग के साथ कार्य करने के कारण शौचालय का कार्य समय पर पूर्ण हो पाया है। कार्यक्रम में पूर्व सांसद कनकमल कटारा ने कहा कि सरकार द्वारा स्वच्छता के लिए विशेष प्रयास करते हुए स्वच्छता अभियान चलाए जा रहे हैं । साथ ही स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा भी चलाया गया। ऐसे में आवश्यक सुविधा शौचालय की उपलब्धता एवं स्वच्छता हमारी भी जिम्मेदारी है। उन्होंने कहा कि कलेक्ट्रेट में शौचालय के निर्माण से कलेक्ट्रेट कर्मचारियों के साथ ही यहां पहुंचने वाले आमजन को भी सुविधा उपलब्ध हो सकेगी। इस अवसर पर समाज सेवी अशोक पटेल एवं नगर परिषद सभापति अमृतलाल कलासुआ ने कलेक्ट्रेट में शौचालय के निर्माण को बहुत उपयोगी बताया। इस अवसर पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी हनुमान सिंह राठौड़ ने कहा कि कलेक्ट्रेट में शौचालय के निर्माण से कार्मिकों और विशेषकर महिलाओं को सुविधा हो सकेगी। कार्यक्रम में आभार प्रदर्शन जिला कलेक्टर के निजी सहायक देवचंद यादव ने किया वहीं कार्यक्रम का संचालन अतिरिक्त प्रशासनिक अधिकारी गौरव भावसार ने किया।

सहकारिता को सुलभ बनाया जाए, ताकि लोगों को सशक्त होने के अधिक से अधिक अवसर मिले

धोलपुर (रॉयल पत्रिका)। जिला सहकारी विकास समिति की समीक्षा बैठक का जिला कलक्टर श्रीनिधि बी टी की अध्यक्षता में आयोजन किया गया। बैठक में उन्होंने कहा कि सतत् जिले में सहकारी समितियों की भूमिका अत्यधिक महत्वपूर्ण है। हमारा उद्देश्य है कि सहकारिता को सभी के लिए सुलभ बनाया जाए, ताकि लोगों को सशक्त होने के अधिक से अधिक अवसर मिल सके। उन्होंने राज्य सरकार की बजट घोषणा के अन्तर्गत गोपाल क्रेडिट कार्ड योजना में लम्बित आवेदनों का निस्तारण हेतु प्रस्ताव बनाकर भेजने के निर्देश दिए। ताकि उच्च स्तर से उनका निस्तारण करवाया जा सकें। बैठक में उप रजिस्ट्रार

सतेन्द्र सिंह मीना ने बताया कि उन्होंने 5 नई ग्राम सहकारी समितियों के गठन के प्रस्ताव पारित किया। 3 केवीएसएस एवं 22 ग्राम सेवा सहाकरी समितियों द्वारा सहकार सदस्यता अभियान के दौरान भूमि चिन्हिकरण कर भूमि आवंटन हेतु राजस्व विभाग को आवेदन किया गया। सहकार सदस्याता अभियान के दौरान दिए गए लक्ष्य 5 हजार 840 के विरूद्ध 6 हजार 546 सदस्य सहकारी समितियों द्वारा बनाएं गए। पैक्स कम्प्यूटराइजेशन योजना में 55 पैक्स गो लाइव की जा चुकी है तथा 9 ई-पैक्स बन चुकी है। बैठक में जिला रसद अधिकारी कल्याण सहाय करोल, संयुक्त निदेशक पशुपालन संत सिंह मीणा सहित सम्बन्धित अधिकारी उपस्थित रहे।

रबी फसल 2025-26 हेतु जल वितरण समिति की बैठकें 27 से 30 अक्टूबर तक आयोजित होंगी

चित्तौड़गढ़ (रॉयल पत्रिका)। जिले में बांधों एवं तालाबों से रबी 2025-26 फसल की सिंचाई हेतु जल वितरण के लिए जल वितरण समिति की आम बैठकें आयोजित की जाएंगी। इन बैठकों में सिंचाई व्यवस्था, जल वितरण की रूपरेखा, जल उपयोग की प्राथमिकताएं तथा किसानों को समय पर सिंचाई जल उपलब्ध कराने के संबंध में विस्तृत चर्चा की जाएगी। उदयपुर संभागीय आयुक्त की अध्यक्षता में 27 अक्टूबर को बैठकें आयोजित होंगी। बड़गांव बांध की बैठक प्रातः 11 बजे सिंचाई निरीक्षण गृह, बड़गांव में तथा औराई बांध की बैठक अपराह्न 3 बजे गोपालपुरा सिंचाई गैंगहट पर आयोजित की जाएगी। इसके पश्चात जिला कलक्टर आलोक रंजन की अध्यक्षता में 28 से 30 अक्टूबर तक जल वितरण समिति की बैठकें विभिन्न स्थानों पर आयोजित की जाएंगी। गंभीरी बांध की बैठक 28 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे सिंचाई निरीक्षण गृह, चित्तौड़गढ़ में, बस्सी बांध की बैठक उसी दिन अपराह्न 3 बजे बांध स्थल बस्सी पर, भूपालसागर बांध की बैठक 29 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे सिंचाई निरीक्षण गृह, भूपालसागर में, डिंडोली बांध की बैठक 29 अक्टूबर को अपराह्न 3 बजे बांध स्थल डिंडोली पर तथा मुरलिया बांध की बैठक 30 अक्टूबर को प्रातः 11 बजे गैंगहट मुरलिया बांध पर आयोजित होगी। संबंधित विभागीय अधिकारियों, जल उपयोगिता समितियों के सदस्यों एवं किसान प्रतिनिधियों को निर्धारित तिथि एवं समय पर उपस्थिति सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं ताकि रबी फसल के लिए सिंचाई प्रबंधन कार्य समय पर और प्रभावी ढंग से संपादित हो सके।

जिले में यहां आयोजित होंगे ग्रामीण व शहरी सेवा शिविर

बूंदी (रॉयल पत्रिका)। जिले के ग्रामीण व शहरी क्षेत्रों के निवासियों की समस्याओं का त्वरित समाधान तथा सरकार की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से लाभान्वित करने के उद्देश्य से सेवा शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। ग्रामीण सेवा शिविरों के लिए तय कार्यक्रम अनुसार 17 अक्टूबर को बूंदी उपखण्ड की ग्राम पंचायत लालपुरा, अन्थड़ा, तालेड़ा की ग्राम पंचायत देहित, नौताड़ा-भोपत, नैनवां उपखण्ड की ग्राम पंचायत बालापुरा, गुढादेवजी, हिण्डोली उपखण्ड की ग्राम पंचायत डाबेटा, धाबाईयों का नयागांव में शिविर आयोजित होंगे।

शहरी क्षेत्रों में यहां लगेंगे शिविर-

निर्धारित कार्यक्रमानुसार 17 अक्टूबर को बून्दी नगर परिषद क्षेत्र में ग्राम नानकपुरिया, बालापुरा, दौलाडा, कुवांरती, रामगंज बालाजी के लिए कुवांरती मण्डी में, नगर पालिका केशवरायपाटन में वार्ड संख्या 1 से 25 के लिए नगरपालिका कार्यालय में, नगर पालिका कापरेन में वार्ड संख्या 1 से 25 के लिए नगरपालिका परिसर में सेवा शिविर लगाए जाएंगे। इसके अलावा 17 अक्टूबर को लाखेरी नगर पालिका क्षेत्र में वार्ड संख्या 1 से 35 के लिए सभा भवन नगर पालिका में, हिण्डोली नगर पालिका में 17 अक्टूबर को वार्ड संख्या 1 से 20 के लिए नगरपालिका कार्यालय हिण्डोली में, नगर पालिका देई में 17 अक्टूबर को वार्ड संख्या 1 से 20 के लिए नगरपालिका कार्यालय देई में फोलोअप कैंप भी लगाए जाएंगे।

सेवा पखवाड़ा 2025- शुक्रवार को विभिन्न स्थानों पर ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में होंगे शिविर आयोजित

अजमेर (रॉयल पत्रिका)। सेवा पखवाड़ा 2025 के अन्तर्गत जिले के ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्रों में शुक्रवार 17 अक्टूबर को विभिन्न स्थानों पर शिविर आयोजित किए जाएंगे। जिला कलक्टर लोक बन्धु ने बताया कि शुक्रवार को अजमेर की गोडियावास एवं गगवाना, पुष्कर की नांद एवं तिलोरा, रूपनगढ़ की पनेर एवं रूपनगढ़, सरवाड़ की सातोलाव एवं गोपालपुरा तथा पीसांगन की रामपुराडाबला एवं बुधवाडा ग्राम पंचायत में ग्रामीण सेवा शिविर 2025 होंगे। उन्होंने बताया कि इसी प्रकार शुक्रवार को अजमेर में वार्ड संख्या 51 से 80 के लिए फॉलोअप कैंप नगर निगम कार्यालय पुराना भवन में, केकडी में वार्ड संख्या

एक से 40 फॉलोअप शिविर के लिए नगरपालिका रंगमंच में, किशनगढ़ के वार्ड संख्या 59 के लिए नगर परिषद मुख्य कार्यालय में, नसीराबाद के वार्ड राजस्व ग्राम बुबानिया के लिए बुबानिया स्कूल के अंदर में, पीसांगन के वार्ड संख्या एक से 25 के लिए कार्यालय परिसर नगरपालिका में, पुष्कर के वार्ड संख्या 20, 21, 23, 24, 25 के लिए नगर परिषद कार्यालय में, सावर के वार्ड संख्या एक से 17 फॉलोअप कैम्प के लिए नगर पालिका कार्यालय में तथा टांटोटी के वार्ड संख्या 9 से 11 के लिए फॉलोअप कैंप नगर पालिका कार्यालय में शहर चलो अभियान 2025 के शिविर लगाए जाएंगे।

दुल्हनिया ढूंढ रहे संजय मिश्रा!

● अपकमिंग फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का पोस्टर जारी

एक यूजर ने लिखा, करवाचौथ का उपवास भी रखोगे, ये नहीं लिखा है।

संजय मिश्रा सन ऑफ सरदार 2, भक्षक, पोस्टमैन, हीर एक्सप्रेस, संत तुकाराम, और 5 सितंबर में देखे गए। अब एक्टर दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी लेकर आ रहे हैं। फिल्म की कहानी एक ऐसे बेटे की है, जो अपने पिता की शादी कराना चाहता है। दरअसल संजय जिस लड़की से शादी करना चाहते हैं, उनके घरवालों की डिमांड है कि भरा-पूरा परिवार होना चाहिए, खासकर घर में पहले से महिला मौजूद होनी चाहिए। ऐसे में एक्टर अपने ऑनस्क्रीन पिता की दूसरी शादी करवाने के लिए पूरा जोर लगा देते हैं। बता दें कि संजय मिश्रा सोशल मीडिया पर सक्रिय रहते हैं और अपने फैंस के साथ पुरानी फोटोज को शेयर करते रहते हैं। शूटिंग के सेट से भी एक्टर फोटोज शेयर करते हैं। हाल ही में उन्होंने घासीराम कोतवाल नाटक को लेकर भी वीडियो शेयर की थी और अपने किरदार के बारे में बात की थी।

बॉलीवुड के दिग्गज एक्टर संजय मिश्रा को सिर्फ संजीदा किरदारों के लिए ही नहीं बल्कि अपने कॉमेडी से भरे रोल्स से भी जाना जाता है। संजय मिश्रा ने कई ऐसी फिल्में की हैं, जिन्होंने फैंस को हंसाया और रुलाया दोनों हैं, लेकिन अब एक बार फिर अपने मस्तमौला अंदाज से वो फैंस को हंसाने के लिए आ रहे हैं, क्योंकि उनकी नई फिल्म का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। संजय मिश्रा की नई फिल्म दुर्लभ प्रसाद की दूसरी शादी का नया पोस्टर रिलीज हो चुका है। पोस्टर शादी के लिए दूल्हे के इश्तिहार जैसा है, जिसमें दुर्लभ प्रसाद का बायोडेटा छपा है। दुर्लभ प्रसाद की लंबाई 5 फुट 8 इंच है, वो भी बिना जूतों के, रंग गेरुआ है, और वो खुद सामने से लड़की वालों को दहेज देंगे। दुर्लभ प्रसाद ने दुल्हन के लिए कुछ खूबियां लिखी हैं, जिसमें विधवा, तलाकशुदा, देसी और विदेशी हर तरह की महिला चलेगी, बस महिला होनी चाहिए। इस पोस्टर को शेयर कर संजय मिश्रा ने लिखा, टैग करें, शेयर करें और जीवनसंगिनी ढूंढने में दुर्लभ प्रसाद का साथ दें। दुल्हन खोज अभियान से जुड़िए, कौन जाने आपका एक शेयर किसी की ज़िंदगी में प्यार भर दे। फैंस भी पोस्टर के कायल हो गए हैं और अपनी हंसी नहीं रोक पा रहे हैं।

अभिनेत्रियाँ मेघा रे, गौरी शेलगांवकर और अनंदिता साहू ने साझा की

अपनी खास दिवाली यादें

जैसे-जैसे रोशनी का त्यौहार पास आता है, वातावरण में दीयों की चमक, मिठाइयों की खुशबू और पुरानी यादों की मिठास घुलने लगती है। इस दिवाली, सन नियो की तीन लोकप्रिय अभिनेत्रियाँ दिव्य प्रेम– प्यार और रहस्य की कहानी की मेघा रे, प्रथाओं की ओढ़े चुनरी– बींदणी की गौरी शेलगांवकर और सत्या साची की आनंदिता साहू ने अपने बचपन की दिवाली की यादों और इस साल के उत्सव की तैयारियों को साझा किया। दिव्य प्रेम– प्यार और रहस्य की कहानी में दिव्या का किरदार निभा रहीं मेघा रे बताती हैं, नवरात्रि के बाद ही एक अलग-सी खुशी महसूस होती है, क्योंकि दिवाली के आने की बेसब्री बढ़ जाती है। जब मिठाइयों, फूलों और दीयों की खुशबू हवा में फैलती है, तो लगता है मानो पूरा वातावरण जादुई हो गया हो। मेरे लिए दिवाली परिवार के साथ बिताने का खास समय होता है, जब घर की सफाई, सजावट, दीए प्रज्वलित करना, यह सब हम साथ मिलकर करते हैं। मुझे पटाखे फोड़ना ज्यादा पसंद नहीं है, क्योंकि मेरे घर में पालतू जानवर हैं और मैं जानती हूँ कि तेज़ आवाज़ से जानवरों और पक्षियों को कितनी परेशानी होती है। इस साल मैं दिवाली अपने परिवार के साथ-साथ दिव्य प्रेम के सेट पर अपनी नई फैमिली के साथ भी मनाऊँगी। प्रथाओं की ओढ़े चुनरी– बींदणी में घेवर का किरदार निभा रहीं गौरी शेलगांवकर कहती हैं, दिवाली हमेशा से मेरा सबसे पसंदीदा त्यौहार रहा है। बचपन से ही जैसे ही त्यौहार का समय आता था, मैं बहुत उत्साहित हो जाती थी। माँ तरह-तरह के पकवान बनाती थीं, जैसे कि लड्डू, चिवड़ा, चकली और बहुत कुछ। मुझे और मेरे भाई को चकली सबसे ज्यादा पसंद थी और हम उसे खाकर इतनी जल्दी खत्म कर देते थे कि माँ को फिर से बनानी पड़ती थी। मुझे घर के बाहर बड़ी-बड़ी रंग-बिरंगी रंगोली बनाना भी बहुत अच्छा लगता था। इस साल मैंने प्रथाओं की ओढ़े चुनरी– बींदणी की शूटिंग से कुछ दिन की छुट्टी ली है, ताकि घर जाकर परिवार के साथ दिवाली मना सकूँ। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूँ कि मैं घर का खाना परिवार के साथ खाऊँ और इस त्यौहार को खूब एंजॉय करूँ।

सत्या साची में सत्या की भूमिका निभा रहीं आनंदिता साहू साझा करती हैं, कुछ यादें कभी फीकी नहीं पड़तीं और ओडिशा में बिताई मेरी बचपन की दिवाली उन्हीं में से एक है। मुझे याद है, कार्तिक पूर्णिमा के दिन हम सब महानदी के किनारे दीए जलाते थे, पूरा शहर दीयों से जगमगा उठता था और छेना पोड़ा और मंगल मिठाइयों की खुशबू इसे और खूबसूरत बना देती थी।

संगीत के 30 वर्षों का जश्नः

अनुष्का शंकर ने की भारत टूर की घोषणा

11 बार ग्रैमी के लिए नामांकित सितार वादक अनुष्का शंकर अपने लाइव प्रदर्शन के 30 साल पूरे होने पर एक विशेष भारत दौरे की घोषणा कर रही हैं। इसके बाद यह यात्रा बेंगलुरु (31 जनवरी), मुंबई (1 फरवरी), पुणे (6 फरवरी), दिल्ली (7 फरवरी) और कोलकाता (8 फरवरी) में जारी रहेगी। भारत में हर परफॉर्मेंस मेरे लिए बेहद व्यक्तिगत होता है, लेकिन यह दौरा एक बेहद खास समय पर हो रहा है। इस टूर के साथ हम मिलकर मेरे मंच पर संगीत साझा करने के 30 सालों का जश्न मनाएंगे - तीन दशक की वृद्धि, जोखिम और नवाचार। इस विशेष टूर के साथ अनुष्का न केवल अपने तीन दशक के संगीत सफर को सेलिब्रेट कर रही हैं, बल्कि अपनी Chapters त्रयी को भी पूर्ण रूप से प्रस्तुत कर रही हैं - एक ऐसी संगीत यात्रा जिसकी शुरुआत भारत से हुई थी और जो पिछले दो वर्षों में चार महाद्वीपों में व्यापक रूप से सराही गई। वह आगे कहती हैं– यह यात्रा वास्तव में तीन साल पहले गोवा में नए साल के दिन की डायरी से शुरू हुई थी, जब मैंने इस त्रयी का एक खाका तैयार किया था। मैंने एक नए बैंड के साथ प्रयोगात्मक परफॉर्मेंस किए और उसके साथ ही इन Chapters को लिखा और रिलीज किया। हर शो और हर महाद्वीप के साथ संगीत को विकसित होने दिया।

प्रेग्नेंसी के दौरान की थी दे दे प्यार दे 2 की शूटिंग: इशिता दत्ता

बॉलीवुड एक्ट्रेस इशिता दत्ता बहुत जल्द फिल्म दे दे प्यार दे 2 में काम करती दिखाई देंगी। उन्होंने बताया कि जब वह गर्भवती थीं तभी उन्होंने इस फिल्म की शूटिंग शुरू की थी। यह उनके लिए एक चुनौतीपूर्ण दौर था, लेकिन उन्होंने इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इशिता ने यह भी बताया कि शूटिंग के समय उन्होंने अपनी प्रेग्नेंसी की न्यूज को सीक्रेट रखा ताकि काम पर असर न पड़े। दो बच्चों, बेटे वायु और बेटी वेदा की मां बनने के बाद यह उनकी पहली फिल्म है जो रिलीज होने जा रही है। इशिता ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल के स्टोरीज सेक्शन में 'दे दे प्यार दे 2' के पोस्टर के बगल में अपनी एक तस्वीर साझा की। इसमें अभिनेत्री ने बताया कि इतने लंबे समय के बाद पर्दे पर वापसी करना एक नई शुरुआत जैसा लग रहा है। उन्होंने पोस्ट में लिखा, इस फिल्म के लिए बेहद उत्साहित हूं... दोनों बच्चों के बाद मेरी पहली फिल्म। इसकी शूटिंग के दौरान मैं गर्भवती थी। 4 साल बाद वापसी करना बहुत अजीब लग रहा है, मानो एक नई शुरुआत हो... आप सभी का आशीर्वाद चाहिए... क्या मैं कह सकती हूं कि मैं पोज देना भूल गई हूं, एक नई शुरुआत के लिए उत्साहित हूं। हाल ही में फिल्म दे दे प्यार दे 2 का ट्रेलर रिलीज हुआ था। इसमें आयशा नाम की लड़की की स्टोरी है जो एक ऐसे शख्स से प्यार करती है जो उम्र में उनसे काफी बड़ा है। इसमें अजय देवगन और रकुल प्रीत सिंह लीड रोल में दिखाई देंगे। फिल्म में आर. माधवन रकुल प्रीत सिंह के पिता के रोल में दिखाई देंगे। पहले तो वह इस रिश्ते से खुश रहते हैं, लेकिन बाद में धीरे-धीरे उनका असली रूप सामने आता है। इसका ट्रेलर लोगों को काफी पसंद आ रहा है। लोग कमेंट बॉक्स में कहते दिखे कि यह पहले पार्ट से बेहतर फिल्म होगी। अंशुल शर्मा ने इस फिल्म को डायरेक्ट किया है। फिल्म की कहानी तरुण जैन ने लव रंजन के साथ मिलकर लिखी है। भूषण कुमार, कृष्ण कुमार, लव रंजन, और अंकुर गर्ग इसके निर्माता हैं। दे दे प्यार दे 2 14 नवंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

द ताज स्टोरी धर्म की नहीं, भारत के इतिहास की बात है

स्वर्णिम ग्लोबल सर्विसेज प्रा. लि. और सीए सुरेश झा द्वारा प्रस्तुत, तुषार अमरीश गोयल द्वारा लिखित और निर्देशित तथा परेश रावल अभिनीत, द ताज स्टोरी का हाल ही में एक और प्रभावशाली डायलॉग प्रोमो रिलीज़ हुआ है, जिसने दुनिया के सात अजूबों में शामिल ताजमहल को देशभर में राष्ट्रीय बहस का मुद्दा बना दिया है। इस नए जारी किए गए डायलॉग प्रोमो में परेश रावल अपनी गूंजती आवाज़ में गहराई से अपनी बात रखते हुए कहते हैं, यह मुद्दा हिंदू या मुसलमान का नहीं, बल्कि भारतीय इतिहास का है। उनके ये शब्द एक सशक्त संदेश देते हैं कि भारत का अतीत किसी एक धर्म का नहीं, बल्कि साझा विरासत का प्रतीक है, जहाँ हिंदू और मुसलमान दोनों की योगदान की कहानी एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। साथ ही फिल्म इस विचार को भी सामने रखती है कि इतिहास को चुनिंदा नजरिए से देखने के बजाय, सच्चाई को ईमानदारी से स्वीकारना ही असली सम्मान है। आस्था और राजनीति से ऊपर उठकर यह संवाद इस बात पर जोर देता है कि हमारा अतीत केवल तथ्यों के आधार पर समझा जाए, तभी उसका वास्तविक आदर हो सकता है। सच पूछिए तो यह संवाद फिल्म को सिर्फ एक मनोरंजकता के साथ नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय आत्ममंथन के रूप में स्थापित करता है, जो दर्शकों को सोचने पर मजबूर करता है कि इतिहास को अब तक कैसे बताया, लिखा और याद किया जाता रहा है। गौरतलब है कि परेश रावल, जाकिर हुसैन, अमृता खानविलकर, स्नेहा वाघ, और नमित दास जैसे सशक्त कलाकारों से सजी यह फिल्म एक तीखा सामाजिक ड्रामा है, जो आज के समय का सबसे चुनौतीपूर्ण सवाल उठाती है और वह सवाल है आज़ादी के 79 साल बाद भी, क्या हम अब भी बौद्धिक आतंकवाद के गुलाम हैं?

कंगना ने शाहरुख से की अपनी तुलना

कंगना रनौत अकसर ही शाहरुख खान और बॉलीवुड के बाकी खान के साथ अपनी तुलना करती आई हैं। वह खुद को लेडी खान मानती हैं और तीनों खान के साथ काम भी नहीं करना चाहतीं। और अब कंगना ने एक बार फिर शाहरुख से अपनी तुलना की है, और कुछ ऐसा कह दिया है जो फैंस को भी हैरान कर रहा है। कंगना का कहना है कि उन्होंने शाहरुख से ज्यादा मेहनत की है, और अपने दम पर मुकाम बनाया। कंगना ने यह भी कहा कि उन्होंने गांव से मुंबई आकर मुकाम पाया, जबकि शाहरुख को दिल्ली के रहने वाले हैं और कॉन्वेंट स्कूल में पढ़े हैं। कंगना ने कहा, मुझे इतनी सफलता क्यों मिली? शायद ही कोई और होगा जो गांव से आकर मेनस्ट्रीम में इतनी सफलता हासिल कर पाया हो। आप शाहरुख खान की बात करें। वो दिल्ली से हैं, कॉन्वेंट में पढ़े हैं। मैं एक ऐसे गाँव से हूं, जिसके बारे में किसी ने सुना भी नहीं होगा- भांबला। मालूम हो कि कंगना यंग एज में ही घर से भागकर मुंबई आ गई थीं। उन्होंने 19 साल की उम्र में फिल्म गैंगस्टर से अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। इसके बाद राज 2 तनु वेड्स मनु, तनु वेड्स मनु 2 और फैशन जैसी फिल्मों से पॉपुलैरिटी बटोरी। कंगना अपने करियर में चार नेशनल अवॉर्ड्स जीते।

अभिनेत्री पारुल गुलाटी इस बार दीपावली का त्योहार अपने परिवार और करीबी दोस्तों के साथ मनाएंगी। उनके लिए दीपावली सिर्फ एक दिन का त्योहार नहीं, बल्कि एक लंबे जश्न की शुरुआत है जो नए साल तक चलता है। आईएएनएस से बात करते हुए पारुल ने कहा, दीपावली के दिन मेरी योजना अपने परिवार के साथ घर पर रहने की है। लेकिन उससे पहले, हां, मैं कुछ दोस्तों की दीपावली पार्टियों में जा रही हूं। इन पार्टियों में ढेर सारी मिठाइयां खाने का इंतजार कर रही हूं।

दीपावली पर मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह

डूबना चाहती हूं: पारुल गुलाटी

पारुल का मानना है कि दीपावली से लेकर नए साल तक का समय खुशियों और स्वादों से भरा होता है, जिसमें खुद को रोकना मुश्किल हो जाता है। उन्होंने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे लगता है कि जब मुंह में मिठाई चली जाती है, तो एक ही काफी नहीं होती। इसके बाद आपको खाते ही रहना पड़ता है। इस पूरे फेस्टिव सीजन में मेरा कोई फिटनेस प्लान नहीं है। इस समय मैं खुद को मिठाइयों और पकवानों में पूरी तरह डुबो देना चाहती हूं और यही मेरा प्लान है। पारुल ने आईएएनएस से साझा किया कि हर साल दीपावली के बाद वह अपनी नानी के घर जाती हैं और वहां एक हफ्ते तक परिवार के साथ समय बिताती हैं। यह उनके लिए एक खास परंपरा की तरह है, जिससे वह हर साल जुड़ी रहती हैं। उन्होंने मुस्कुराते हुए कहा कि जब तक ये त्योहार खत्म नहीं हो जाते, तब तक फिटनेस के बारे में सोचने का सवाल ही नहीं उठता। फिल्मी करियर की बात करें तो पारुल गुलाटी ने पी.ओ.डब्ल्यू.- बंदी युद्ध के, सेलेक्शन डे, और गर्ल्स हॉस्टल जैसे चर्चित शोज में काम किया है। अब वह जल्द ही एक नई वेब सीरीज दोनाली में नजर आएंगी, जिसमें उनके साथ दिव्येंदु और बरुन सोबती जैसे लोकप्रिय अभिनेता भी हैं। यह सीरीज 1960 के दशक के चंबल की पृष्ठभूमि पर आधारित है और इसे मध्य प्रदेश की अलग-अलग जगहों पर शूट किया गया है। शो का निर्देशन ई निवास ने किया है। इसमें चंकी पांडे और यशपाल शर्मा जैसे अनुभवी कलाकार भी शामिल हैं।

- साभार

नेपाल और ओमान ने टी20 विश्व कप 2026 में जगह बनाई

मस्कट, एजेंसी। नेपाल और ओमान ने एशिया/पूर्वी एशिया-प्रशांत क्वालीफायर से आईसीसी पुरुष टी20 विश्व कप 2026 में अपनी जगह बना ली है। यूएई की समोआ पर जीत के साथ ही नेपाल और ओमान की विश्व कप में जगह सुनिश्चित हो गई। ग्रुप चरण में अपराजित नेपाल ने सुपर सिक्स में दो अंक हासिल किए और यूएई और कतर के खिलाफ दो अंतिम गेंद वाले रोमांचक मुकाबले जीते। एक दिन बाद, रोहित पौडेल की टीम ने एक और शानदार प्रदर्शन किया।

148 रनों का बचाव करते हुए, नेपाल मुकाबले से बाहर लग रहा था क्योंकि कतर 12 ओवर में 97/1 पर पहुँच गया था, लेकिन संदीप लामिछाने के 5-18 के शानदार स्पेल ने कहानी पलट दी। लेग स्पिनर की धारदार गेंदबाजी ने कतर को 10 रनों से हरा दिया, जिससे नेपाल को एक यादगार जीत मिली और 2026 टी20 विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया। ओमान ने नेपाल की निरंतरता को दोहराया, सुपर सिक्स चरण में भी दो अंक हासिल किए। उन्होंने कतर के खिलाफ 172 रनों का आराम से बचाव किया और फिर यूएई के खिलाफ एक कड़ा मुकाबला जीता। इस बीच, समोआ पर शानदार जीत के बाद यूएई अंतिम क्वालीफिकेशन स्थान के लिए दावेदारी में बना हुआ है, जिससे उसे 16 अक्टूबर को जापान के खिलाफ एक अहम मुकाबले में जगह बनाने में मदद मिलेगी। अमीराती टीम फिलहाल तीसरे स्थान पर है, जबकि कतर के पास अभी भी एक मौका है। उसे समोआ को हराना होगा, अन्य परिणामों की उम्मीद करनी होगी, और नेट रन रेट के आधार पर प्रतियोगिता में आगे निकलना होगा। ग्रुप चरण में पापुआ न्यू गिनी को हराने के बावजूद, समोआ लगातार हार के बाद बाहर हो गया है।

वेक्टर एक्स बना आईएसबीए वीमेंस ब्लाइंड फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 का एथलीट किट पार्टनर

नई दिल्ली, एजेंसी। भारत के अग्रणी स्पोर्ट्स ब्रांड, वेक्टर एक्स ने समावेशी खेलों को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को जारी रखते हुए, इंडियन ब्लाइंड फुटबॉल फेडरेशन (आईबीएफएफ) के साथ साझेदारी की है। कंपनी आईएसबीए वीमेंस ब्लाइंड फुटबॉल वर्ल्ड चैंपियनशिप 2025 के लिए अब आधिकारिक एथलीट किट पार्टनर है।

इस साझेदारी को खास बनाता है वेक्टर एक्स का आईबीएफएफ के साथ चल रहा सहयोग, जिसके तहत कंपनी ने साउंड बॉल तैयार की है। यह एक ऐसी अनोखी फुटबॉल है, जो विशेष रूप से दृष्टिबाधित खिलाड़ियों के लिए बनाई गई है। इस बॉल में आवाज़ वाले उपकरण और लो-बाउंस ब्लैडर लगाए गए हैं, जिससे खिलाड़ी गेंद की आवाज़ के जरिए खेल को समझ और नियंत्रित कर सकते हैं। इस नवाचार ने देशभर के दृष्टिबाधित फुटबॉल खिलाड़ियों के लिए खेल को अधिक सुलभ और रोमांचक बना दिया है।

वर्ष 2016 में स्थापित आईबीएफएफ भारत में ब्लाइंड फुटबॉल की राष्ट्रीय शासी संस्था है और पैरालंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के अंतर्गत काम करती है। इस संस्था ने देश के 24 राज्यों में खिलाड़ियों की प्रतिभा को निखारने में अहम् भूमिका निभाई है और अंतर्राष्ट्रीय टूर्नामेंट्स में भारत की मौजूदगी को मजबूत बनाया है। आईबीएफएफ के डायरेक्टर सुनील मैथ्यू ने कहा, ब्लाइंड फुटबॉल सिर्फ एक खेल नहीं, बल्कि एक आंदोलन है। वेक्टर एक्स हमारे लिए सिर्फ एक सहयोगी नहीं, बल्कि ऐसा साथी है, जो हमारे खिलाड़ियों का साथ देता है और उनके लिए लगातार नवाचार करता है।

वेक्टर एक्स के मार्केटिंग हेड, बलजिंदर पाल सिंह ने कहा, हर खिलाड़ी उस उपकरण का हकदार है, जो उसे ताकत दे, प्रेरित करे और उसके प्रदर्शन को बेहतर बनाए। वेक्टर एक्स साउंड बॉल खिलाड़ियों को आवाज़ के सहारे खेलने की सुविधा देता है, जिससे मैदान एक ऐसी सिम्फनी बन जाता है जिसमें हुनर, हिम्मत और सटीकता की झंकार होती है। वेक्टर एक्स और आईबीएफएफ मिलकर यह साबित कर रहे हैं कि समावेशिता कोई विकल्प नहीं, बल्कि भविष्य है। यह साझेदारी ब्रांड्स, फेडरेशंस और प्रशंसकों के लिए एक संदेश है कि यह खूबसूरत खेल सबका है।

रंजी ट्रॉफीः

वैभव सूर्यवंशी बुरी तरह फ्लॉप

• ईशान किशन ने ठोकी सेंचुरी, पहले दिन मोहम्मद शमी भी चमके

नई दिल्ली, एजेंसी। रणजी ट्रॉफी 2025-26 सीजन के मुकाबले शुरू हो गए हैं. पहला दिन अधिकांश टीमों के बल्लेबाजों के लिए कठिन रहा, लेकिन ईशान किशन ने शतक लगाया, देवदत्त पडिक्कल सिर्फ 4 रन से शतक से चूक गए. वहीं इंग्लैंड टूर पर फेल रहे करुण नायर ने 73 रनों की पारी खेली. इसी बीच सबकी नजरें 14 वर्षीय वैभव सूर्यवंशी पर भी थीं, जिन्हें सीजन शुरू होने से पूर्व बिहार टीम का उपकप्तान बनाया गया था. वो सीजन के पहले मैच में सिर्फ 14 रन बनाकर आउट हो गए.

वैभव सूर्यवंशी हुए फ्लॉप

बिहार के गेंदबाजों ने अरुणाचल प्रदेश की पहली पारी सिर्फ 105 रन के स्कोर पर समेट दी थी. बिहार के लिए शाकिब हुसैन ने 6 विकेट झटके. बिहार के लिए वैभव सूर्यवंशी और अर्णव किशोर ओपनिंग करने आए. वैभव ने शुरुआत में ही ऐसे बल्ला घुमाया, जैसे वो कोई टी20 मैच खेल रहे हों. वो सिर्फ 4 गेंदों में 14 रन बना चुके थे, लेकिन यब निया की गेंद पर क्लीन बोल्ड हो गए.

सूर्यवंशी चाहे जल्दी आउट हो गए हों, लेकिन बिहार मजबूत स्थिति में पहुंच गई है. अर्णव किशोर ने 52 रन बनाए, जबकि आयुष लोहारुका 155 रन बनाकर खेल रहे हैं, दूसरी ओर कप्तान साकिबुल गनी 56 रन बनाकर नाबाद लौटे. पहले दिन स्टंप्स तक बिहार 2 विकेट के नुकसान पर 283 रन बना चुकी है और उसकी कुल बढ़त 178 रनों की हो गई है.

ईशान किशन का शतक

तमिलनाडु के खिलाफ मैच में झारखंड ने बल्लेबाजी में दम दिखाया. झारखंड की टीम पहले दिन 6 विकेट खो कर 307 रन बना चुकी है. उनकी टीम 157 रन पर 6 विकेट गंवा चुकी थी, लेकिन किशन ने कप्तानी पारी खेलते हुए

125 रन बनाए और वो अब भी क्रीज पर डटे हुए हैं. मोहम्मद शमी भी बंगाल के लिए खेल रहे हैं, जिन्होंने उत्तराखंड के खिलाफ मैच में 14.5 ओवरों में 37 रन देकर 3 विकेट चटकाए. बताते चलें कि शमी चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के बाद से ही टीम इंडिया से बाहर चल रहे हैं.

पाकिस्तानी टीम के ड्रेसिंग रूम में पहुंच गया फैन, बाबर आजम से मिलने के लिए तोड़ी सिक्योरिटी

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान और साउथ अफ्रीका के बीच दो मैचों की टेस्ट सीरीज का पहला मुकाबला लाहौर के गद्दाफी स्टेडियम में खेला गया. इस मुकाबले में पाकिस्तानी टीम ने 93 रनों से जीत हासिल की.

पाकिस्तान ने साउथ अफ्रीका को जीत के लिए 277 रनों का टारगेट दिया, लेकिन उसकी पूरी टीम दूसरी इनिंग्स में 183 रनों पर सिमट गई. पाकिस्तानी टीम के पूर्व कप्तान बाबर आजम का 15 अक्टूबर (बुधवार) को 31वां जन्मदिन भी था, ऐसे में ये जीत उनके लिए किसी तोहफे से कम नहीं रही. पाकिस्तानी टीम की जीत के जश्न के बीच गद्दाफी स्टेडियम में हुई अप्रत्याशित घटना ने सबको चौंका दिया. एक युवा फैन सुरक्षा घेरा तोड़कर बाबर से मिलने ड्रेसिंग रूम तक पहुँच गया. स्टेडियम के वीडियो फुटेज में दिखा कि माजिद खान (फैन का नाम) एनक्लोज से चढ़कर खिलाड़ियों की ओर बढ़ा. कोचिंग स्टाफ ने तुरंत इस चीज को नोटिस किया और सिक्योरिटी टीम को अलर्ट किया. सुरक्षाकर्मियों ने फौरन मौके पर पहुंचकर उस फैन को रोक लिया.

हालांकि वो फैन बार-बार बाबर आजम से मिलने की गुहार लगाता रहा, लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने उसे स्टेडियम से बाहर ले जाकर छोड़ दिया. मैदान पर मौजूद चश्मदीदों ने बताया कि माजिद खान बहुत भावुक और उत्साहित थाय उसका इरादा सिर्फ अपने पसंदीदा खिलाड़ी बाबर आजम को जन्मदिन की शुभकामनाएं देना था. इस घटना ने गद्दाफी स्टेडियम की सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े कर दिए हैं, क्योंकि इतनी आसानी से किसी फैन का खिलाड़ियों के एरिया में पहुंच जाना बड़ी चूक थी.

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित रच सकते हैं इतिहास

नई दिल्ली, एजेंसी। पाकिस्तान के पूर्व कप्तान और अपने जमाने के विस्फोटक बल्लेबाज शाहिद अफरीदी, जो दुनिया भर में अपनी आक्रामक बल्लेबाजी के लिए मशहूर रहे, अब भारतीय टीम के पूर्व कप्तान रोहित शर्मा के निशाने पर हैं। आगामी ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित के पास इतिहास रचने का सुनहरा मौका है।

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच 19 से 25 अक्टूबर तक होने वाली तीन वनडे मैचों की सीरीज में रोहित सलामी बल्लेबाज के रूप में मैदान पर उतरेंगे। यदि वे इस सीरीज में 8 छक्के लगा देते हैं, तो वे शाहिद अफरीदी के लंबे समय से कायम रिकॉर्ड को तोड़कर वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन जाएंगे। रोहित शर्मा ने अपने वनडे करियर में 273 मैचों की 265 पारियों में 11,168 रन बनाए हैं, जिसमें 264 रनों की शानदार पारी भी शामिल है। उनके नाम 32 शतक और 58 अर्धशतक हैं। रोहित ने 1,045 चौके और 344 छक्के जड़े हैं, जिसके साथ वे वर्तमान में वनडे क्रिकेट में सबसे ज्यादा छक्के लगाने के मामले में शाहिद अफरीदी के बाद दूसरे स्थान पर हैं। रोहित ने अपने करियर में तीन दोहरे शतक भी बनाए हैं, जो अपने आप में एक विश्व रिकॉर्ड है। वहीं, पाकिस्तान के पूर्व क्रिकेटर शाहिद अफरीदी ने 398 वनडे मैचों की 369 पारियों में 8,064 रन बनाए। उनके खाते में 6 शतक, 39 अर्धशतक, 730 चौके और 351 छक्के दर्ज हैं।

ऑस्ट्रेलिया दौरे पर रोहित का बल्ला चला तो पूर्व पाकिस्तानी क्रिकेटर का यह रिकॉर्ड ध्वस्त हो सकता है। भारतीय फैंस भी चाहेंगे कि रोहित इस दौरे पर पाकिस्तानी क्रिकेटर का रिकॉर्ड ध्वस्त कर शीर्ष पर पहुंचे। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच यह वनडे सीरीज 19 अक्टूबर को पर्थ स्टेडियम में पहले मैच के साथ शुरू होगी। इसके बाद 23 अक्टूबर को एडिलेड ओवल में दूसरा और 25 अक्टूबर को सिडनी क्रिकेट ग्राउंड में तीसरा और अंतिम वनडे खेला जाएगा। इस बार भारतीय टीम नए वनडे कप्तान शुभमन गिल के युवा नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया दौरे पर उतरेगी।

गिल, जो अब तक टेस्ट टीम की कप्तानी संभाल रहे थे, अब वनडे टीम की कमान भी संभालेंगे। रोहित शर्मा और विराट कोहली की करीब छह महीने बाद वनडे टीम में वापसी से भारतीय टीम को मजबूती मिली है। इन दोनों अनुभवी खिलाड़ियों की मौजूदगी से टीम का संतुलन और आत्मविश्वास बढ़ा है। बता दें कि आगामी सीरीज रोहित शर्मा के लिए न केवल एक रिकॉर्ड तोड़ने का मौका है, बल्कि भारतीय टीम के लिए ऑस्ट्रेलिया की सरजमीं पर अपनी बादशाहत साबित करने का भी अवसर है।

टेबल टेनिसः

एशियाई टेबल टेनिस चैंपियनशिप में चीन का दबदबा, पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीते

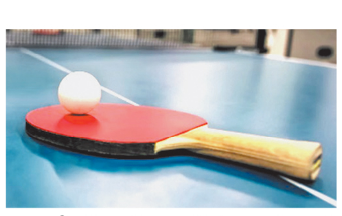

नई दिल्ली, एजेंसी। चीन ने एशियाई टेबल टेनिस में अपना दबदबा फिर साबित करते हुए पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीत लिए। पुरुष टीम ने हांगकांग को 3-0 से हराया जबकि महिला टीम ने जापान को 3-0 से मात दी। चीन ने एशियाई टेबल टेनिस में अपना दबदबा फिर साबित करते हुए पुरुष और महिला वर्ग के खिताब जीत लिए। पुरुष टीम ने हांगकांग को 3-0 से हराया जबकि महिला टीम ने जापान को 3-0 से मात दी।

महिला वर्ग में पहले मुकाबले में दुनिया की दूसरे नंबर की खिलाड़ी वांग मानयु ने 11वीं रैंकिंग वाली होनोका हाशिमोतो को 12-10, 11-3, 11-6, 11-3 से हराया। अगले मैच में सुन यिंगशा ने मीवा हारिमोतो को 11-9, 11-5, 11-7 से मात दी। आखिरी मैच में कुआइ मान ने जापान की हिना हयाता को 8-11, 12-10, 11-6, 11-9 से शिकस्त दी।

पुरुष फाइनल में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी लिन शिडोंग ने वोंग चुन तिंग को 11-8, 11-4, 11-4 से हराकर चीन को शानदार शुरूआत दी। इसके बाद दूसरे नंबर के खिलाड़ी वांग चुकिन ने चान बाल्डविन को 12-10, 11-9, 5-11, 14-12 से हराया। आखिरी मुकाबले में लियांग जिंगकुन ने यिउ कवान गो को 13-11, 11-6, 12-10 से मात दी।

कॉमनवेल्थ गेम्स 2030 की मेजबानी के लिए अहमदाबाद का नाम प्रस्तावित

26 नवंबर को होगा फैसला

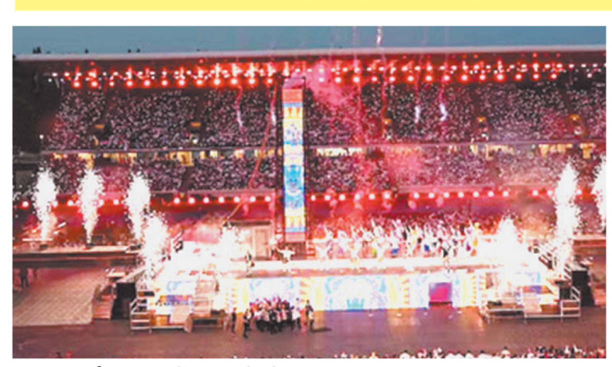

नई दिल्ली, एजेंसी। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसा करेगा। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स के कार्यकारी बोर्ड ने बुधवार को अहमदाबाद को 2030 कॉमनवेल्थ गेम्स की मेजबानी के लिए प्रस्तावित शहर के रूप में सिफारिश की है। अब इस पर अंतिम फैसला 26 नवंबर को ग्लासगो में होने वाली कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स जनरल असेंबली में लिया जाएगा।

अहमदाबाद को मिला समर्थनः भारत को इस बार मेजबानी के लिए नाइजीरिया से प्रतिस्पर्धा का सामना करना पड़ा था, लेकिन कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स ने नाइजीरिया की भविष्य की मेजबानी की संभावनाओं को बढ़ाने और उन्हें समर्थन देने की रणनीति बनाने का निर्णय लिया है, जिसमें 2034 के खेलों की संभावित मेजबानी भी शामिल है। कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया, कार्यकारी बोर्ड ने आज पुष्टि की है कि वह 2030 शताब्दी कॉमनवेल्थ गेम्स के लिए अहमदाबाद, भारत को प्रस्तावित मेजबान शहर के रूप में अनुशंसा करेगा।

गुजरात का अहमदाबाद अब कॉमनवेल्थ स्पोर्ट्स की पूरी सदस्यता के समक्ष पेश किया जाएगा और अंतिम निर्णय 26 नवंबर को लिया जाएगा। गौरतलब है कि भारत ने इससे पहले 2010 में नई दिल्ली में कॉमनवेल्थ गेम्स का आयोजन हुआ था।

डेनमार्क ओपन 2025:

लक्ष्य सेन और सत्विक-चिराग ने प्री-क्वार्टरफाइनल में बनाई जगह

कोपेनहेगन, एजेंसी। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी लक्ष्य सेन और पुरुषों की डबल्स जोड़ी सत्विकसायराज रंकीरेड्डी-चिराग शेट्टी ने डेनमार्क ओपन 2025 के प्री-क्वार्टरफाइनल में प्रवेश किया। लक्ष्य सेन ने आयरलैंड के नाथ गुयेन को 10-21, 21-8, 21-18 से हराया, जबकि सत्विक-चिराग ने स्कॉटलैंड की जोड़ी क्रिस्टोफर और मैथ्यू ग्रिमली को 17-21, 21-11, 21-17 से मात दी। लक्ष्य सेन, जो पेरिस 2024 के सेमीफाइनलिस्ट हैं, ने पहले गेम में धीमी शुरुआत की और 10-21 से हार गए।

लेकिन दूसरे गेम में उन्होंने शानदार वापसी करते हुए केवल 8 पॉइंट्स गंवाए और मैच को निर्णायक गेम तक पहुंचाया। अंतिम गेम में दोनों खिलाड़ियों ने कड़ी टक्कर दी, लेकिन लक्ष्य सेन ने अपने आत्मविश्वास का परिचय देते हुए मैच अपने नाम किया। यह लक्ष्य सेन की नाथ गुयेन के खिलाफ चौथे मैचों में से तीसरी जीत है। पुरुषों की डबल्स में, छठे सीड सत्विक-चिराग ने पहले गेम में हार के बावजूद दूसरे गेम में वापसी की और निर्णायक गेम में शानदार प्रदर्शन कर प्री-क्वार्टरफाइनल में जगह बनाई।

केन विलियमसन लखनऊ सुपर जायंट्स से जुड़े

आईपीएल 2026 से पहले मिली बड़ी जिम्मेदारी

लखनऊ, एजेंसी। केन विलियमसन इंडियन प्रीमियर लीग में लखनऊ सुपर जायंट्स में रणनीतिक सलाहकार के रूप में शामिल हो गए हैं, टीम के मालिक संजीव गोयनका ने गुरुवार सुबह सोशल मीडिया पर यह जानकारी दी। फ्रैंचाइजी के मालिक गोयनका ने 35 वर्षीय पूर्व न्यूजीलैंड कप्तान के बारे में लिखा, उनका नेतृत्व, रणनीतिक अंतर्दृष्टि, खेल की गहरी समझ और खिलाड़ियों को प्रेरित करने की क्षमता उन्हें टीम के लिए एक अमूल्य योगदान बनाती है।

विलियमसन, जो एसए 20 लीग में डरबन टीम के साथ रहते हुए सुपर जायंट्स फ्रैंचाइजी का हिस्सा रहे हैं, ने आखिरी बार इस साल मार्च में दुबई में भारत के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी के फाइनल में न्यूजीलैंड के लिए खेला था। उन्होंने अभी तक अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास नहीं लिया है, लेकिन न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ एक आकस्मिक अनुबंध होने के कारण, उनके खेलने की संभावना कम ही है।

आईपीएल के अनुभवी खिलाड़ी होने के बावजूद विलियमसन को पिछले दो सीजन में एक खिलाड़ी के रूप में कुछ खास करने को नहीं मिला है। आईपीएल 2023 में गुजरात टाइटन्स के लिए खेलते हुए उन्हें सीजन के पहले मैच में घुटने में चोट लग गई और फिर वे प्रतियोगिता में आगे नहीं खेल पाए। आईपीएल 2024 में गुजरात टाइटन्स के साथ रहते हुए, उन्होंने केवल दो मैच खेले और 27 गेंदों में 27 रन बनाए। आईपीएल 2025 से पहले हुई मेगा नीलामी में उन्हें कोई टीम नहीं मिली। हाल ही में, वह इंग्लैंड में द हंड्रेड में थे। वहां उन्होंने लंदन स्पिरिट के लिए आठ पारियों में 129.93 के स्ट्राइक रेट से 204 रन बनाए। विलियमसन को किसी टीम के सहयोगी स्टाफ का हिस्सा होने का कोई अनुभव नहीं है, लेकिन अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में उनका बहुत सम्मान है। उन्होंने 2019 के एकदिवसीय विश्व कप के फाइनल में न्यूजीलैंड की कप्तानी की और दो साल बाद पहली विश्व टेस्ट चैंपियनशिप जीती।

गुजरात की नई कैबिनेट: रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा होंगी मंत्री

-CM समेत 8 मंत्री पटेल समाज से, 19 नए चेहरे शामिल

गांधीनगर/ गुजरात। गुजरात में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल की सरकार में बड़ा फेरबदल होने जा रहा है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में आज नई मंत्रिपरिषद का विस्तार किया गया है। इस बार कैबिनेट में कुल मंत्रियों की संख्या 16 से बढ़ाकर 26 कर दी गई है। इस फेरबदल के साथ ही राज्य की राजनीति में कई नई बदलाव और संतुलन देखने को मिलेंगे। इस नए मंत्रिमंडल में 19 नए चेहरे शामिल किए गए हैं। इसमें सामाजिक और राजनीतिक संतुलन को ध्यान में रखते हुए अलग-अलग वर्गों और समुदायों का प्रतिनिधित्व बढ़ाया गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल समेत 8 मंत्री पटेल समाज से हैं। इसके अलावा, 8 OBC, 3 SC, 4 ST और 3 महिलाएं इस कैबिनेट का हिस्सा होंगी। सबसे बड़ी चर्चा का विषय क्रिकेटर रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा का मंत्रिमंडल में शामिल होना है। रिवाबा जडेजा का नाम मंत्रिपरिषद में शामिल होने के बाद राज्य में चर्चा का विषय बन गया है। वे इस बार महिला प्रतिनिधित्व के तौर पर कैबिनेट में शामिल की गई हैं। इस कदम को महिलाओं के राजनीतिक प्रतिनिधित्व को बढ़ावा देने के साथ-साथ आगामी विधानसभा चुनाव 2027 की रणनीति से भी जोड़कर देखा जा रहा है। इससे पहले गुरुवार को सभी 16 मंत्रियों ने मुख्यमंत्री को अपना इस्तीफा सौंपा था। यह प्रक्रिया नए मंत्रियों की नियुक्ति और कैबिनेट विस्तार की तैयारी के तहत की गई थी। मंत्रिपरिषद का यह विस्तार आगामी विधानसभा चुनावों की तैयारी के रूप में भी देखा जा रहा है। राजनीतिक विश्लेषक मान रहे हैं कि इस कदम से मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल अपनी सरकार की स्थिरता और प्रभावी नेतृत्व सुनिश्चित करना चाहते हैं। नए मंत्रियों की नियुक्ति में सामाजिक संतुलन को विशेष महत्व दिया गया है। इस मंत्रिमंडल में विभिन्न जातियों और वर्गों का प्रतिनिधित्व इस तरह से किया गया है कि सभी समुदायों को समान अवसर मिले। इस कैबिनेट में कुल 3 महिलाएं हैं, जो राज्य सरकार में महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने का संकेत देती हैं। गुजरात में इस बार जो नए चेहरे मंत्रिपरिषद में शामिल किए गए हैं, उनका राजनीतिक अनुभव और लोकप्रियता आगामी चुनावों में पार्टी की रणनीति को मजबूत बनाने में सहायक होगी। इन नए मंत्रियों की जिम्मेदारियां सरकार के विभिन्न विभागों में विभाजित की जाएंगी, जिससे प्रशासनिक कार्यों में तेजी और पारदर्शिता लाने की कोशिश की जाएगी। राज्य में पटेल समाज का प्रभाव हमेशा से मजबूत रहा है और मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल के नेतृत्व में अब तक कई महत्वपूर्ण फैसले लिए गए हैं। इस कैबिनेट विस्तार में 8 पटेल नेताओं को शामिल कर राजनीतिक संतुलन बनाए रखा गया है। इसके अलावा, OBC, SC और ST वर्ग के नेताओं को भी महत्व दिया गया है, ताकि सभी समुदायों का उचित प्रतिनिधित्व सुनिश्चित हो सके। राजनीतिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि यह कैबिनेट विस्तार 2027 के विधानसभा चुनावों की रणनीति का हिस्सा है। आगामी चुनावों में युवाओं, महिलाओं और विभिन्न समुदायों के वोटों को साधने के लिए यह कदम उठाया गया है। मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल ने मंत्रियों के चयन में क्षेत्रीय और जातिगत संतुलन के साथ-साथ अनुभव और लोकप्रियता को भी ध्यान में रखा है। नए मंत्रिपरिषद में शामिल होने वाले नेताओं को विभिन्न विभागों की जिम्मेदारी दी जाएगी। इससे सरकार के कामकाज में तेजी आने की उम्मीद है। राजनीतिक जानकारों के अनुसार, इस विस्तार के बाद भूपेंद्र पटेल सरकार को राज्य में मजबूत स्थिति मिलने की संभावना है और विपक्ष के लिए चुनौती बढ़ जाएगी। इसके अलावा, रवींद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा के मंत्री बनने को कई लोग महिला नेतृत्व और युवा राजनीतिक प्रतिनिधित्व के सकारात्मक उदाहरण के रूप में देख रहे हैं। यह कदम न केवल महिलाओं को प्रेरित करेगा बल्कि युवाओं के बीच भी राजनीतिक भागीदारी को बढ़ावा देगा। इस कैबिनेट विस्तार के बाद गुजरात में मंत्रियों की कुल संख्या बढ़कर 26 हो गई है। इससे पहले सीएम समेत 17 मंत्री थे, जिनमें 8 कैबिनेट और 8 राज्य मंत्री (MoS) शामिल थे। अब इस संख्या में वृद्धि करके सरकार ने अपने प्रशासनिक और राजनीतिक संतुलन को मजबूत किया है।

बिहार चुनाव 2025: अमित शाह ने नीतीश से की बैठक

-महागठबंधन में सीट शेयरिंग का संकट

नई दिल्ली। बिहार चुनाव के महत्त्वपूर्ण दौर में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार से तीन दिवसीय दौरे की शुरुआत की है। उन्होंने अपने पहले दिन पटना में मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से उनके आवास पर मुलाकात की। दोनों नेताओं के बीच लगभग 15 मिनट तक चुनावी रणनीति और आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर बातचीत हुई। इस मुलाकात से पहले अमित शाह ने एक न्यूज चैनल को इंटरव्यू में स्पष्ट किया कि एनडीए नीतीश कुमार के नेतृत्व में चुनाव लड़ रहा है। उन्होंने कहा कि चुनाव के बाद मुख्यमंत्री कौन होंगे, यह फैसला विधायक दल करेगा। इस बयान से साफ संकेत मिल रहे हैं कि एनडीए में सत्ता पर किसी भी तरह का पूर्वनिर्धारण नहीं है और पार्टी विधायकों के निर्णय को सम्मान देगी। एनडीए के सभी पांच सहयोगी दलों ने बिहार की 243 विधानसभा सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा कर दी है। इसके तहत भाजपा की ओर से लोक गायिका मैथिली ठाकुर अलीनगर सीट से अपना नामांकन करेंगी। वहीं, राघोपुर सीट से भाजपा प्रत्याशी सतीश कुमार यादव तेजस्वी यादव के खिलाफ चुनावी मैदान में उतरेंगे। बिहार में पहले चरण के लिए 121 सीटों पर मतदान 6 नवंबर को होना है और इसके लिए आज नामांकन पत्र दाखिल करने का आखिरी दिन है। एनडीए की इस तैयारियों से पार्टी ने स्पष्ट संदेश दिया है कि वह सभी सीटों पर मजबूत उम्मीदवारों के साथ चुनाव लड़ने को तैयार है। वहीं, महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर अभी तक कोई अंतिम निर्णय नहीं हो पाया है। कांग्रेस ने गुरुवार देर रात 48 सीटों पर अपने उम्मीदवारों के नाम घोषित कर दिए हैं, लेकिन राजद ने अभी तक कोई भी लिस्ट जारी नहीं की है। कई उम्मीदवारों को बिना किसी औपचारिक घोषणा के ही चुनाव चिन्ह प्रदान किए जा चुके हैं। यह स्थिति महागठबंधन में चल रही उलझन और असंतोष को दर्शाती है। इस बीच, महागठबंधन से नाराज चल रही विकासशील इंसान पार्टी (VIP) के प्रमुख मुकेश सहनी ने राहुल गांधी को लेटर लिखा है। उन्होंने पत्र में यह जताया कि कांग्रेस ने वादे के मुताबिक उन्हें पर्याप्त सीटें नहीं दी हैं। इससे साफ संकेत मिलता है कि महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर अब भी कई दल असंतुष्ट हैं और इसके कारण गठबंधन की चुनावी रणनीति प्रभावित हो सकती है। पटना के बाद अमित शाह का दौरा छपरा के लिए निर्धारित है, जहां वह जनसभा को संबोधित करेंगे। उनका यह दौरा बिहार चुनाव के अंतिम चरण से पहले एनडीए के लिए प्रचार और मतदाताओं को जोड़ने के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

पंजाब DIG भुल्लर के घर से ₹7 करोड़ बरामद, CBI की 21 घंटे तक चली रेड

- DIG और बिचौलिए गिरफ्तार

चंडीगढ़ । पंजाब पुलिस के रोपड़ रेंज के DIG हरचरण सिंह भुल्लर के ठिकानों पर सीबीआई (CBI) की रेड 21 घंटे तक चली। इस दौरान भुल्लर के चंडीगढ़ सेक्टर-40 स्थित घर से जब्त की गई रकम ₹7 करोड़ तक पहुंच गई। इतनी बड़ी रकम की गिनती के लिए तीन नोट गिनने की मशीनें मंगानी पड़ीं। सिर्फ नकदी ही नहीं, बल्कि DIG के ठिकानों से 15 से अधिक प्रॉपर्टी, ऑडी और मर्सिडीज कारों की चाबियां, लग्जरी घड़ियां, विदेशी शराब और तीन हथियार भी जब्त किए गए। सभी सामान को कब्जे में लेकर CBI कार्यालय ले जाया गया है। थोड़ी देर में DIG हरचरण सिंह भुल्लर और उनके बिचौलिए कृष्णु को चंडीगढ़ की स्पेशल CBI कोर्ट में पेश किया जाएगा। फिलहाल दोनों को चंडीगढ़ सेक्टर-30 स्थित CBI कार्यालय में रखा गया है। DIG भुल्लर और उनके बिचौलिए की गिरफ्तारी के बाद उनकी पहली तस्वीर भी सामने आई। CBI ने भुल्लर का चंडीगढ़ सेक्टर-16 अस्पताल में मेडिकल कराया। इस दौरान DIG ने अपना मुंह रुमाल से ढका हुआ था। उन्होंने पेंट-शर्ट पहन रखी थी और हाथ में घड़ी भी दिखाई दे रही थी। DIG भुल्लर और कृष्णु को CBI ने 16 अक्टूबर को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी की प्रक्रिया काफी रणनीतिक थी। पहले मंडी गोबिंदगढ़ के स्क्रैप कारोबारी आकाश बत्ता से 8 लाख रुपये की रिश्वत लेते हुए कृष्णु को सेक्टर-21 से पकड़ा गया। इसके बाद कारोबारी और बिचौलिए को मोहाली में स्थित अपने ऑफिस बुलाने पर DIG खुद CBI के साथ मौके पर पहुंचे। इसके बाद CBI ने भुल्लर को भी रिश्वत लेते हुए रंगेहाथ गिरफ्तार किया। जानकारी के अनुसार, कारोबारी आकाश बत्ता पर 2023 में सरहिंद थाने में दर्ज फर्जी बिल-बिल्टी के सहारे दिल्ली से माल लाकर फर्नेश में बेचने का केस दर्ज था। DIG भुल्लर और कृष्णु ने इसी केस के बहाने कारोबारी से रिश्वत की मांग की थी। कारोबारी ने इस संबंध में CBI को शिकायत की थी, जिसके आधार पर यह कार्रवाई की गई। CBI की इस रेड से स्पष्ट होता है कि पंजाब पुलिस में भ्रष्टाचार की जड़ें कितनी गहरी हैं। DIG जैसे वरिष्ठ अधिकारी द्वारा रिश्वत लेने की घटना ने पुलिस और प्रशासन की विश्वसनीयता को भी सवालों के घेरे में डाल दिया है। CBI ने इस मामले में त्वरित और सख्त कदम उठाकर स्पष्ट संदेश दिया है कि बड़े अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई संभव है। अब सबकी निगाहें कोर्ट में पेशी पर लगी हैं। यह पेशी इस बात का संकेत देगी कि उच्च पद पर बैठे अधिकारियों के खिलाफ कानून कितनी सख्ती से लागू हो सकता है। DIG भुल्लर और उनके बिचौलिए के खिलाफ आगे की जांच और संभावित आरोप तय करने की प्रक्रिया CBI द्वारा आगे बढ़ाई जाएगी।

पूर्व अमेरिकी NSA बोल्टन पर गोपनीय जानकारी लीक के 18 आरोप

-आजीवन सजा संभव

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी) । अमेरिका के पूर्व राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (NSA) जॉन बोल्टन एक बड़े विवाद में फंस गए हैं। उन पर गोपनीय जानकारी के गलत इस्तेमाल और लीक करने के 18 गंभीर आरोप लगाए गए हैं। इनमें राष्ट्रीय रक्षा से जुड़ी जानकारी साझा करने के 8 और गोपनीय दस्तावेज अपने पास रखने के 10 आरोप शामिल हैं। अगर अदालत में बोल्टन दोषी पाए गए, तो उन्हें आजीवन कारावास तक की सज़ा हो सकती है। अमेरिकी मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बोल्टन ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के कार्यकाल के दौरान अपनी गतिविधियों से जुड़ी डायरी एंट्रीज़ और नोट्स अपने AOL ईमेल अकाउंट में सेव किए थे। जांच एजेंसियों का कहना है कि इन नोट्स में राष्ट्रीय सुरक्षा से संबंधित बेहद संवेदनशील जानकारी थी, जिसे उन्होंने खुद और अपने परिवार को मेल किया था। यह मामला तब और गंभीर हो गया जब 2021 में ईरानी हैकर्स ने बोल्टन का ईमेल अकाउंट हैक कर लिया। हैकर्स ने धमकी दी कि अगर अमेरिकी प्रशासन ने बोल्टन के खिलाफ कार्रवाई नहीं की, तो वे उन गोपनीय जानकारियों को लीक कर देंगे, ठीक वैसे ही जैसे 2016 में हिलेरी क्लिंटन के ईमेल लीक किए गए थे। बोल्टन, जो ट्रम्प प्रशासन में विदेश नीति के सख्त रुख वाले सलाहकार माने जाते थे, कई बार ट्रम्प की नीतियों से असहमत रहे। खास बात यह है कि उन्होंने भारत के समर्थन में और चीन के खिलाफ सख्त रुख अपनाने की वकालत की थी, जिस पर ट्रम्प खुद नाराज़ बताए जाते हैं। बोल्टन ने बाद में अपनी किताब "The Room Where It Happened" में ट्रम्प की नीतियों और व्हाइट हाउस की कार्यप्रणाली पर खुलासे किए थे।

स्वदेशी तेजस ने भरी पहली उड़ान: नासिक प्रोडक्शन लाइन से बढ़ेगी वायुसेना की ताकत

नासिक । भारतीय रक्षा क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण मील का पत्थर हासिल किया गया है। हिंदुस्तान एयरोनॉटिक्स लिमिटेड (HAL) ने महाराष्ट्र के नासिक में अपनी तीसरी प्रोडक्शन लाइन का उद्घाटन किया, जहाँ स्वदेशी हल्के लड़ाकू विमान तेजस (Tejas) बनाए जा रहे हैं। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने इस नई लाइन का औपचारिक उद्घाटन किया और नासिक में बने पहले लाइट कॉम्बैट एयरक्राफ्ट की पहली उड़ान को भी देखा। इस नई प्रोडक्शन लाइन के जरिए भारतीय वायुसेना को Mark 1A फाइटर जेट की आपूर्ति में महत्वपूर्ण तेजी आएगी। HAL के अनुसार, नासिक में वर्तमान में सालाना आठ विमानों का उत्पादन हो रहा है, जिसे बढ़ाकर 10 विमानों तक किया जा सकता है। यह प्रोडक्शन लाइन वायुसेना को 2032-33 तक कुल 180 तेजस विमानों की आपूर्ति सुनिश्चित करेगी। तेजस विमान अपनी आधुनिक तकनीक और उच्च प्रदर्शन क्षमता के लिए जाना जाता है। इसका सबसे बड़ा आकर्षण इसके विंग्स (पंखों) में नौ अलग-अलग जगहों पर मिसाइलों और अन्य हथियारों को फिट करने की क्षमता है। इससे यह युद्ध में बेहद लचीला और खतरनाक साबित होता है। Mark 1A संस्करण में कई सुधार किए गए हैं, जैसे कि उन्नत रडार सिस्टम, बेहतर एवियोनिक्स और आधुनिक हथियारों को लागू करने की क्षमता। तेजस Mark 1A का औसत मूल्य लगभग 600 करोड़ रुपए है। यह फाइटर जेट 2205 किलोमीटर प्रति घंटे की गति से उड़ सकता है, जो ध्वनि की गति के लगभग दोगुने के बराबर है। इस विमान की खासियत यह भी है कि इसका निर्माण पूरी तरह से घरेलू संसाधनों और तकनीक का इस्तेमाल करके किया गया है। देश की 500 से ज्यादा घरेलू कंपनियाँ इस प्रोजेक्ट में शामिल हैं, जिससे इसे 'स्वदेशी तेजस' कहा जाता है। HAL को सितंबर में अमेरिका से इसका चौथा इंजन भी प्राप्त हुआ था। यह इंजन Mark 1A की उड़ान क्षमता और प्रदर्शन को और अधिक मजबूत बनाता है। नए इंजन और प्रोडक्शन लाइन के साथ, वायुसेना को भविष्य में अपनी आवश्यकताओं के अनुसार तेजस विमानों की संख्या बढ़ाने में आसानी होगी। स्वदेशी तेजस परियोजना न केवल भारत की रक्षा शक्ति को मजबूत कर रही है, बल्कि देश के विमानन उद्योग और उससे जुड़े कई घरेलू कंपनियों के लिए रोजगार और तकनीकी विकास का अवसर भी प्रदान कर रही है। इसके अलावा, यह भारत को वैश्विक स्तर पर हवाई सुरक्षा और सैन्य शक्ति के क्षेत्र में आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक बड़ी सफलता है। रक्षा विशेषज्ञों के अनुसार, नासिक में स्थापित यह तीसरी प्रोडक्शन लाइन देश के रक्षा क्षेत्र मंश स्वदेशी तकनीक और आधुनिक हथियार प्रणाली को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभाएगी। भविष्य में तेजस विमान भारतीय वायुसेना की ताकत और तैयारी को और अधिक बढ़ाएंगे और भारतीय रक्षा उत्पादन में आत्मनिर्भरता की दिशा में मील का पत्थर साबित होंगे।

ऑनलाइन जुआ-सट्टेबाजी पर सुप्रीम कोर्ट में सुनवाई

-फैंटेसी गेम्स को बताया खतरा

नई दिल्ली । दीपावली का समय भारतीय संस्कृति में ख़ुशियों और पारिवारिक मेल-जोल का प्रतीक है। इसके ठीक पहले देश के कई हिस्सों में शगुन का खेल या पारंपरिक रूप से छोटे-मोटे जुए और सट्टे का चलन देखा जाता है। यह खेल अक्सर परिवार और मित्रों के बीच मनोरंजन के लिए खेला जाता रहा है। लेकिन आज की डिजिटल दुनिया में इसका स्वरूप पूरी तरह बदल गया है। ऑनलाइन गेमिंग और फैंटेसी स्पोर्ट्स ने शगुन और पारंपरिक खेल की जगह आर्थिक नुकसान और साइबर अपराध की नई समस्या को जन्म दिया है। इस गंभीर विषय को लेकर सुप्रीम कोर्ट में आज सुनवाई होने जा रही है। चीफ जस्टिस की बेंच इस मामले की समीक्षा करेगी। सुनवाई का केंद्रबिंदु ऑनलाइन जुए और सट्टेबाजी पर नियंत्रण की जरूरत है। यह मामला जनहित याचिका के रूप में दायर किया गया है। इसे सेंटर फॉर एकाउंटेबिलिटी एंड सिस्टेमिक चेंज और अधिवक्ता शौर्या तिवारी ने सुप्रीम कोर्ट में पेश किया है। याचिका में दलील दी गई है कि ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म और फैंटेसी गेम्स ने पारंपरिक शगुन के खेल को गंभीर सामाजिक और आर्थिक समस्याओं में बदल दिया है। पहले यह खेल केवल मनोरंजन और त्योहारों की खुशी बढ़ाने के लिए खेला जाता था। लेकिन अब यह बच्चों, युवाओं और वयस्कों में लत पैदा कर रहा है। याचिका के अनुसार, देश में लगभग 65 करोड़ लोग ऑनलाइन गेमिंग प्लेटफॉर्म पर सक्रिय हैं। इनमें से अधिकांश लोग रियल मनी गेम्स में दांव लगाते हैं। इन गेम्स का सालाना कारोबार 1.8 लाख करोड़ रुपये से अधिक बताया गया है। यह संख्या न केवल भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बड़ी है, बल्कि यह संकेत देती है कि इस क्षेत्र में निगरानी और नियंत्रण की कितनी गंभीर आवश्यकता है। ऑनलाइन गेमिंग और फैंटेसी गेम्स की लत से न केवल व्यक्तिगत और पारिवारिक स्तर पर समस्याएं पैदा होती हैं, बल्कि यह साइबर अपराध और आर्थिक अपराध का मार्ग भी खोलता है। याचिका में उल्लेख किया गया है कि कई मामलों में लोग भारी नुकसान उठाने के बाद भी इससे जुड़ने से खुद को नहीं रोक पाते। परिणामस्वरूप पारिवारिक तनाव, कर्ज़ में वृद्धि और मानसिक स्वास्थ्य संबंधी समस्याएँ बढ़ रही हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि डिजिटल प्लेटफॉर्म पर गेमिंग की इस बढ़ती लत ने पारंपरिक कानून और नीतियों की सीमाओं को चुनौती दी है। भारत में सट्टेबाजी और जुआ पर कई तरह के प्रतिबंध हैं, लेकिन ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर इनके क़ानूनी प्रवर्तन की प्रक्रिया अभी भी अधूरी है। यही कारण है कि सुप्रीम कोर्ट से इस मामले में सख्त दिशा-निर्देश देने की उम्मीद की जा रही है। याचिका में कोर्ट से यह भी आग्रह किया गया है कि सरकार को डिजिटल गेमिंग प्लेटफॉर्म के लिए सख्त नियामक ढांचा लागू करना चाहिए। इसमें युवा और नाबालिगों की सुरक्षा, गेमिंग से उत्पन्न वित्तीय जोखिम और साइबर अपराध की रोकथाम पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही ऐसे गेम्स के विज्ञापन और मार्केटिंग पर भी नियंत्रण लगाया जाना आवश्यक है। सोशल मीडिया और डिजिटल विज्ञापन के माध्यम से इन प्लेटफॉर्म्स का प्रचार बड़ी मात्रा में हो रहा है। इसका असर युवाओं पर सबसे अधिक पड़ता है।

भारत ने ट्रम्प का दावा खारिज किया

-मोदी-ट्रम्प में रूसी तेल पर कोई बातचीत नहीं हुई

वॉशिंगटन डीसी (एजेंसी) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के ताज़ा बयान पर भारत ने सख्त प्रतिक्रिया दी है। ट्रम्प ने बुधवार को दावा किया था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे बातचीत के दौरान भरोसा दिलाया है कि भारत अब रूस से तेल नहीं खरीदेगा। इस पर भारतीय विदेश मंत्रालय (MEA) ने साफ कहा कि ऐसी कोई बातचीत दोनों नेताओं के बीच नहीं हुई। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने गुरुवार को मीडिया से कहा—"प्रधानमंत्री मोदी और अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बीच हाल में किसी भी तरह की बातचीत नहीं हुई है। इसलिए इस तरह के दावे का कोई आधार नहीं है।" दरअसल, ट्रम्प ने एक चुनावी रैली के दौरान कहा था कि उन्हें भारत द्वारा रूस से तेल खरीदना पसंद नहीं था, लेकिन "मोदी ने मुझसे कहा है कि अब भारत ऐसा नहीं करेगा।" ट्रम्प ने आगे जोड़ा था कि अब वे चीन को भी रूस से तेल आयात बंद करने के लिए कहेंगे। गौरतलब है कि अगस्त 2025 में ट्रम्प प्रशासन ने भारत पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगा दिया था, यह कदम रूस से तेल आयात जारी रखने के जवाब में उठाया गया था। इससे पहले अमेरिका ने 25% का टैरिफ पहले ही लगा रखा था। इस तरह अब भारत पर अमेरिकी टैरिफ की कुल दर 50% हो गई है। भारत का रुख लगातार यही रहा है कि वह अपनी ऊर्जा सुरक्षा के लिए स्वतंत्र नीति अपनाएगा। भारत दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी तेल उपभोक्ता अर्थव्यवस्था है और वह अपने राष्ट्रीय हितों के अनुसार ही किसी भी देश से कच्चा तेल खरीदेगा। सरकारी सूत्रों के मुताबिक, भारत ने अमेरिकी बयान को "भ्रामक और चुनावी राजनीति से प्रेरित" बताया है।

पेरू में GenZ की बगावत: एक की मौत, 100 घायल

-7 दिन पुराने राष्ट्रपति से इस्तीफे की मांग

लीमा (एजेंसी) । दक्षिण अमेरिकी देश पेरू इन दिनों युवा उभार की आग में जल रहा है। भ्रष्टाचार और राजनीतिक अस्थिरता के खिलाफ GenZ (युवा पीढ़ी) के नेतृत्व में चल रहे प्रदर्शन हिंसक रूप ले चुके हैं। गुरुवार को राजधानी लीमा में हुए विरोध प्रदर्शनों में एक युवक की मौत हो गई, जबकि 100 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। इनमें करीब 80 पुलिसकर्मी और 10 पत्रकार शामिल हैं। प्रदर्शनकारियों ने हाल ही में सत्ता संभालने वाले राष्ट्रपति जोस जेरी के खिलाफ जमकर नारेबाजी की और उनके इस्तीफे की मांग की। जोस जेरी सिर्फ सात दिन पहले, यानी 10 अक्टूबर को, तब सत्ता में आए थे जब संसद ने पूर्व राष्ट्रपति दीना बोलुआर्ते को भ्रष्टाचार और दमनकारी नीतियों के आरोप में पद से हटा दिया था। जेरी पिछले पांच साल में पेरू के छठे राष्ट्रपति हैं, जो देश की गहरी राजनीतिक अस्थिरता को दिखाता है। उन्होंने प्रदर्शनकारियों से शांत रहने की अपील की और कहा—"मेरा कर्तव्य देश में स्थिरता बनाए रखना है। यही मेरी जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता है।" उन्होंने संसद से अपराध और अराजकता पर नियंत्रण के लिए विशेष अधिकार भी मांगे हैं। GenZ के नेतृत्व में यह आंदोलन केवल पेरू तक सीमित नहीं है। पिछले एक महीने में इसी नई युवा शक्ति ने तीन देशों — पेरू, नेपाल और मेडागास्कर — में सत्ता परिवर्तन या राजनीतिक तख्तापलट में अहम भूमिका निभाई है।

मुद्रक, प्रकाशक व स्वत्त्वाधिकारी मुन्ना खान के लिए श्री राम ऑफसेट, 6, शॉपिंग सेंटर, जोरावर सिंह गेट के बाहर, आमेर रोड, जयपुर से मुद्रित तथा रॉयल पत्रिका कार्यालय 4312 मोहल्ला नायकों का, जगन्नाथ शाह का रास्ता, नाहरबाड़ा, रामगंज, जयपुर से प्रकाशित। संपादक मुन्ना खान मों. 08058969180 कार्यालय फोन- 0141-2609886,